GARRISON ARTILLERY.
DRILL.

kr.

1899.

VOL. I.

PART I. INSTRUCTION.
... II. COAST DEFENCE.



LONDON:
RINTED FOR HER MAJESTY'S STATIONERY OFFICE,
BY HARRISON AND SONS, ST. MARTIN'S LANE,
PRINTERS IN ORDINARY TO HER MAJESTY.

Ind to be purchased, either directly or through any Dookseller, from E&SPOTTISWOODE, EAST HARDING STREET, FLERT STREET, E.C.; or JOHN MENZIES & Co., 12, HANOVER STREET, EDINBURGH, and 90, WEST NILE STREET, GLASGOW; or ODGES, FIGGIS, & Co., Limited, 104, GRAPTON STREET, DUBLIN.

Price Sixpence.

(Wt. 1313 | 10000 | 5 | 97 - H & S | 1620) | P. 98 | 957

Lase

TABLE OF CONTENTS.

PART I.-INSTRUCTION.

| | | | | | Secti | ion : | I. | | | | | |
|------------------------------------|-----------|------------|----------------|----------|--------|-------|----------|-------|-------|-------|-------|----------|
| Preliminary 1 | | | | | | | | | | | | PAG |
| Definition | emar | KS. | ••• | ••• | ••• | ••• | *** | ••• | | ••• | ••• | 1 |
| Definition of | gunn | ry te | rms | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | •• | •• | ••• | 1 |
| ^ | | | | Secti | on II. | -Le | ectures. | | | | | |
| General rules | for b | etru. | tore | | | | | | | | | |
| The rifled gui | ,01 11 | 100111 | LUIS | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 2 |
| Object of riffin | | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 2 |
| Rystems of riffing Twist of wish | ling | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | • - • | •.• | ••• | ••• | ••• | 2 |
| Twist of rifi Centrine | | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ٠ | ••• | ••• | 2 |
| Centring | | | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 2 |
| | | ••• | ••• | • • • | •• | ••• | ••• | ••• | ••• | •• | ••• | 2 |
| Muzzle or bre | ech l | ··· | ··· | ••• | ••• | ••• | •.• | ••• | ••• | ••• | ••• | 2 |
| Forces acting In the bore | on a | neula | utila | ••• | ••• | ••• | ••• | • • • | ••• | ••• | ••• | 26 |
| 10 11- | on a | , roje | | ••• | ••• | ••• | *** | ••• | ••• | ••• | ••• | 26 |
| | • | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 20 |
| rulectory | | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 27 |
| Nocessity of a klevation by | dulna | olov | ation (| ••• | *** | • • • | ••• | ••• | ••• | ••• | | 30 |
| Elevation by 1 Causes affecting | (14 TITM | 0101 | anion i | t alabi | 1111 | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 31 |
| Causes affective | or the | 01 0 | ungen | υ Bigin | | ••• | ••• | ••• | •• | ••• | ••• | 3. |
| N. 11 | ig thi | -alo | ity an | or alloc | oung. | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 35 |
| Effect of vary | dna't | VOIO | tura a | d pres | wine | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 36 |
| 11 - mod | fulna | the | TUD U | r pow | uer | • | ••• | ••• | . ••• | ••• | ••• | 87 |
| " , alter | ing tille | | ight o | fitha . | .h | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 39 |
| | | | | | | | charge | ••• | ••• | ••• | ••• | 40 |
| lethods of ch | ook in | MIG MIG | villien oil | ic uei | • | | cnarge | *** | ••• | ••• | ••• | 40 |
| F. Runa | CCKIII | K IEC | OH | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | • • • | ••• | 40 |
| ust defence | | • | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 44 |
| - CICH | • | • | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 47 |
| _ • | | | Section | II no | I.—La | ying | Ordna | nce. | | | | • |
| xplanation of | term | | | ••• | ••• | | | | | | | • • |
| | | | | ••• | | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 50 |
| | ds of | lavin | œ | ••• | | | ••• . | ••• | ••• | ••• | ••• | 50 |
| | | | | | | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 52 |
| . WHIT | | | | | ••• | ••• | ••• | | ••• | ••• | ••• | . 52 |
| " iii e! " | | - | | | | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | *** | 54 |
| tructional ta | rget | | | ••• | | ••• | ••• | • • | ••• | ••• | ••• | 85 85 |
| (g.a.d.) | Ϋ́ | | | | | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ດ *** | 0.0 |
| | , | | | | | | | | | | • | |

Laying by night

Special Case Shot

Time fuzes ...

20 seconds M.L.

15 seconds M. L.

Percursion fuzes

R.L. II, III and IV

Small, Ille and IV

Pettman G.S.

Direct action ...

Time, sensitive, middle

LOB

57 58

> 68 61 GB GB (1 68 60

92 92 93

93 •••

90

••• g1

••• ...

••• ••• 92

••• ••• ••• ...

••• ••• ••• ••• 60

••• ... ••• ••• 91

••• •••

••• ••• ... •••

... ••• ••• •••

... ••• •••

••• ••• ٠.,

••• ••• •••

| | ••• | ••• | ••• | *** | *** | *** | | | ì |
|---------------------------------|----------|-----------|-------|-----|-----|-------|-----|---------|-----|
| General remarks on laying | ••• | ••• | ••• | ••• | | | ••• | ••• | (|
| | | | | | | | ••• | ••• | 1 |
| | | Section 6 | n IV. | | | | | | |
| General rules for instructors | | | | | | | | | |
| Komenclature of artillery ma | onzine | etore | | ••• | ••• | *** | ••• | *** | |
| Classes of gunpowder | | | | ••• | •• | *** | *** | ••• | |
| lasuo ,, ,, | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | *** | ••• | |
| Cordite | | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | |
| Cartridges for rifled ordnance | e mate | rial | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | |
| Filling cartridges with loose | Dowder | | ••• | ••• | ••• | ••• | *** | • • • • | |
| as as brism | atic no | v.d. | ••• | ••• | ••• | *** | ••• | ••• | |
| Blarking and gauging filled c | artride | C# | ••• | ••• | ••• | • • • | ••• | ••• | |
| issue of filled cartridges | | | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | , |
| Securing lids of cylinders an | d cases | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | *** | ••• | |
| Stacking zinc cylinders | *** | ••• | *** | ••• | ••• | ••• | ••• | *** | |
| Drill cartridges | ••• | ••• | ••• | ••• | • • | ••• | *** | *** | |
| Means of firing ordnance | ••• | | | ••• | ••• | ••• | ••• | *** | |
| Distinguishing marks of pro | Jectiles | | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | • • | |
| Storage of filled shell in cha- | rge of | R.A. | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | *** | |
| tre and effect of common st | iell | ••• | ••• | ••• | ••• | *** | ••• | *** | |
| Filling common shell | *** | ••• | ••• | | ••• | ••• | ••• | *** | |
| Proportions of P. and F. G. | to be u | ed | ••• | | ••• | ••• | ••• | *** | |
| Filling with bag through fuz | | ••• | *** | | ••• | ••• | ••• | *** | |
| | e base | ••• | ••• | *** | ••• | ••• | ••• | ••• | 4 |
| Use and effect of shrapnel al | heil | *** | ••• | ••• | *** | ••• | ••• | .*** | |
| Consideration of velocity at | burst | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | *** | |
| ,, distance of | | ••• | ••• | ••• | ••• | *** | ••• | ••• | |
| " "angle of de | | *** | *** | *** | ••• | ••• | ••• | *** | ò |
| ****** ** ** ** ** ** ** ** | cent | ••• | *** | ••• | *** | ••• | ••• | *** | • |
| Filling shrapnel shell | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | |
| Segment shell | *** | ••• | *** | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | |
| Starshell | *** | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | *** | *** | |
| l'alliser shot | ••• | *** | *** | *** | ••• | ••• | | ••• | • |
| Armour-piercing shot | ••• | ••• | *** | ••• | ••• | ••• | ••• | *** | . * |
| Case shot | | | | | | | *** | *** | |

••• ••• ••• •••

••• ••• ••• ---••• ...

•••

••• ••• ••• • • • •••

••• ••• ••• ••• ... ••• ... •••

••• ••• ••• ••• ...

••• ••• ... ••• ••• ... ٠,. ,.. •••

special priming ...

•••

••• ••• ••• •••

'15 seconds with detonator (Mark III)

••• ••• ••• ...

••• ••• ••• ••• ••• ••• • • • •••

••• ••• ٠., ...

••• •••

••• ••• ••• ••• •••

TABLE OF CONTENTS.

| Lago | Armstrong | | | | | | | | | | | PAGE |
|--------------------|---|----------|---------|---------|---------------|-------|-------|-------|-------|-----|---------|------|
| ,, | law | ••• | ••• | *** | •• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | *** | 91 |
| • | | ••• | ••• | ••• | ••• | •• | ••• | | ••• | ••• | ••• | 91 |
| | medium | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 91 |
| Fuzo | Totchkiss | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | *** | 91 |
| | Hotchkiss time, and p | ercusa | sion, 1 | middle | ••• | | ••• | ••• | | | ••• | 94 |
| l'ron | aring fuzes | ,, | | hort, I | l* and | 111 | *** | ••• | ••• | ••• | | 94 |
| Fuzo | aring fuzes | *** | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | | 94 |
| Fura | aring fuzes 8, time, wood 1, time an 1 po time, sensit | i | | | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | • • • • | 95 |
| | , all I life | rcussi | on, n | iddle a | nd sho | rt | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 97 |
| | | | | | | | | ••• | ••• | | *** | 95 |
| " | percussion, | Pettu | nan's, | G.S. | ••• | ••• | ••• | *** | ••• | ••• | ••• | 95 |
| " | ,, | R.L. | ••• | | | | ••• | ••• | ••• | ••• | | 95 |
| - 11 | 11 | direc | t actie | n, I* a | nd H | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | | 94 |
| ٠, | ** | •• | ,, | · III | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | | *** | 95 |
| ** | ,, | rmall | , bas | Arms | trong | ••• | | | ••• | ••• | ••• | 95 |
| " | ,, | | | | nediun | | ••• | | ••• | ••• | | 95 |
| o.'' | ,, | Hotel | | *** | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | | | 95 |
| Cone | ral service w | ad | ••• | ••• | ••• | ••• | | | | ••• | ••• | 97 |
| | hecks | | | | | ••• | | ••• | •• | ••• | ••• | 99 |
| LIXIU | gus-checks | with | nlug | nnd nu | t | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 99 |
| ** | 11 | | " | with he | xagon | | | ••• | ••• | ••• | ••• | 99 |
| 4. 17 | | one-ch | ooks. | | - | | | ••• | • • • | ••• | ••• | 100 |
| Aug. | automatic nenting strip to wada | Mana-Cit | | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 100 |
| vy eu | nenting strip 10 wads | | ••• | *** | ••• | • • | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 103 |
| Tin e Pris | Uton | | ••• | *** | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 101 |
| Prim Pro | ers | ••• | | ••• | ••• | •• | • • • | *** | • • | ••• | ••• | |
| | | n ha | 0.001 | i. b. 6 | II obom | | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 101 |
| ^mm | unition for C | lay be | meu | WILL IU | iii ciiai | ges | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 102 |
| | | | | | | *** | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 102 |
| Diapo | y Q.F. cartr | mge ci | BACH | 1. I. i | | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 105 |
| • | y Q.F. cartr | artrid | Res M | nien m | iss iire | ••• | ••• | ••• | ••• | *** | ••• | 105 |
| | | | | | n V .– | diah. | ta &c | | | | | |
| Skht | for R.M.L. | | | DCCU | | D.B. | • | • | | | | |
| 11 | . 101 It.M.L. | guns | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 107 |
| | 11 13.12. | ** | ••• | ••• | ••• | ••• | . ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 109 |
| Short. | ,, R.B.L. | ,, | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 109 |
| ing), t | ing blades | ••• | ••• | *** | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 110 |
| temo | Tik blades | ••• | ••• | ••• | *** | ••• | ••• | • • • | ••• | ••• | ••• | 110 |
| nder | The range | stripa | ••• | ••• | *** | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 110 |
| Steve | Frances and 1 | Cutters | · · · · | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 111 |
| V.1 | | rs | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 111 |
| Marter | cinometer | *** | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | *** | 111 |
| Warr | einometer pliers | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | *** | ••• | ••• | ••• | 112 |
| ~6 R | pliers in's clinomet | er | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | | ••• | 113 |
| | | | | | | | | | | | | |
|) _{0.1} . | | | | - 1 | Sectio: | n VI. | | | | | | • |
| , un | ince, carring | es, slid | les. & | c gen | erally | | | ••• | | | | 117 |
| THIE E | und is | , | | , B | | ••• | | ••• | ••• | ••• | ••• | ::: |

| O | | | | | | | | | | PAG |
|----------------------------|---------|----------|---------|---------|---------|----------|---------|----------|------|-----|
| General instructions | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | | ••• | 11 |
| Preservation of sights | ••• | ••• | ••• | ••• | | | | • • • | | 12 |
| , fittings | | •• | ••• | ••• | | | ••• | ••• | | 12 |
| Examination of ordnan | ıce | ••• | ••• | ••• | ••• | | ••• | ••• | ••• | 12 |
| Instructions for the car | e of th | ie De B | ance | btura | tor | ••• | | | | 12 |
| Come wild brewelf Alligh U | of carr | inges | | | | | ••• | | ••• | 12 |
| General instructions | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | | ••• | ••• | ••• | 12 |
| Scraping and painting | ••• | ••• | ••• | ••• | | ••• | | ••• | ••• | 12 |
| Instructions for filling a | and ad | liusting | hvdr | aulic b | uffers | ••• | | • • • • | | 18 |
| reobe municials | ••• | | | ••• | | ••• | | • • • • | | 13 |
| Optical instruments | *** | ••• | ••• | ••• | ••• | | | | | 13 |
| | ••• | ••• | ••• | ••• | •••• | | | | | |
| | | 9 | Section | n VI | ľ. | | | | | |
| Instructions don at a | | | | | | | | . | | 13 |
| Instructions for the ma | inager | nent an | | ervati | on of e | electric | e nring | t ubbm | HLUB | 13 |
| The 3-cell Leclanché fir | ing be | | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | • • • | *** | 13 |
| The Menotti test batter | ту | | *** | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 13 |
| The battery and key, te | est and | 1 Bring | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | *** | 10 |
| | | | | | | | | | | |
| | | | secuo | n VI | LI. | | | | | |
| Instructions for the ver | ntilati | on of m | agaziı | nes | ••• | | | | | 18 |
| | | | ٠. | | | | ••• | ••• | ••• | |
| | | | Secti | on IX | | | | | | • |
| | | . 11 | | | | | | | | 1. |
| Instructions as to light | ung ai | na ismil | ··· 8 | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 1. |
| | | | 4 | : | | | | | | ٠. |
| | | | wbbe | ndix : | ı. | | | | | |
| Description, &c., of au | itomat | ic sigh | t | ••• | ••• | | | | | 14 |
| | | | | | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | - |
| | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | • | |

LIST OF PLATES.

| | 118 | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• |
|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----------|
| ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | |
| ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | Appendix |
| | | ••• | | | | | | |

ABBREVIATIONS.

For further information on the subjects of this Manual, the latest editions of the following books may be consulted:—

"Treatise on the Construction of Ordnance."

"Treatise on Military Carriages."

"Equipment Regulations."

" List of Changes in Military Stores."

"Treatise on Ammunition"

"Text Book on Gunnery."

"Armour and its Attack by Artillery," by Orde Browne.

Handbook for each nature of Gun.

Regulations for Magazines, Ammunition Stores, and

Laboratories.

Handbook of Gunpowder and Guncotton.

Siege Artillery Drill.

Manual of Hydraulics for G.A.

Notes on mechanism.

THE CEREMONIAL PARADE OF A GARRISON COM-PANY IN DRILL OR MARCHING ORDER PAS-SING SINGLY.

The company will, as a rule, parade as a battalion of two companies in "Infantry Drill," the senior subaltern acting as captain of the right company, and the second senior subaltern as captain of the left company. The junior subaltern will fall in with the right company

The major (dismounted, without spurs and sabretache) and the captain will carry out the duties laid down for the battalion commander and major respectively in "Infantry Drill," but their posts in line (page 68) and column (page 200)

will be half the number of paces laid down in that drill.

The company sergeant major will carry out the duties of the regimental sergeant major of infantry.

The trumpeters will fall in one with each company, in the Post laid down for the drummers of an infantry company, excepting at "Open Order," when they will be in line with the front rank and three paces from the right of it—senior trumpeter on the right, ready to sound the "Flourish" when arms are "presented."

The inspection and march past, &c., will then proceed as laid down in "Infantry Drill" for a battalion, with the exception that artillery do not "fix swords," and are to "trail arms" when the infantry would "slope arms."

When a lieutenant-colonel's command of several garrison companies is parading as a battalion, each company will parade as above laid down; except that the captain will take command of the right sompany and the junior subaltern will fall in with the left company.

The organization of the company should not be interfered with unless absolutely necessary, and "sizing" should under

ordinary circumstances, be confined to special occasions, such as the Commander-in Chief's inspection, parades with other troops, &c.

A major of one of the companies will be told off by roster as mounted major; the other majors will, in all cases, including parades for the inspection of the Commander-in-Chief, fall in with their companies and be dismissed or ordered to fall in, in rear of the saluting base, before the battalion is moved from the passing line, according to circumstances.

NOTE.

The "Infantry Drill" will be used for instruction in :-

Recruit or squad drill.

Physical drill.

Company drill.

Ceremonial parade of a company battalion or brigade.

Guarus.

The "Rifle Exercises," 1898. From page 23 to third line from top of page 28, for:—

Bayonet exercise—which however is never to be practised for G.O.C.'s inspection, or when parading with other troops.

The "Manual Exercises," for :-

Manual exercise of the carbine with which the company is armed.

The "Musketry Instruction," for :-

Carbine firing exercise.

Target practice.

Recruits course garrison artillery.

Trained soldiers course garrison artillery.

The "Instructions for fitting value equipment" (1888) for:

Fitting and packing value equipment.

Section I .- Preliminary Remarks.

GARRISON ARTILLERY DRILL.

PART I.-INSTRUCTION.

SECTION L-Preliminary Remarks.

 $rac{\mathbf{I_T}}{\mathbf{r}}$ is not intended that the instruction should be imparted in

the exact order as printed.

Practical gunnery and description of guns, mountings, gears, &c., should be taught at the gun, but everything connected with the theory of gunnery, as also all subjects which can best be tanglit indoors should be explained, as a rule, by an officer under the most comfortable circumstances to the hearers by means of lectures, or otherwise; use being made of models and of the black board, and advantage being taken of all available facilities for making the men, particularly when recruits, take a liking to their instruction. They should be given the best instructors and the best accommodation available, for men can hardly give due attention to, or profit by, explanations of theory, &c., conveyed to them by an indifferent instructor, or standing in the cold or wet under circumstances of physical discomfort.

The recruit should only be taught "essentials," but the "young soldier" should be completely instructed during his service as such. As regards the trained soldier the commanding officer will arrange to keep up his knowledge by periodical lectures, and instruction adapted as to matter and frequency to the classes into which the non-commissioned officers and men are

divided.

PART I .- Instruction. Section I .- Definitions.

DEFINITIONS OF GUNNERY TERMS.

Note. - Every gunner should be taught the meaning of those definitions marked with an asterisk.

*Calibre.—The diameter of the bore in inches; in rifled guns it is measured across the lands. See fig. 1. *† Windage.—The difference between the sectional area of the

bore through the grooves and that of the projectile through the studs, gas checks, or the driving bands. See unshaded portion fig. 2. Note.—With B.L. guns there is practically no windage.







Fig. 2.

*Axis of the Piece.—A line passing down the centre of the bore See AB, fig. 3.

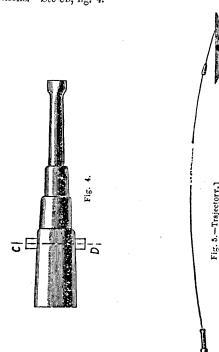


Fig. 8.

^{*} Windage is sometimes expressed in linear units; it is then the differen between the diameter of the projectile and the calibre of the gun, irrespective of stuis or grootes.

Section I .- Definitions.

*Axis of the Trunnions.—A line passing through the centre of the trunnions. See cp, fig. 4.



Section I.—Definitions.

*Trajectory.—The curve described by the projectile in pas from the muzzle to the first point of impact. See fig. 5.

*Range.—The distance from the piece to the second inte section of the trajectory with the line of sight. *Note.—In plain terms this is the distance between the gun and the targetired at.

*Line of Sight.—A line passing through the sights of the partial the sights of the partial through the sight through through the sight through the

and the point aimed at. See EF, fig. 6.

*Line of Fire.—A line joining the muzzle of the piece and point aimed at. This term would be used instead of the preced, one if firing from behind cover or in any case when the sights the piece are not used.

Plane of Sight.—The vertical above

Plane of Sight.—The vertical plane passing through the 1

of sight.

Angle of Sight.—The angle which the line of sight makes with the horizontal plane. See GHI, fig. 7.

*Angle of Elevation.—The angle which the line of sight mak

with the axis of the piece. See fig. 8.

*Quadrant Angle.—The angle which the axis of the pie makes with the horizontal plane. It is termed quadrant elevative or depression according as the piece is laid above or below thorizontal plane. See fig. 8. Note.—The angle of clevative and the quadrant angle are the same when the line of sight horizontal.

Line of Departure—The direction of the projection of the projection of the projection.

Line of Departure.—The direction of the projectile on leavi the muzzle, in other words, a tangent to the trajectory at t

muzzle. See fig. 9.

Phine of Departure.—The vertical plane passing through the line of departure.

Angle of Departure.—The angle between the line of departure

and the horizontal plane. See fig. 9.

*Jump.—The angle between the line of departure and the as

of the piece before firing. See fig. 9. Note,—Jump arise from the gun and carriage revolving in a vertical plane on the

Section 1.-Definitions.

Fig. 7.—Angle of Sight. Fig. 6.-Line of sight.



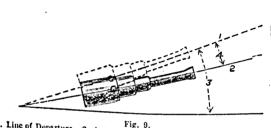
departure and the axis of the piece before firing would

16

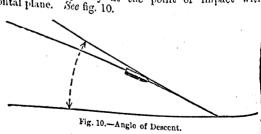
PART I .-- Instruction.

Section I .- Definitions.

points of support in rear when the gun is fired, and takes before the projectile leaves the bore. With no jump the li



1. Line of Departure. 2. Axis of Piece. 3. Angle of Departure. 4. Jun Angle of Descent or angle of Arrival.—The angle made tangent to the trajectory at the point of impact with horizontal plane. See fig. 10.



Slope of Descent.—In some range tables this angle of descent d is called slope of descent, expressed as 1 in 8, 1 in 6, 1 in so on, this means that the shell at the end of its trajector

Section I .- Definitions.

l foot vertically while travelling 8, 6, or 5 feet horizontally, as the case may be.

Note.—The angle or slope of descent, as given in range bles, is only correct when the gun and target are in the same prizontal plane. If not in the same plane, the angle that a raight line between the gun and object makes with the rizontal, must be added to or deducted from the angle given range tables, according as the gun is in a plane above or low the object.

Dangerous Space.—Is the horizontal distance in which the hjectory would catch any vertical target. For instance a shell th a slope of descent of 1 in 10 would hit the side of a vessel 20 feet freeboard over a space of 200 feet.

Angle of Incidence.—The angle which a tangent to the trajectory the point of impact makes with the surface struck. It may considered either vertically or horizontally. See figs. 11 and 12.

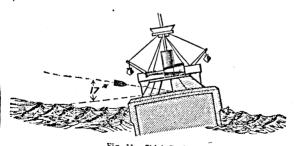


Fig. 11 .- Ship's Deck.

Lateral Deviation.—The perpendicular distance of the point of Pact of the projectile right or left of the plane of sight. В

PART I .- Instruction. 18 Section I,-Definitions. *Drift.—The constant deflection of the projectile from the ple of departure due to the rotation imparted by the rifling of piece. See fig. 13.

Section 1 .- Definitions.

*Point Blank.—A gun is laid point blank when the line of sight h Parallel to its axis. Point blank range is the range due to he jump of the gun.

Juzzle Velocity.—The velocity in feet per second with which projectile leaves the muzzle.

hemaining Velocity.—The velocity of a projectile at any given point of its trajectory.

Striking Velocity.—The velocity of a projectile at the point of Impact.

Forcement.—The pressure necessary to make the projectile ake the rifling in B.L. Guns. Energy (vis viva, live force).—Is the work stored up in a proectile at the moment considered. It depends on its weight and velocity.

The formula for finding it is $-E = \frac{WV?}{2g \times 2240}$ foot tons. Where W = the weight of the projectile in Ibs.

Vits velocity per second in feet.

y a constant expressing force of gravity = 32.2.

It is measured in foot tons, which means a force capable of alking a ton one foot in height, thence the necessity of dividing he numerator by 2240.

As the velocity is squared, it is evident that an increase of elocity has more effect on energy than an increase of weight, instance the 12" B.L. shell with a full charge, and a muzzie elocity 1,914 f.s., has a muzzle energy of 18,137 foot tons (meanthat work is expended equal to raising 18,137 tons one obt, or one ton 18,137 feet), but the 12" R.M.L. shell of nearly he same weight, with a muzzle velocity of 1,390 f.s., has a muzzle nergy of only 9,563 foot tons.

Energy is spoken of as "muzzle energy" when measured at the muzzle, or "striking energy" when measured at the target. The following are the natures of artillery fire:

Section I.—Definitions.

1. WITH REFERENCE TO THE VERTICAL PLANE.

Direct Fire.—Fire from guns with service charges at all angle of elevation not exceeding 15°. Curved Fire. - Fire from howitzers at all angles of elevation

not exceeding 15°. High-Angle Fire.—Fire from guns and howitzers at all angle of elevation exceeding 15°.

2. WITH REFERENCE TO THE HORIZONTAL PLANE.

Frontal Fire.—The line of fire perpendicular to the front of the target fired at.

Oblique Fire.—The line of fire inclined to the front of the

target fired at. Enfilade Fire.--The line of fire parallel (or nearly so) to the front of the object fired at.

Reverse Fire .- When the rear instead of the front of the target is fired at.

SECTION II.—LECTURES.

The instructor in every lecture should never neglect to explain fully, in the simplest language, and with the aid of a blackboard, all technical terms, definitions of gunnery, and all words such as "Vertical," "parallel," "elongated," "spiral," &c., &c., that he inds it necessary to use during his instruction. He will previously, when at gun drill, have pointed out and named the principal parts of the gun, such as muzzle, chase, trunnions, preech, cascable, bore, chamber, lands, grooves, vent, breech fittings, sights, &c. He will show the projectiles, fuzes, carridges, tubes, briefly explaining the purposes for which they are hased. He will point out the studs, gas-checks, driving-bands,

FIRST LECTURE.—THE RIFLED GUN.

The instructor will explain that a gun having a number grooves cut down the inside of its bore is said to be rifled, Brooves cut down the inside of its bold in order to make that these grooves are cut in a spiral direction in order to make the shell turn or spin on its longer axis. The longer axis of a shell is represented by a line passing through the centre engthwise from base to tip. He will cause the men to look lifethwise from base to tip. He will cause the lifethwise from base to tip. He will cause the lifethwise from base to tip. He will cause the lifethwise from base to tip. He will cause the lifethwise from base to tip. He will cause the lifethwise from base to tip. He will cause the lifethwise from base to tip. He will cause the lifethwise from base to tip. He will cause the lifethwise from base to tip. He will cause the lifethwise from base to tip. He will cause the lifethwise from base to tip. piral grooves and the twist of the same. Object of Rifting.—He will explain the object of rifling as ollows:

1. To increase the accuracy of flight of a shell. 2. To enable an elongated projectile to be used.

On account of the windage, a shot from a smooth bore leaves gun in a direction dependent upon the portion of the bore st touched. This direction is uncertain and the deviation due it cannot therefore be corrected.

In a rifled gun the projections (lead coat, studs, gas-check,

Section II.-Lectures.

driving band) on the shell are forced by the explosion of a powder into the spiral grooves cut in the bore, and thus the shis made to turn with the rifling at a great rate on its longer as and as this rotation, which continues with slight diminuti for the remainder of its flight, is definite, the error in direction to it is constant and can be allowed for, thus increasing the accuracy of the gun.

If an elongated projectile had no rotation, it would so

longer axis is kept in the required direction, and the sh becomes steady in flight.

The chief value of rifling is that an elongated projectile of be used; and the advantages of using an elongated project

turn end over end, but when the spin is sufficiently rapid, t

may thus be summarised:—

1. A diminished surface for the same weight is offered

the resistance of the air, and thus greater range a greater power at a given range are obtained.

2. The trajectory being flatter, the probability of hitting

target is increased.

3. By varying the length, different kinds of projectiles the same gun can be brought to the same weight; a

thus complications in range tables, &c., are avoided.

4. On the other hand, if desirable, a specially heavy project may be fired; e.g., 7-pr. double shell.

5. A shell of the same weight as that of a S.B. Gun be fired from a much lighter gun, or a heavier shell from a gun of the same weight; the capacity of the shell

powder or bullets is thus increased.

Systems of Rifling.—The term "system of rifling" is appl
to the method adopted in any kind of rifled ordnance for give
rotation to the projectile, but the twist of the grooves,
length, diameter, or form of the projectile must depend up

the purpose for which the gun is required, no matter upon what system the gun may be rifled.

The conditions especially desirable in a system of rifling for ordnance are :--

Accuracy of fire.

2. Simplicity and durability of both projectile and gun.

3. That the projectile does not jam in the bore either in loading or firing.

The systems of rifling now in the service may be classified as follows:-

(a.) The R.B.L. Polygroove (original Armstrong). Rotation given to the projectile by its soft metal coating being forced into

a large number of grooves with sharp corners. (b.) The R.M.L. Woolwich system, having a few broad deep grooves. Rotation imparted by means of soft metal studs fitted to correspond with the grooves, or, in studless projectiles, by a

gas-check which takes the rifling.

(c.) The R.M.L. and B.L. modern polygroove. Rotation given in the former by gas-checks, in the latter by driving bands, which are forced into a large number of shallow grooves.

The disadvantages of the first system are:

The shape of the grooves and the thickness of the lead coating on the projectiles cause considerable pressure and loss of velocity. Lead coatings are liable to damage in transport, deterioration in store, and to be detached in flight. They foul the bore and therefore necessitate a lubricant. The projectiles are, however, well centred.

The disadvantages of the second are :-

The gun is weakened by the deep grooves, and as windage is not entirely sealed by the gas-check, the rush of gas past the projectile scores the gun, injuring it and causing a waste of power. With a studded projectile, an excessive strain is thrown on the gun and projectile, the latter is not perfectly centred, the

studs are liable to injury in transport or store, and weaken the

The advantages of the last are :-

Absence of windage, the grooves being numerous and shallow and the projectile an easy fit in the bore, the strain on the guand projectile is lessened.

Twist of Rifling.—The spiral grooving or twist is either :-

1. Uniform or,

2. Increasing.

With the uniform twist the inclination of the grooves to taxis of the piece is the same throughout the bore. With increasing twist the inclination increases towards the muzzle.

The uniform twist imparts the whole rotation to the projectile immediately, whereas the increasing twist gives rotated gradually, and thus causes a lower pressure in the powder chamber. With the latter twist only one driving band on the shell can be used; and, consequently, the shell is not we centred.

The muzzle velocity is a little greater with the uniform twist Twist is measured by the distance in which the projectil makes one complete revolution, stated in calibres instead of fee

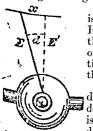
In some guns the first part of the groove is an increasing twist, the latter part towards the muzzle is uniform, this is do not not seem to to give steadiness to the projectile on leaving the muzzle, but the method of combined twist has been discontinued in the latter. B.L. guns.

In designing a gun, the twist is made more or less rapid suit the length of the projectile and its intended velocity Generally speaking, reduced charges and long projectiles necessitate rapid twist to make the shell steady in flight,

SECOND LECTURE. - CENTRING, DRIFT, MUZZLE OR BREECH-LOADING.

Centring.—Is causing the axis of the projectile to coincide with the axis of the gun, this is effected by means of rotation. Should it be imperfectly centred, a higher velocity of rotation is necessary to keep the axis of the projectile in the required direction, for if this velocity is insufficient, the projectile becomes

unsteady and noisy in flight, and the shooting will be irregular. Drift.—The direction of the rotation given to all service projectiles being right-handed, causes the shell to drive towards the right. This is called "drift." The amount of it is determined for each nature of piece by actual experiment, and is compensated for in modern ordnance, except howitzers, by inclining the tangent sights to the left.



This angle of the inclination of the sights is only true for the conditions under which the Range Table was constructed. An increase of the MV. due to the use of cordite, or the use of a smoother surface on the projectile, abolition of studs, &c., will alter the conditions, and the permanent angle will no longer be true.

In the diagram the number of minutes of deflection given by the angle of drift is denoted by x. The amount the tangent scale is raised for any range is represented by E degrees and the permanent angle of drift is

shown as d degrees.

As E' is practically equal to E,

 $T_{\text{an }}d = \frac{x}{60 \text{ E}}$ (E being in degrees must be multiplied by 60).

For small angles 60 tan d = d.

Therefore $d = \frac{60 \text{ x}}{60 \text{ E}}$ or $d \times E = x$.

That is, the number of minutes of deflection given by the set of the tangent sight is equal to degrees of elevation due t the range multiplied by the permanent angle of drift in degrees

Muzzle or Breech-Loading.—Whether a gun is loaded at th breech or muzzle, the accuracy of the shooting depends (suf posing the rifling and length of bore to be the same) on the absence of windage, on the projectile being of the same weight and properly centred, the uniformity of the powder, and on the space occupied by it being the same for each round.

The large charges of powder required for modern guns order to attain a high velocity, have rendered longer guns and larger powder chambers necessary.

It is very generally admitted that it is easier to carry the conditions out with B.L. than with M.L. guns. Further, the loading Nos. with B.L. guns are generally less exposed. bore can be more easily examined. The gun can be of an length. The difficulties of chambering are reduced.

THIRD LECTURE.—FORCES ACTING ON A PROJECTILE.

1. In the Bore. a. The Force of Projection of the Powder-Gas.—The forward

velocity attained by a projectile at the muzzle of a gun, is diff to the sum of the pressures of the powder-gas during its passage through the bore. The more gradually this velocity is imparted to the projectile the less will be the strain upon it and the gulf The object sought is to distribute, as far as possible, the pressur over the whole length of the bore and to obtain the maximum work from a given charge of powder without undue strain of either gun or projectile. Theoretically the last atom of powder should be converted into gas as the projectile leaves the muzzle b. The Forces imparting Rotation to the Projectile, viz.,

reaction of the Grooves on the projectile.—See first lecture.

2. During Flight.

a. The force of gravity.—The projectile leaves the muzzle of the gun with a certain velocity and rotation, due to the force of projection of the powder gas and the rifling in the bore of the gun, and if a projectile were acted on by the force of projection alone, it would proceed in a straight line, and pass over equal spaces in equal times. The force of gravity, however, causes the projectile to fall with a constantly accelerating velocity, so that it describes a curve instead of a straight line.

The force of gravity is the natural attraction which causes every unsupported body to fall towards the centre of the earth; it is an accelerating force, i.e., it draws a body down quicker and quicker in proportion to the time that the body is exposed to its

influence; thus a body falls from a height, about :-

16 feet in the 1st second of time.
48 " " 2nd " "
80 " " 3rd " "

that is, a total of 144 feet in the first 3 seconds; and hence this force, acting upon the shell immediately it leaves the muzzle, draws it down from the line in prolongation of the axis, faster and faster the longer it flies.

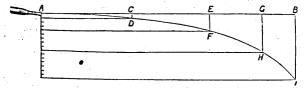


Fig. 14.

Hence in fig. 14, if AB is the direction in which the shell started, supposing in the first second it might have gone as

far as C, it would, owing to gravity, have dropped to D. At the end of the next second if it had travelled as far to the front as E, it would have dropped 4 times as far, viz., to F; in the 3rd second. 9 times as far, and so on. In a vacuum the fall is equal

to $t_0 t_2$, where q = 32.19 feet and $t = t_0$ time of flight in seconds. With a heavy body like a bullet or shell, the distances faller are but slightly lessened by the air, which acts as a cushion and tends to support the projectile. For example, a 10" R.M.L. shell will drop below the prolongation of the axis of the bore

(AB in fig. 14), in :-1 second 15:3 ft. CD. 2 seconds 60.5 ,, EF. 137.3 ,, GH.

but by the above formula, that is without the support of the air, the shell would fall in :-

1 second 16.1 ft.

2 seconds 64.4 ,, 144.9 ..

b. The resistance of the air. - The air which surrounds the earth consists of innumerable small particles, pressing against each other and everything touching them; the shell, though started with a very high velocity, meets and has to thrust aside those particles which happen to be in its way, and thus rapidly loses its velocity: for instance, the velocity of a shell from the 6" B.L. gun, which at the muzzle is about 1920 feet per second, is at

1410 feet per second, and at 4000 yards about 1060 feet per second. The retardation due to the resistance of the air varies as the square of the diameter, and inversely as the weight, therefore

1000 yards about 1650 feet per second, at 2000 yards about

it is evident that if two projectiles are of equal diameter and start with the same muzzle velocity, the heavier will lose its velocity more slowly and range the further; or, if the two pro-

jectiles are of the same weight but of different diameters, the one with the smaller diameter will have the advantage.

This is well shown in the following table, which gives a comparison between the shooting of a 12-pr. S.B. and a 12-pr. B.L. gun, their respective calibre being $4\frac{2}{5}$ and 3 inches.

| Gun. | Diameter. inches. | Muzzle Velocity. | Range and Elevation. | | | | |
|--------------------------|----------------------|---------------------|----------------------|--------------------|------------------------------|--|--|
| 12-pr. S.B 12-pr. B.L | 4·4 3· | 1769 1700 | 1° 700 1200 | 3° 1200 2140 | 5° 1600 yards. 3050 ,, | | |

The remaining velocity of the two projectiles at 2000 yards would be-

The velocity of the elongated projectile is thus nearly double that of the spherical one at 2000 yards, though it started at a slightly lower velocity.

The retardation due to the resistance of the air is also affected by the shape of the head of the projectile.

The weight of a projectile can be increased—

By increasing its length.

By increasing its density.

The power of a projectile to maintain its velocity varies directly as its weight, and inversely as the square of its diameter, but with similarly shaped elongated projectiles the weight varies hearly as the square of the diameter multiplied by the length, hence it may be said that the power of a projectile varies as its length.

Thus the longer the projectile (other things being equal), the harder will it hit at any given range, and the greater will be its absolute range for any given muzzle velocity; but other conPART I.—Instruction. 30

Section II.—Lectures.

siderations limit its length, such as the strength of its walls, for the pressure of the powder-gas being directed on the base of the shell, if the pressure is high and the shell long, there will be a tendency in the walls to set up, and prematures may occur; or again, if too long it is liable to turn over in flight.

FOURTH LECTURE.—TRAJECTORY.

Trajectory.—The result of the three forces acting upon the shell, (viz., the force of the explosion tending to drive it forward in a straight line in prolongation of the axis, the force of gravity drawing it down more and more below that line, and the resistance of the air tending to stop its progress more and more in each successive instant of time,) is, that it describes in its flight a curved line called the trajectory, ADFHI in fig. 14.

The instructor should now explain why a low velocity guirequires more elevation to attain the same range than is required

by a gun with a high velocity.

Taking as an example two similar shells, one with a muzzle velocity of 1300 f.s., and the other with 1900 f.s. fired with the same elevation. The low velocity shell will have travelled only about two-thirds as far as the other in one second of time, but

both will have been acted on by gravity during the same times and will have dropped the same height, and consequently, the low velocity shell will reach the ground much before the other. It is evident from this, that in order to obtain the same range a cun with a low velocity requires a higher trajectory. that if

a gun with a low velocity requires a higher trajectory, that is greater elevation than a gun with a high velocity, and conversely.

The instructor should give instances of when a high trajectory.

is required, such as to hit the decks of ships, and on land front to search out cover and breach hidden walls; and the advantage of a flat trajectory with the necessary high velocity, such a giving a larger dangerous space, also greater accuracy, &c.

FIFTH LECTURE.—How THE AXIS OF THE PIECE MUST BE DIRECTED IN ORDER TO GIVE THE GUN ELEVATION.

Referring to fig. 15, the instructor will show that if the "axis" be pointed at a mark, say at S, the shell will not hit that mark, but owing to the force of gravity will fall below it, say to D; and therefore, to allow for the fall, it is necessary at all distances to point the "axis" so that the line in prolongation of it will pass as much above the object to be hit as the shell would have fallen below that object if the "axis" had been pointed straight at it. This act of tilting the gun so as to allow for the curve of the trajectory, thus giving the shell time to range before it is drawn down to the ground, is what is meant by the expression "giving elevation."

The instructor will illustrate the theory of giving elevation at all distances by referring to the flight of the shell for the first 100 yards; explaining that a shell fired from the 64-pr. gun with the service charge, would fall, were there no jump, about 11 inches below the line of the axis of the gun produced in passing over the first 100 yards of its flight; and assuming that S (fig. 15) is 100 yards from the muzzle, and that SD represents 11 inches, he will show that in order to hit the mark at S, the "axis" must be elevated so that it would, when produced, pass

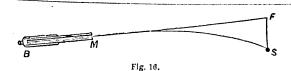
11 inches above S, viz., through F (fig. 16).

Here elevate the axis, draw the new line MF and the new trajectory from M to S, and rub out the old line MS and the

trajectory from M to S; and rub out the old line MS and the old trajectory.



time lay on the object.



How elevation is given by means of the tangent sight.—The

instructor will explain that if there were no sights upon the gun, the layer would have to look along it, and take aim, as near as he could judge, the necessary height above the object to hit, but that if he were to try to do this he would lose sight of the object, and be uncertain of the true elevation and direction. Further, that it is very important to keep the object in view, and that for this purpose the gun has been furnished with two sights which are placed either vertically over, or parallel to, the axis the one near the muzzle or on the trunnions, called the muzzle or trunnion, sight, and the other one near the breech called the tangent sight, upon the latter of which the elevations are marked and by means of which the layer, if he knows the distance, it enabled to give the gun the necessary elevation and at the same

Here draw the line of sight LOS (fig. 17) through the sights the object.

The instructor should now cause the men to observe the relative positions of the three lines in fig 17, viz., the line MF the trajectory MS, and the line of sight LOS; and explain the



he diagram shows at a glance the principle of getting elevation tall distances by means of the tangent sight; he should also oint out how the spaces between the lines on the yard scale of the tangent sight become greater and greater, thus enabling the cessary allowance to be made for the increased curve of the ajectory as the range becomes greater.

The use of the tangent sight shown by means of a carbine barrel moved from the stock.—The principle of the tangent sight can be further shown by placing a carbine barrel* on a tripod at a

further shown by placing a carbine barrel* on a tripod at a say yards from the blackboard, and causing the recruit to aim a spot, with the leaf of the back-sight perfectly upright, and ljusted (say) to 1000 yards; then without moving the barrel the recruit look through the bore, and observe that the net of fire, or the axis of the gun produced, meets the black-

Oard considerably above the spot aimed at.
While the barrel is upon the tripod, the

structor will show the importance, with a gun, keeping the axis of the trunnions (i.e., the ucks or wheels) level, and will explain that if its is not done, the shell instead of hitting the ark, will strike low and on that side to which the tangent sight is inclined; and that the eater the inclination and elevation of the sight, e greater will be the error on this account. To make this clear, draw a vertical line, AB, gr. 18), on the black-board, with A as a spot to make the count of the sight, which must be perfectly bright, and afterwards to look through the carnet barrel, directing attention to the fact that e "axis of the piece" cuts the vertical line at C



Fig. 18.

^{*} A B.L. gun may be used for the illustration if convenient. (g..a.d.!)

above the spot aimed at. Then cause them to aim at th same spot with the same sight, but inclined to one side, and t

look through the barrel again, when they will see that the "axis of the piece," instead of being directed upon C as befor

is now directed low, and to that side to which the sight inclined, as at D; consequently, as the "trajectory" always conforms to the movement of the "axis of the piece," the bulle instead of hitting the mark, would strike as much below D as A

below C. Draw a new vertical line through D and measure off of it a distance equal to CA; this will give the spot E, which the bullet would hit. From A draw a horizontal line AF to the nevertical line DE, then AF will show the error of direction, and FE the loss of elevation due to the degree of inclination to t right given to the back-sight. Supposing the barrel to be t

yards from the board, then the distance for which the sight adjusted is 100 times as great, and consequently, the bullet w strike 100 times AF to the right, and 100 times FE too low. The instructor will next explain how the angle of elevation that is the necessary amount of tilting up of the gun require for a certain range, can be given by means other than the to

gent scale. This will be best demonstrated practically with a gun follows:—Mark out a vertical line A D on any board place

some little distance in front of the gun, a divide it in 3 or 4 places (fig. 19) A, B, C, D. Lay the gun by the sights on A, the tanger scale being raised to a certain height, 2000 yards; note this height, and mark w

chalk or a pencil any portions of the gun a carriage, so that the gun can be brought it the same position by making these marks co cide; now lower the tangent scale by 200 300 yards, and lay on B, again note the heigh of the tangent scale and make marks as before; again low

the tangent scale by 200 or 300 yards and lay on C, repeating e operations as above, and so on with D. It will then be shown how, by making the chalk or pencil

arks coincide, the gun can be given the elevation necessary play on A, B, C, or D without looking over the sights.

For example, suppose the marks that were put on when the

in was laid on A are made to coincide, if the tangent scale is ised to the height it was at when the sights were aligned on A, will be found that the sights are again laid on A, and this ay be similarly demonstrated with B, C, and D.

SIXTH LECTURE.—CAUSES AFFECTING THE ACCURACY OF SHOOTING.

The forces and causes of deviation already mentioned will we been ascertained and their effects considered before a gun issued for service: they will not therefore come under the gnisance of the practical gunner. There are, however, other uses of deviation which must be observed and corrected to sure accurate shooting. These are—

a. Varying effect of the charge due to:

Incorrect weighing.

Variation in the strength of the powder.

State of the atmosphere, especially as regards moisture. Difference of space occupied by the cartridge in the bore.

b. Difference of level of trunnions. c. Force and direction of wind.

d. Trail not being well supported.

The only way to correct variations in the strength of wder, which are sometimes very great, is carefully to mix the wder before the cartridges are made up. This is not a very ficult matter with small charges and the better practice that be obtained amply compensates for the time and trouble volved in the operation. With large charges it would not

be practicable to mix the powder, but care can be taken that a the powder belongs to the same lot and that the various barrel have had the same treatment as to storage. Extreme care weighing out the charges cannot be too strictly enforced.

A long continuance of damp weather will cause the cartridge to absorb moisture, which will entail a reduction in muzz velocity and consequently in range. The contrary effect will take

place in dry weather, especially in hot climates.

If the shell is not rammed home exactly to the same spaceach round, the shooting will be irregular. The greater the spacecupied by the cartridge the less will be the range. Rammaraves with M.L. guns are marked to show when the charge properly home with common shell.

b. For difference of level of trunnions or wheels, see page 5
 c. Wind has considerable effect on the range and direction

c. Wind has considerable effect on the range and direction the projectile. According to its direction it may increase reduce the range, or drive the projectiles to right or left. gusty, and of great force, the shooting will be irregular, especial at long ranges or with low charges. If, however, the wind fairly constant in direction and force the necessary correction can be made on the tangent or deflection scale. A little praction should enable an officer to obtain a very close approximation the proper correction.

d. Unless the trail rests on firm level ground, and is similal supported during successive rounds, the shooting will be if

gular.

SEVENTII LECTURF.—CAUSES AFFECTING VELOCITY AND PRESSURE.

For a given calibre and weight of projectile there are, sping generally, four ways in which the velocity and pressure be varied. These are:—

1. By varying the nature of the powder.

2. By modifying the gun.

3. By altering the weight of the charge.

4. By altering its gravimetric density.

1. Effect of Varying the nature of the Powder.

The nature of the powder exercises great influence on the nuzzle velocity and pressure in the bore realised per pound of owder.

To obtain a high muzzle velocity a large charge is necessary, but to avoid unduly straining the gun a powder which burns lowly must be selected. As an instance of the behaviour of different powders, take the following results from the mean of everal rounds from the 80-pr. R.M.L.

| Charge. | Muzzle V | Velocity. | Maximum Pressure in tons per square inch. | |
|--|----------|--------------|---|------------|
| 10 lbs. R.L.G. ³ 20 lbs. P | ::: | 1300 1550 | f.s. | 28 13·5 |

Here 10 lbs. R.L.G.² gave 250 f.s. less velocity with over double he strain on the gun than that obtained by using 20 lbs. of P. In the first case the shell received a violent blow straining both and the gun very severely, in the latter it received a long slow ush kept up well down the bore.

The important points are the maximum pressure and the rate which the pressure changes, which again depend upon the oint of ignition* and rate of combustion of the powder.

With the same gravimetric density these vary with:—

^{*} This applies chiefly to small grain powders, such as R.L.G. powder. See catise on Ammunition, 1897, page 38.

1. The density and hardness of the powder.

2. The size and shape of the grain.

3. The amount of glazing.

4. The quantity of moisture.

1. The denser the powder the slower will it burn, the hard the powder is the slower will it ignite, thus retarding tignition of the whole charge.

2. Generally speaking a charge composed of large grains we burn more slowly, and exert a lesser strain upon the gun the one composed of small grains; on the other hand the largerians afford larger insterstices between them for the flarge thereby facilitating the ignition of the charge. Thus a charmay have a slow rate of "combustion," and yet a high rate

ignition.

The shape of the Prism Powder with the hole in its centre adopted with the view of obtaining a uniform development gas which ensures uniform pressure; the prism burns both from the outside and inside, the one surface getting smaller as other gets larger, thus developing gas at a uniform rate and keeping up a sustained pressure down the whole length of bore.

Cordite is made in strands which insures a large ignitionsurface.

3. The glazing of gunpowder has the effect of smoothing hardening the surface of the grains, which tends to retard ignition of the powder, and thus make it slower in its action

4. The effect of moisture in powder reduces both the press

and the velocity.

In an 8-inch R.M.L. gun firing a shot of 180 lbs. with a cha of 35 lbs., a powder with 0.7 per cent. of moisture gav muzzle velocity of 1545 f.s., and a maximum pressure of 2 tons, the same powder with 1.55 per cent. of moisture gamuzzle velocity of 1495 f.s., and a maximum pressure of 1 tons.

An increase of less than 1 per cent. of moisture thus decreased the muzzle velocity by 50 feet, and the pressure about 20 per cent. The general effect of the increase of density, hardness, size of grain, glazing, and quantity of moisture in the manufacture of gumpowder, has been to produce slow burning powders, which, although with equal charges, give a less muzzle velocity than the quick-burning powders, have so lessened the pressure produced in the bore of guns, that larger charges, giving a Greater muzzle velocity, can be used.

2. Effect of Modifying the Gun.

 $^{
m As}$ regards the gun, the points which affect the muzzle velocity und pressure realised are :-

> Length of bore. Windage. Rifling. Position of vent. Chamber.

Length of Bore.—The work done depends, in a measure, upon the length of the bore, but after a certain point is reached, the work done corresponding to each additional space passed over becomes less and less, and as the length of the bore increases, the energy absorbed in friction, &c., continually gets larger.

Hence lengthening the bore up to a certain point is advantageous, but there is in each particular case a limit of length which cannot profitably be exceeded.

By the introduction of slow burning powder, which gives less pressure in the bore, a long bore has become necessary, in order to obtain a high muzzle velocity, otherwise part of the charge would be wasted.

Windage .--Windage causes loss of pressure and a consequent loss of velocity.

Rifling.—The effect of rifling is generally to reduce the muzzy velocity, a small proportion of the total work being absorbed giving rotation to the projectile, and to increase the pressure.

Position of Vent.—The uniform ignition of the charge depen

in a measure on the position of the vent.

Chambering.—All the newer guns have the place where t cartridge rests of larger diameter than the bore. This is call chambering, and can be more easily developed in B.L. guns—gu designed for cordite are not chambered.

It enables the charge to be made up into a fairly compa form, and reduces the disadvantages of very long cartridges.

It is true that the increased diameter of the chamber is source of weakness, but this is of less consequence, as maximum pressures may be kept tolerably low by using a slow burning powder.

3. Effect of Altering the Weight of the Charge.

An increase or decrease of the weight of the charge, the chamber or the space behind the projectile remaining the same will raise or lower the muzzle velocity and the pressure in the bore.

4. Effect of Altering the Air Spacing of the Charge of Powder

When the space per lb. of powder behind the projectile in loaded gun is increased the pressure and velocity of the projectile both fall off.

EIGHTH LECTURE.—METHODS OF CHECKING RECOIL.

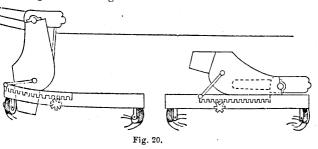
The instructor will explain that a gun when fired will alwal recoil more or less (provided no means are adopted for checking the recoil), the amount of recoil depending chiefly on the weigh of the gun and carriage, charge of powder, weight and resignance to motion of the projectile, and that comparatively litter.

no recoil takes place when firing blank charges, owing to here being no such resistance to the escape of the powder gas there is when the gun is loaded with a projectile.

Having pointed out the necessity for checking recoil, the structor will proceed to point out the various mechanical eans that have been adopted in the service to control it, ving examples of each method, or combination of methods. he various means may be divided into four heads:—

- 1. Raising a weight.
- 2. The friction of solids.
- 3. The resistance of liquids.
- 4. The resistance of air.

1. Most garrison and siege carriages recoil up platforms or des sloping upwards to the rear, this materially assists to eck recoil. Again in Monerieff (fig. 20) garrison carriages a unterweight is raised. Both these plans facilitate the running of the gun after firing.



The friction of solids can be illustrated by friction between riage and slide; by use of check ropes with mountain guns

(fig. 21), which increases the friction between the ground wheels by preventing the latter revolving; and also by Elso

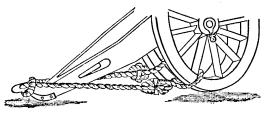
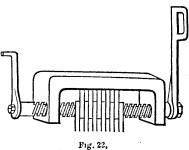


Fig. 21.

and other compressors, which consist of iron or steel plates the carriage pressing against and between iron bars on slide (fig. 22).



This latter plan possesses the serious disadvantage of being ncertain in its action; after long disuse the plates may become usty, and although for the first round the compressor may have necked the recoil within its proper limits, owing to the rust eing rubbed off, the subsequent rounds may be too violent, and hus accidents occur, unless the compressor is readjusted after ach round for the first three or four rounds.

3. The hydraulic buffer is an example of the resistance of quids, in which the motion of the piston is resisted by liquid, hich can only escape to the other side of the head of the piston brough small apertures, and the quicker the piston is moved

he more resistance is offered by the liquid.

This plan is a decided improvement to the compressor, as the djustment is so simple, viz., to have the proper amount of oil ı it.

4. This method is used in disappearing carriages, in which air is ompressed by the action of the gun in recoil, the resistance the ir offers to compression being the means of controlling the mount of recoil. This system has the same advantage as the Monorieff counterweight, that of storing up the energy of recoil, thich is made use of for running the gun up into the firing osition.

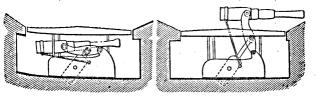


Fig. 23.

NINTH LECTURE .-- QUICK FIRING GUNS.

Quick firing guns are so called on account of the facil allowed by their sighting, breech mechanisms and mount for rapid and continuous fire. The distinction between t and other guns, which was at first very marked, is tending gradually disappear, as facilities for rapid fire with the la are improved in later manufacture.

The Q.F. guns in the service are the 3-pr., 6-pr., 12

4.7-inch and 6-inch.

The essential point of difference at present between Q.F. all other guns in the land service is the metal cartridge which is used with all of them; but this has been disper with in the latest type of 6-inch Q.F. for the Navy, and retention for other natures will be considered in future magacture.

The main points which conduce to rapid service of the

are:-

1. Absence of necessity for sponging or scraping With powder charges this is provided for by the magnetic cartridge case. With cordite charges sponging scraping out is not required.

2. Quick opening and closing of the breech. In the learning patterns this is effected by one metion of a lever

patterns this is effected by one motion of a lever.

3. The power of the layer to keep his eye always to

sight. This is allowed for by fixing the sights to

cradle, which does not recoil with the gun.

4. Quick traversing and elevating. This is done placing the movement of the gun entirely under control of the layer, who directs it by the shoul piece, or by suitable elevating and traversing gear.

5. Absence of necessity for running up, the mounbeing constructed to return the gun automatical!

the firing position after discharge,

6. Simple firing arrangements. The action of loading also makes ready for firing, and the firing is performed by pulling a trigger.

7. Absence of necessity for setting the sights or estimating

the range; automatic sights provide for this.

All these advantages are not invariably present with every be of gun and mounting now in use. For instance, with reference to-

2. Many 47-inch guns are without single motion breech

mechanism.

3. The 3-pr. on travelling carriage, which is styled a Q.F. gun, has sights which recoil with the gun.

4. The 3 pr. on travelling carriage only allows the layer a very small are of traverse, and requires a number at

the bandspike to assist him.

5. With the 3-pr. on travelling carriage the mounting does not remain always in the same position after firing, and consequently the gun is not returned to precisely the same position.

6. This is not the case at percussion firing with the 12-pr., 4.7-inch and 6-inch, but percussion firing is only used if electrical arrangements fail, which should not be

allowed to occur.

Automatic sights are not generally provided at present,

but supply will be made as opportunity occurs.

The 3-pr. and 6-pr. use what is called "fixed" ammunition, the cartridge case and projectile are permanently fixed gether and loaded simultaneously. Percussion firing only is iployed with these guns; the cartridge case has a cap containg detonating composition fixed in its base, which is exploded the blow of the firing pin on pulling the trigger.

The 12-pr., 47-inch and 6-inch use "separate" ammunition, the cartridge case and projectile are not fixed together.

hey are adapted for electric or percus ion firing.

At electric firing a primer screwed into the base of cartridge, case is used, containing mealed powder which ignited by the electric current. This is effected by pulling trigger.

For percussion firing the primer has to be removed, and "adapter" substituted, into which, after leading, a vent seali tube is carefully placed; this is fired by pulling a lanyar

which allows the striker to fall on the head of it.

Percussion firing is necessarily very much slower th electric, so that it is most important that the electric first arrangements should be well attended to, and kept in go order.

The 6-inch Q.F. fires common shell, and a small proporti of amour-piercing shot. The remaining natures fire on common shell, which may be ordinary common or (except wi the 3-pr. and 6-pr.) armour-piercing common. The latter is stronger shell, but carries a smaller bursting charge.

Quick firing guns of the lighter natures (3, 6, and 12-pr.) a chiefly intended for the defence of harbours against raidi attacks by torpedo boats, &c., and may also be mounted for t

defence of mine-fields.

The 4.7-inch and 6-inch are chiefly intended for attacking t unarmoured or lightly armoured parts of larger vessels in co junction with the other guns of the fixed armament, but the 4.7-inch is occasionally mounted for defence against raidi attacks.

Quick firing guns are divided into groups under Gun Gro Commanders. This officer (except in the case of guns mount for defence against raiding attack) is subject to the orders the Battery Commander as with other guns. With gu mounted for defence against raid he has independent comman

In either case automatic sights, if provided, would, for the sal of rapidity of fire, be used for ranges within their limits accuracy. Where automatic sights are not provided, or while

range is too long for their use, range finders or position ders must be employed, except for those guns mounted for lence against raid, with which guns the range must be estited by the Gun Group Commander, and corrections made m observations of fire.

(Note. - The Instructor will also explain generally the provisions Part II, Sec. IX.—Manning and fighting Q.F. and machine ns for defence against raid—unless it is intended to do so in the th lecture.)

TENTH LECTURE.—COAST DEFENCE.

NOTE. The following is intended as a syllabus of a lecture or tures on Coast Defence. In order to instruct efficiently, the turer must be well acquainted with the contents of Part II this volume. In instructing recruits or young soldiers, the Ject should be very briefly and simply treated, and illustrated frequent reference to defences with which they are acquainted. more advanced instruction is required, the subject may be more lly treated, and divided into several lectures, following approxiately the arrangement of Part II.

Define Coast Defences (Section I).

Define and explain the different subdivisions of the artillery

mament (Section I).

Define Fire Control and Fire Direction (Section I).

Point out that Fire Control includes Organisation, i.e., preminary arrangements as regards men and material in order to dsure effective fire being brought to bear when and where quired. That efficient control and direction of fire are pendent on perfect fire discipline, which is ensured by each dividual man learning exactly what he has to do under all roumstances, and doing it to the best of his ability, as well as deficient preliminary arrangements and training. Impress the squad that no duty, however unimportant it may seem, the hegligently performed without diminishing the fighting

power of the whole unit. Every officer and man, from the downwards, has his own share in the work, and therefore seresponsibility, greater or less according to his rank, in maintenance of fire discipline, without which no scheme defence, however carefully prepared and arranged for, can be

be successful.

The chief points to be noted with regard to fire discipline are correct loading with the projectiles ordered, correct laying at proper objective, correct application of all corrections made the group, and the firing of the guns neither too soon or too leads.

Rapidity of loading and laying is essential; each officer aman must therefore know his duties thoroughly, and performed them and them only. When using the D.R.F. the time of first.e., the time from the moment when the range is passed for the instrument to the moment when the gun is fired, must be nearly as possible constant for each round to obtain good effect. The B.C. must be able to rely implicitly on those unhim to carry out his orders to the letter, and good fire disciplinant alone ensure that such is the case.

Explain the three classes into which guns may be divided for tactical purposes, and the special application of expectation of the special application application

Explain the Chain of Command from Fortress Commander Gun Captains in the case of each of the above three classes, a point out exceptions to the ordinary sequence which may occlosely (Section III, i).

Trace the System of Communications (Section III iii).

Explain that the duties included under the headings Fontrol and Fire Direction vary with the three classes of gu

Control and Fire Direction vary with the three classes of guand describe the arrangements in each case. (Section III ii).

Explain generally the system of storage and supply ammunition (Section III vi).

Describe the uses and general disposition of electric lights obstructions. (Section III vii).

Explain briefly and generally the arrangements for the ulation of traffic in defended ports in war (Section III ix). Describe briefly the methods adopted for identification of stile ships, and the objects of doing so. Explain the general les for the choice of projectiles and point of attack on ships, ving reasons for them (Section VII). Explain the general rules given (i) for manning, (ii) for fighting

Battery Command, distinguishing clearly between the instrucnal method of manning (A) and the service method (B).

ustrate by reference to defences with which the squad is quainted (Section VIII i and ii).

dexplain the provisions with regard to the manning and hting of Q.F. guns for defence against raid. Give illustra-

ns if possible (Section IX).

Ŀ

Section III.—Laying Ordnance.

SECTION III.—LAYING ORDNANCE.

Explanation of Terms.

Before proceeding to instruct in laying, it will be necessively explain everything connected with the sights, the many which they are fitted to the gun, and the reading of the scale elevation and deflection. The use of index plates and reange scales, traversing arc, clinometers, &c., and the meaning use of the most necessary parts of the range table should clearly explained as the instruction proceeds.

THE TANGENT SIGHT.

The meaning and use of the different scales on each face tangent scale must be carefully explained to the gunner.

To adjust the Sight for Elevation and Deflection.

The hind sight is raised until the mark on it for the requirements of yards or degrees is in line with the top of the sin which it slides, and then clamped.

For deflection the sliding leaf is moved to the right ountil the arrow points to the required number of mid. The deflection being given on that side to which the shot be thrown.

As a practical rule, each minute of deflection on the gives a difference of one inch in every hundred yards of Thus, supposing at a range of 2400 yards a projectile has \$12 feet to the right, it will be necessary to move the defle leaf 6 minutes to the left, or give "6 minutes left deflectio correct the error, because 12 feet or 144 inches divided (the number of hundreds of yards in the range) gives 6.

The above practical rule for deflection holds equally go

Section III .- Laying Ordnance.

tions in elevation to raise or lower the point of impact on lical target. Thus if at a range of 1200 yards the point of t is 6 feet too high, the necessary correction would be inutes less elevation," because 6 feet or 72 inches divided gives 6.

the trunnions of a gun are not level the projectile will towards the side of the lowest trunnion; in reality, the sight (apart from drift) will not be parallel to the axis of and the tangent scale is at zero; for example, except when the tangent scale is at zero; for example, the right trunnion is the higher, the axis of the gun will rected to the left of the target on which the sights are ed, and vice versa if the left trunnion is the higher.

e following figure illustrates the above.



Looking from breech.

e dotted line is a vertical through the fore-sight. When fruncions are level a vertical line will cover both sights, or deviation of the tangent scale from it will only be due to permanent angle of drift. It will be also seen that a vertical will cover both sights when the tangent scale is at zero, ever may be the inclination of the trunnions.

Practical rule for correcting this error is as follows: (g.a.(l.1)

Section III.-Laying Ordnance.

No. of minutes difference of level × No. of Degrees of eleva-

60

Minutes of Deflection to be given on the side of the h trunnion.

With gun carriages having a wheel track of 60 incl thereabouts, this rule may be thus stated: number of difference in level of wheels × number of degrees of elevat tangent scale = number of minutes deflection to be given a side of highest wheel.

VARIOUS METHODS OF LAYING.

Guns are laid by the following means:-

(a.) When the sights are aligned both for elevation and tion on the object. Case I.

(b.) When the sights are aligned for direction only object, elevation being given by means of clinometer or plate, &c., &c. Case II.

(c.) When direction is given by the traversing arc on the floor, and elevation as in b. Case III.

(a.) When the gun is laid both for elevation and direction the sights.

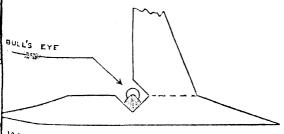
Laying by tangent scale.—To obtain uniform results in one method should be strictly adhered to. The service prof laying a gun is to direct it so that the centre of the line ing the two highest points of the notch in the hind signal apex of the fore-sight and the point aimed at are in line figure.

The scales having been adjusted at the required elevation deflection, the gun layer proceeds to lay the gun.

[•] Note. — This means the number of degrees the tangent scale is raise

Section III .- Laying Ordnance.

should put himself in an easy position, his feet being so that his body is well balanced, and if possible steady



elf by leaning on the gun with his arm, and bring his eye on a with the top of the hind sight, and about one foot from it. meral rules to be observed.—1. See that the tangent and ction scales are set and clamped at the elevation and deflecordered, and that the tangent scale does not slip through Bocket.

To avoid wearying the eye, get the gun laid approximately elevation and direction before carefully looking over the ts, then lay quickly. Lay over the target and then depress* on to it, thereby

ding error due to the play of the elevating gear.

Choose a clearly defined part of the target to lay on, and bys lay on the same point from round to round. All ections and allowances should be made by using tangent or ection scales and not by laying off the target.

The distance of the eye from the hind-sight should on no

With $\dim_{\mathbb{R}^1}$ ppearing mountings the last motions of the elevating gear should at for elevation.

Section III.—Laying Ordnance.

account be varied, but be the same from round to round, n than one foot.

During instruction in laying, the targets likely to be me on service should be selected, such as houses, enclosatteries, &c., and on sea fronts, ships, boats, &c.

At this stage the Instructional Target should be made until the found most valuable in teaching men to lay correctly, as with it personal errors can be shown, bo elevation and direction, and the practical rule for corr

errors can be proved.

Laying on natural objects.—After the gunner has atta thorough knowledge of the tangent scale, and can adj quickly to any named elevation and deflection, and cal accurately and rapidly at a target, he should be taught to natural objects, preferring first those objects which are static and are more or less well defined, at medium ranges, and passing on to small or moving objects at short, medium, of ranges, or ships moving rapidly in all directions.*

To test accuracy at longer ranges, and when laying on stat natural objects, the following method may be used. The inst lays the gun with a certain elevation, and puts the tangent down. Then he directs the gunner to raise the tangent till the gun is correctly laid without altering the ele screw. The difference on the tangent scale will show the a

of error.

When laying at moving objects, the instructor should te laying by looking over the other tangent sight.

(b.) When the sights are used for direction only.

Laying by straight edge sight from sighting step.—It case the tangent scale is raised to a convenient height

^{*} The water line at the stern should be the point of aim with a target from the battery at such an angle that the bow water line is not well defined.

Section III .- Laying Ordnance.

t socket, the gun layer stands on the sighting step and aligns

edges of the sight blades on the object. Cofficers and men should be frequently practised at laying

these sights, particular attention being paid to rapidly king up natural objects such as ships and boats, and when Ving keeping the sights directed on them. During this practhe layers can be tested by the instructor looking over the er tangent sight.

levation is given to the gun by index plates and readers, tipliers, hydro-clinometers and elevation indicators.

(c.) When direction is given by traversing arc. h this case the gun is laid by quadrant elevation, and for ection by the traversing arc on the gun floor.

INSTRUCTIONAL TARGET.

the target is made of half-inch deal, and is 4 feet square: it ainted half bright red and half bright green. On the top is d an iron rod, on which runs a ring. A leaden triangle of 6 hes side, painted white, and with a circular hole 75 inch in neter in the centre, is suspended from the ring.

Instruction in laying for direction only.

tand the target so that the line down the centre is vertical; ect the recruit to lay on that line.

Instruction in laying for elevation only.

tand the target so that the centre line is horizontal; direct recruit to lay so that the point of the trunnion or fore-sight the two highest points of the V of the tangent scale are on

Instruction in laying for elevation and direction. Allow the triangle to hang in front of the target, and direct recruit to lay on one or other of its angles,

Section III .- Laying Ordnance.

To teach the use of the deflection scale.

Set up the target with the centre line vertical, at a meas distance of 100 yards from the gun; direct the recruit to without deflection on the centre line. This done, let him with a given number of minutes of deflection at the same p Show him, by letting him look over the sights, with deflection scale again at zero, that he has thus laid the gun same number of inches to the right or left of the centre.

At the distance of 50 yards the number of inches will be half of that of the minutes of deflection, and so on in propor

for longer or shorter distances.

Where there is no target, or no room to place it at 100 y off, a target of reduced size can be painted on a wall or dr on a board at a measured distance in front of the gun, and same instruction carried out. For instance, if 20 yards 10 minutes on the deflection or elevation scale would gi inches on the target.

To test individual laying.

1. Lay the gun on one angle of the triangle-mark with c the position of the hole—remove the triangle. Let the relook over the sights, and give directions for the movement the triangle until the angle on which the gun was previo laid appears to him to be in the line of sight. Mark with c the second position of the hole.

The distance between the two chalk marks will give

personal error of the recruit.

2. Lay the gun on one angle of the triangle (or on any s object), with given elevation and deflection. Put down tangent-scale, but do not move the gun.

Let the recruit set the tangent-scale and deflection shifting each until the sights appear to him to be on the objection.

Section III.—Laying Ordnance.

the difference between the two readings of elevation and lection will give his personal error.

LAYING BY NIGHT.

Vaying at targets lit up by E.L.—Guns can be laid by night on gets lit up by the electric light, just in the same way as by day. When using the gun sights, whether for elevation and direction direction only, it is generally necessary to throw the light of a tern on to one* if not both of the sights (when this is he, chalking the fore-sight will make it stand out clearer hen the light is thrown on to it); there is, however, some ficulty in keeping these lanterns alight, the shock of discharge heavy guns often extinguishes them. Various experiments, th with candle, oil, and electric lamps, have been made, but particular lamp for this service has yet been introduced into Particular lamp for this service has job service. The lamps themselves are, as a rule, held in sition by one of the gun detachment. Night sights of two patterns are provided for 12-pr. Q.F.

These are described in § 8754 List of Changes. Laying on fixed objects.—When laying guns at fixed objects, ch as at certain portions of a mine field, which may not be lit by the electric light, the elevation for the range would be hown, and would be given by index plate, clinometer, or hydronometer and the necessary direction being noted and marked on e traversing arc during the day, the gun would be laid for lineat ght by traversing until the reader came opposite the marked aduation. With guns not provided with such arcs the position the trucks on the racer or floor of emplacement must be arked (white paint would be best) when the gun is laid in the

Siego Artillery Drill, may be made. As a rule the fore-sight or the one further from the layer, if only one glut is illuminated.

brrect direction by day; or similar arrangements, as described

Section III.—Laying Ordnance.

GENERAL REMARKS ON LAYING.

The relative advantages of laying for elevation by-

(1) Tangent scales.

(2) Clinometer.

(3) Hydro-clinometer.

(4) Index and yard scale plates.

are as follows :--

1. The advantage of this method is its simplicity, in tha combines in one operation the direction and the elevation of gun, and enables us to dispense with correction for the height the battery and the state of the tide. On the other hand, it most difficult to teach correctly, brings in personal error of layer, and is less rapid than a system under which the laying range and the laying for direction are separate duties.

2. This method is not sufficiently quick, except for slow a deliberate fire, and, unless all other means fail, would never used when practising at moving objects. Its comparat accuracy for different elevations depends, to a great extent, the instrument being always placed exactly on the same pl on the breech for every round; any grit, or dirt, gett between the bottom of the clinometer and the plane surface the gun would affect the correctness of the elevation, it therefore, necessary always to make sure that this plane surf The clinometer has always to be removed bef firing, and lastly, as the graduations on the instrument are degrees, and not in yards, there is the drawback of having convert yards into degrees.

3. The hydro-clinometer has the advantage, as compared w (2), of being graduated in yards, of being permanently attached the gun, and of not needing any adjustment after it has once be set up. Elevation can be given rapidly and very accurately its means, the divisions on the scale for hundreds of yards bei as a rule, larger than on the tangent scale, or yard scale plates

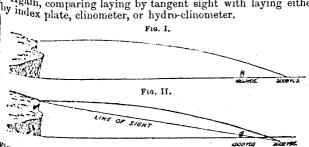
4. Index plates afford perhaps the most rapid means of lay

Section III .- Laying Ordnance.

uns for elevation, being certainly much quicker than (1) or (2), and as quick if not quicker than (3); the divisions on the yard cale plates are rather small (unless the gun is situated in a high hite battery, as the higher the gun is above sea level, the larger are the divisions) and difficult to read. They possess the following listinct disadvantage, viz.—if there is any inequality in the evel of the racers, they do not give the correct quadrant elevation, but this disadvantage tends to disappear as the height

f the gun above sea level is increased. For example, on a very low site if there is a difference of level the racers of five minutes between trail extreme right and extreme left, this would mean with a 9 or 10-inch gun a difference of 50 yards at 1500 yards range; under similar conditions at a height of 250 feet above sea level the range would only be altered by 16 yards. In these cases although there would be a lifterence of five minutes in the elevation when the gun was traversed from extreme right to extreme left, the yard scale of index plate would read exactly the same, i.e., 1500 yards in both Positions. This error does not occur when laying for elevation

etther by tangent scale, clinometers, or hydro-clinometers. Again, comparing laying by tangent sight with laying either



Figs. to show advantage of laying a gun by tangent scale instead of by Index plate when firing from a height.

Section III.-Laying Ordnance.

1. Any error due to the varying height of tide disappea when laying by tangent scale.

2. From a high site battery the admissible error in range greater when using the tangent sight than with either indeplate or clinometer, because the very act of bringing the lift of sight on the target to a certain extent corrects an error

range.

To explain this, suppose in figs. I. and II. that elevation ff 2000 yards is given instead of 1900 yards, which is the transpace. In Fig. I. the gun is laid by quadrant elevation, and the trajectory will strike the water at 2000 yards, or thereabout In Fig. II., though the tangent scale elevation is for 2000 yards the fact of bringing the line of sight on to the vessel correct this error to a considerable extent.

The amount of correction is the difference between the angle

of depression to a target at 1900 and 2000 yards.

With a 6-inch B.L. gun on a battery 200 feet above sea leve range 2000 yards, the admissible error in range of a vessel 20 feet freeboard is 100 yards more when laid with tangent scathan when laid by quadrant elevation.

With a 9-inch gun 100 feet above a vessel which has be overestimated as at 1500 yards range, if the gun were laid

Section III .- Laying Ordnance.

ndex plate or by clinometer she would be struck as near as 384 yards, but if laid by tangent scale she would be struck as near as 1324 yards, an additional admissible error of 60 yards. This presumes the gun to have been laid on the water line, and that the yard scale was made out for a height of 100 feet bove this water line.

This advantage decreases rapidly as the range increases and the height of the battery decreases. From a battery close to

the sea level it entirely disappears. It must, however, be remembered that personal error is likely be greater when laying by tangent scale than when using luadrant elevation.

The relative advantages of laying for direction by-

(1) Gun sights.

(2) Traversing arc.

are as follows :—

(1) This is the most accurate method of laying guns for direction, and should be resorted to on all occasions when Practicable, whether the guns are being worked by position finder or not. It has the disadvantage—that smoke or fog interferes and delays the laying of the gun by this means.

(2) Traversing arcs, on the other hand, quite overcome the illiculties of fog or smoke, so far as the gun itself is concerned.

This method of giving direction is also open to the objection that in using it, all the guns of the same group are firing in Parallel lines of fire, and the error in direction of the guns on either tlank of the gun of direction will be equal to their horizontal nank of the gun of direction will be equal to contain the gun of dir used.

It is not therefore applicable when more than one gun of a group is heir therefore applicable when more sit be stationary, and the previous round has been laid over the sights, and the Position of the pointer noted, unless convergence of fire is

Section III.—Laying Ordnance.

obtained by the use of a table similar to that described

69

Some confusion has arisen from the fact that traversing a are not always oriented alike, it is now ordered that in no

works, or where new traversing arcs are being laid down, th shall be so graduated, that when the pointer is at zero the a of the gun will be pointing true north, if the gun be laid d east the pointer indicates 270°, or if south-west 135°.

SECTION IV.-AMMUNITION.

Pace can be found in this Part for little more than the mere dings of the different articles of ammunition used by the rrison Artillery. Any officer who aspires to instruct his men lst know a great deal more of the subject than he will find The latest edition of the Treatise of Ammunition; gulations for Magazines, Ammunition Stores and Laboratories; the Lists of Changes, will give all the information necessary, they must be studied. is not intended that the instruction should be carried on the order given in this Part.

The officer should begin by explaining the ammunition of ne guns which the squad are likely to use at company practice, plaining each item forming the charge. He will then proceed show them how the nature of shell, common or shrapnel, &c., recognised, how they are plugged, how the gas check is ached, and the shell marked and stored. Next would

ow instructions in fuzing the shell. First the sort of fuze be used, and why others would not do. Then the boring setting of the fuze, lastly the uncapping or withdrawal of ety pin. After the detail of the ammunition for one gun has on thoroughly mastered, that for other guns in the district ould be taken in turn.

Separate instruction should next be given on the following nts:_

(a.) Filling, marking, and storing cartridges and shells, using tructional stores provided.

b.) The action of those fuzes in use.

Their instant recognition by their appearance, either as sle fuzes or in cylinders, and their selection out of many others.

(d.) Securing lids of zinc cylinders and metal lined cases

(e.) Every man is to be instructed in the regulations for ens safety during laboratory operations. See Magazine Regula and Army Forms G. 940 and 949, which are hung up in Laboratory. A limited number should be instructed in en

ing filled shell and taking out fuzes.

Gunners should not have their memories burdened details of the ammunition of guns which are not in their Disor which they have no opportunity of seeing or using.

NOMENCLATURE OF ARTILLERY MAGAZINE STORES, &c.

"Magazine."—Building or buildings with passages left thereto, in which powder in bulk, and filled cartridges me stored.

"Shifting Lobby."—The chamber or portion of the ent passage devoted to putting on or taking off magazin

laboratory clothing.

"Annunition Entrance."—The entrance to the magazine

ammunition only.

"Magazine Store."—A chamber within a magazine (if vided) in which the hides, wadmiltilts, and spare mag clothing may be kept.

"Cartridge or Shell Store."—A chamber in which filled ridges or filled shell are stored respectively.

"Powder" or "Shell Passage."—A passage along powder in cartridges or in bulk, or shell are transported.

powder in cartridges or in bulk, or shell are transported. "Ammunition Passage."—A passage along which both no of ammunition are transported.

Lighting Passage."—A passage by which access is gained to lamp recesses. "Cartridge" or "Shell Serving Room."-A chamber on the

the level as the gun into which the cartridge or shell lifts d, and from which the service of cartridges or shell is concted.

"Cartridge or Shell Recess."—A small receptacle for the storage a few cartridges or shell for the immediate service of a gun. "Receiving Hatch."—An opening in the door or wall of a tridge or shell-filling room, through which empty shell or wder in bulk is passed.

"Cartridge" or "Shell Issuer."—A hatch in a door, or opening a wall, through which cartridges or shell are passed.

"Cartridge" or "Shell Lift."—The lift up which cartridges or ^{ell} are hoisted.

"Artillery General Store."—A store for the reception of the

are gun stores of all natures. "Artillery Store."—A store in a battery for the reception of

e sights, elevating arcs, and other stores belonging to the guns d required for their immediate service.

"Laboratory."—A building or buildings with passages leading ereto in which ammunition is examined, cartridges made up, ^{d shells} filled.

"Inner Room of Laboratory."—A chamber in a laboratory which cartridges are made up and shells filled or examined.

P. or Pebble

SERVICE POWDERS.

The term "Service" is applied to powders fit for fif projectiles.

| Nature. | Use. | | |
|------------------------|---|--|--|
| Moulded. Prism, black | B.L. guns 8 inch Marl W. | | |
| | B.L. guns, 8-inch, Mark VII; 6-inch, Marks and V; R.M.L., 17-72 inch, 12-5-inch, 10-4-inch; and primers for Prism ¹ brown S.B.C. cartridge. | | |
| · · | except 6-inch B.L. It will probably superseded in gun charges. | | |
| Prism² Prism¹ brown | R.M.L. guns, 17-72-inch and 12-5-inch. B.L. guns, 12-inch to 0.2 | | |
| S.B.C E.X.E | R.M.L., 16-inch. B.L. guns, 16-25-inch and 13-5-inch. B.L. guns, 6-inch Marks III IV | | |
| Cubical. | R.M.L., 12.5-inch, Marks I and II; 0 | | |

R.M.L. guns, 12-inch, 35 tons to 80-pr.

R.M.L., 12.5-inch, Mark I, S.S.

3-pr. and 6-pr. Q.F.

B.L., 6 inch, 80-pr. to 12-pr. (7 cwt.), 4.7-inch Q.F. guns. It may be used inst of P. powder when the latter is not available

| ~ | 777 | 4 man mitian |
|---|-----|--------------|

| _ | Section IV.—Ammunition. |
|-------------|---|
| Nature. | Use. |
| RANULATED. | |
| *G | S.B. guns and mortars, the bursters for shrapnel |
| | shell having the bursting charge loose in the head, and as a substitute, in case of emer- |
| 270 | gency, in P. mixture for F.G. |
| ?.L.g | R.M.L. guns, 9-pr. to 64-pr. (except 13-pr. and |
| R.L.G.2 | 15-pr.); R.B.L. guns 6-pr. to 40-pr. B.L., 12-pr., 10 oz charge for star shell; R.B.L., |
| | 6-pr. to 7-inch; R.M.L., 9-pr., and 15-pr.; |
| | R.M.L. howitzers, 8-inch, 66-inch, and |
| | 6.3-inch. In L.S. it may be used for any guns for which R.L.G. is employed, should |
| n - | the latter not be available. |
| R.L.G. 8 | Made in India, for R.M.L. guns, 25-pr. to 80-pr., and S.B. guns. |
| $R.L{G}$ | R.M.L. guns, 13-pr. to 64-pr. (except 15-pr.), and 25-inch; 6:3-inch howitzer, when exist- |
| Mr. | ing stock of R.L.G. ² cartridges is used up. |
| M, G, 1 | 1-inch Nordenfelt gun. |
| F. G | S.B. small arms, 7-pr. R.M.L. gun, and for bursting charge of shrapnel, shell having |
| n - | bursting charge in the base. |
| R.F.G | Snider, S.A. ammunition, 7-pr. R.M.L. gun, and for bursting charges of shrapnel shell |
| ori. | when F.G. is not available. |
| $R.F.G^{2}$ | Martini-Henry S.A. ammunition, and machine |
| | guns of small arm calibre; 4-inch R.M.L. |
| | howitzer: 7-pr. R.M.L. gun, and for filling |
| | shrapnel shell having the bursting charges |
| | in the base. |
| | |
| (g.a.d1.) | Е 2 |

ISSUE.

Moulded powder is issued in cases, powder 100 lb., made wood lined with zinc.

Cubical and grained powders in barrels enclosed in waterprobags holding 125 lbs. of P and P², 110 lbs. Q.F. R.L.G.², and R.L.G.⁴, and 100 lbs. all other.

· CORDITE.

Cordite is a compound of nitro-glycerine, gun-cotton, a mineral jelly. It is manufactured in long cords of a diamet suited to the gun for which it is required. The various sizes a distinguished by a fraction, the numerator of which gives the diameter in hundredths of an inch of the die through which to cordite is pressed, and the denominator the length of the sticor cords in inches; thus, \(\frac{\pi_1}{1} \) means that the cordite is 05 in the diameter and 11 inches long.

Cordite charges are made up like bundles of sticks. prevent "hang-fires" they are primed with F.G. powder.

DIRECTIONS FOR MAKING UP CARTRIDGES FOR RIFLED ORDNANCE.

Silk Cloth is used for all cartridges, except for those mention below.

Serge for S.B. cartridges for land service if silk cloth is available, except for blank cartridges.

Serge cartridges for R.M.L. or R.B.L. guns, which may be store, will be used up according to orders issued from time time on the subject.

Shalloon will be used for the 7-pr. R.M.L. cartridge, 4 of 6 oz. and 8 oz.; 2.5-inch R.M.L. cartridge 6 oz.; 15-pr. R.M. oz. cartridge; cordite cartridges under 3 lbs. (p. 50, Treat on Ammunition, 1897), and 6 and 3-pr. Q.F., saluting.

I. FILLING.

Cartridges Filled with Loose Powder.

Care will be taken to see that cartridges are not made up in damp weather, (see para 152 Magazine Regulations 1894, which should always be consulted before commencing laboratory operations) that they are properly dry before being filled, and the proper charge is carefully weighed out, and inserted

by means of the "Funnel, copper, cartridge." Cartridges will be choked by drawing together the mouth of the cartridge into several plaits with a magazine needle, threaded with three strands of worsted for serge cartridges, or with two strands of silk twist for silk cloth cartridges, up to 14 lb. inclusive; after drawing together the mouth of the cartridge, three turns will be taken round the plaits, and the choke thus formed will be further secured by passing the needle three times through it alternately above and below the turns, thereby stitching down the turns round the choke at two points equidistant from each other. Charges above 14 lb. up to 85 lb. inclusive, without beckets attached, three times, and the needle passed through the choke four times, making three securing stitches. Charges from above 14 lb. and the needle passed through the choke four times, making three securing stitches. and upwards, with beckets, will have the choke first formed, and emporarily secured by taking two turns round the choke, the becket drawn tightly in on both sides, then three turns will be taken round the choke, the needle passed through the choke and becket five times, making four securing stitches. The becket hould form a loop about 31 inches in length over the choke.

The curtridges will be made up to their proper lengths and diameters by means of the hoops, which should be drawn tight so

as to make a firm cartridge.

cartridge is then reversed, and after the wood bottom taken out, it is placed on the scales, and the necessary prish removed from the top layer, or added to it, until the weight correct, an empty cartridge being placed in the scale with the weights to contpensate for the one containing the powder of the superfluous choke is then cut off to within 1 inch the top layer of prisms, a few vertical cuts are then made in this overlap, which is turned in until the edge is flush with the charge; the top is then placed on and secured at each side, and then oversewn round, with two strands of silk twist. The and bottom of the cartridge have each a hole in the centre fitty with network, which is covered over with shalloon patches, study on with shellac to prevent the powder dust from falling into package.

These cartridges, if necessary, may be made up, by care manipulation, without using a zine cylinder, by building up to prisms on a wooden better out to the care. prisms on a wooden bottom cut to the same shape as the cartridg

CARTRIDGES, PRISM.2—The required number of prisms of the be built up in layers on a wooden bottom the same shape as cartridge, the empty cartridge drawn over the whole, and remaining operations proceeded with the same as with Prising with the expension of the control o with the exception of the zinc envelope which is not required for Prism.2

II. MARKING AND GAUGING FILLED CARTRIDGES.

All cartridges when filled will have the nature and well powder which they aged of powder which they contain marked on the side in blood printers' ink, the letters being printers ink, the letters ening one inch long, and must be confully weighed and ground the same of the fully weighed and gauged as to length and diameter. Paint must not be used as it holds? must not be used, as it holds fire.

[•] In making up cartridges with Priam powder, the top layer should not confident than 75 per cent. of the number of said less than 75 per cent. of the number of prisms in a complete layer, one or prisms being taken to a complete layer, one or prisms being taken to a complete layer, one or or manufacture. complete vertical fiers of prisms being taken, if necessary to make up the requisitent to top layer,

A record of the powder used with the maker's name, lot, and ate of filling will be found marked on the package in which filled cartridges are despatched to stations.

All shalloon and silk cloth cordite cartridges will be stencilled with the lot number of the cordite, in addition to the information given on the package.

III. ISSUE OF FILLED CARTRIDGES.

RAIL, and 40-pr. R.B.L., 64-pr. and 80-pr. R.M.L., and 40-pr. R.M.L. howitzers, are saued in metal-lined cases.

These are of three sizes, whole, half, and quarter, and weigh blus, 30 lbs., and 18 lbs. respectively. Gartridges for R.M.L. guns, 7-in. and upwards, and 6-in. B.L.

thid upwards, are packed in zinc cylinders, which may contain the upwards, are packed in zinc cylinders, which may contain the upwards, are packed in zinc cylinders, which may contain the upwards are packed in zinc cylinders. uller whole, half, or quarter charge, according to size. They whole, half, or quarter charge, according to size. whole, half, or quarter charge, according to the as cases to carry the cartridge from the magazine to the

ECURING LIDS OF ZINC CYLINDERS AND METAL

Nee Part II., Section V., Regulations for Magazines, 1894. Instructions are also printed on the inside of each lid.

STACKING ZINC CYLINDERS.

When cartridge cylinders containing cartridges are stored on their sides, the number of tiers in each stack will be nited as follows:—

linders containing (over 100 lbs., not to exceed 3 in height 60 to 100 lbs.,

less than 60 lbs.

When stacked on their ends, which is always preferable storage room permits, thin battens of wood will be placed them to prevent the handles injuring the bottoms of the packed over them. These battens are not necessary for cyling with screwed lids having handles at the side. Stacking on the ends is preferable, because if stacked on their sides, unless points of support are under each end where the cylinders strongest, or along their length, they become so dented that cartridges are difficult to extract.

When so stacked the height of columns is not to exceed:

| | | | | - 1100 | o chece | • |
|-------------|---------|------|------|--------|----------|---|
| For quarter | charges | •••• | •••• | 5 су | linders. | |
| " half | 53 | •••• | •••• | 4 | ,, | |
| " full | ** | •••• | **** | 3 | | |

Brass and metal lined cases will be stacked on their sides height not exceeding 11 feet.

DRILL CARTRIDGES.*

Drill Cartridges B.L. and R.M.L. are a special manufact and are issued complete. They are of same shape and dimensionable the service cartridge they represent, and are brought the required weight by means of a cast-iron core.

Those for R.B.L. guns are of wood covered with felt and lead the base of the cartridge is shod with copper, and they dummy lubricators with stalks to screw into sockets it cartridges.

MEANS OF FIRING ORDNANCE.

Except when firing by electricity, all R.M.L. radial verguns and howitzers, and all R.B.L. guns are fired by mean copper friction tubes; the latest pattern is the solid drawn which is used for all natures, and supersedes the long, and special friction tubes, none of which have been man

^{*} For Q.F. guns, see §§ 5856, 6509.

ctured since 1887, but there are still some of them in store; will be used up as follows:—

Tube, friction, copper, long, for R.M.L. 7-inch and upwards. r R.B.L. guns. guns below 7-inch, and short

Tube, friction, copper, special short, for R.M.L. 7-pr. and inch guns. The tube, friction, copper, solid drawn having been found short for use with war rockets, the tube, friction, copper, 8 short for use with war rockers, the case, short Mark II. will be retained in the service for use

erewitlı. When any of the above natures of ordnance are fired by petricity the tube to be used is, Tube, electric, No. 10 (quill), copt with guns on H.A. mountings, which are fired with tubes, the with guns on H.A. mountings, which are weak construcon must be handled with care, when joined up, and lowered in the interpretation on its own head in the interpretation of the care and he unsupported, the allow, as, should the head project and be unsupported, the p joint is liable to be broken off without igniting the mealed wder; should a vent be too short to take the entire tube the wer should a vent be too snort to take the taken with the deliberation of the point may be removed. A turn should be taken with the nds round the lanyard guide or cascable to relieve the head on the strain caused by the weight of the wires, should it he strain caused by the weight of the hecessary to remove an unfired tube it must be done carelly, as the upper quill containing the electric bridge easily comes detached; should this happen, and any of the lower hts be Pulled off and remain in the vent, either one or more of lower joints must be removed from the next tube, to allow to enter to the full extent. With axial-vented guns; vent-sealing tubes are used.

The axial-vented guns; vent-seaming tubes at 25-inch Mark le axial-vented R.M.L. guns are 10.4-inch, 12.5-inch Mark 1, 16-inch, and 17.72-inch. These guns, except the the 10.4 of and 17.72-inch. These guis, except the "V," or are fired with either a tube, vent-sealing, friction "V," or ne, vent-sealing, electric "V."

The 10.4 inch gun is fired with the tube, vent-sealing, e " P."

All B.L. guns 4-inch and upwards are axial-vented, at fired with tubes, vent-sealing, percussion, or tubes, vent-se electric "P."

Drill tubes of all the above natures are issued for use a

and for instruction in firing ordnance. 3-pr. and 6-pr. quick-firing guns are fired in similar m to a rifle, a percussion cap being fixed in the base of the ridge case. The 12-pr., 4 7-inch and 6-inch are fired electr by means of an electric primer screwed into the base of

cartridge case; for percussion firing an adapter to take a percussion tube is substituted for the electric primer lanyard is used with them. Copper friction tubes are fired by pulling the lanyard, hooking, into the friction bar of the tube; vent-sealing fri tubes by pulling the lanyard, after hooking, into the draw and percussion tubes, by pulling the lanyard, after hooking

the firing bolt of the percussion lock, or, in the case of the percussion lock fitted to B.L. 9 2, 10, and 12-inch guns, by p the lanyard, after hooking, to the loop of the trigger. Electric tubes (except when using position finder) are fir the battery, electric firing, 3 cell, Leclanché, or the battery key, test and firing.

PROJECTILES.

DISTINGUISHING MARKS. The following are the general rules for distinguishing on projectiles :-

(1) Tips. Shot (except case).—To have white tips. Common and palliser shell.—To have black tips.

Segment and ring shell .- To have blue tips. Shrapnel shell.—To have red tips.

(2) Bands.

projectiles.—To have white band round head. Projectiles.—To nave write band round head. All filled shells.—To have red band round head. Case shot with steel balls.—To have white band round body. ractice, projectiles.—To have yellow band round body.

(3) Bodies.

hells for high explosives to be yellow; all other projectiles

(4) Star.

Star shells to have a star in red on a white disc, on the shoulder.

All filled shells will be marked with the date of filling, and at thous where means are available with the monogram, except en filled by R.A. Filled common or double with bags, with e Word "Bag," and with a red disc 1-inch diameter, if primers wed "Bag," and with a red disc 1-men diametric. I will belle, and with "P" if filled with P and F.G. mixture. bells which have been emptied will be marked with "E" and mogram of station. C.S. will be stamped on the base of cast steel and F.S. on the he of forged steel projectiles.

Pauliser weighted with sand and armour-piercing in the weighted with sand and armour-piercing in the will have "W" in ighted with sawdust and small shot, will have "W" in white head and also stamped on the base plug.

All projectiles 6 inch B.L. and upwards manufactured since projectiles 6 inch B.L. and upwards medicate for the cannel with the cannel with the letter eption of augmenting strips, and are stamped with the letter between the first and second cannelures.

STORAGE OF FILLED SHELLS IN CHARGE THE ROYAL ARTILLERY.

1. When fitted for gas-checks.

Filled shells will have the gas-checks, if attached by P fitted before being placed in the shell store. The automatic check is not attached to the shell.

In storing filled shell (9-inch R.M.L. and upwards), are to be placed on their bases, resting on the gas-check p and prevented from falling over by two pieces of wood, 9 square placed one on each side of the nut. Filled shells of calibre and all shells at Nova Scotia will be piled.

The front row of all filled shells, 7-inch R.M.L. and upw should be so stowed that the transporting barrow can be veniently run under them. The front row will be placed 4" the 2nd row, and the shells the following distances, from cel to centre, viz. :-

| 11", | 12", | and 12:5 | 5" . | •••• | •••• | •••• | 22'' |
|------|------|----------|-------------|------|------|------|------|
| 10" | •••• | •••• | •••• | | •••• | | 18" |
| 9" | ••• | **** | •••• | •••• | **** | •••• | 12'' |

The pieces of wood, or "battens," being placed so as " parallel to the axle of the barrow, in order that when the is tipped back the front batten may be removed to make for the tip of the barrow. When there is ample room shell store the whole of the shell will be stowed as above. 4" from row to row.

2. When not fitted for gas-checks.

Filled shells for 7-inch R.M.L. and R.B.L. guns and up at lill be placed upright on their land. will be placed upright on their bases in the shell store.

Filled shell of less than 7-inch calibre will be piled.

B.L. filled shell 6-inch and upwards will be stored on their whenever possible.

B.L. filled shell below 6-inch calibre will be piled, each layer in the opposite direction to the one below to prevent jury to the driving bands.

COMMON SHELL.

Common shell are designed to contain the most powerful pating charge possible, and are made either of cast iron, or of st or charge possible, and are made thinker or forged steel; the latter allows of a greater bursting arge as the walls of the shell can be made thinner; steel shell e also not so liable to break up on impact. Forged steel shell ng intended for armour-piercing, are made with small capacity bursting charge.

They are used with all garrison guns and are lacquered inside they are used with all garrison guns and are lacquered inside they are used with all garrison guns and account of the bursting charges in all red lacquer. Bags are used for the bursting charges in all M.L. common shell 16 pr. and upwards, B.L. 4-inch and Wards, and R.B.L. 40 pr. and 7-inch.
for Weight of shells and bursting charges, see Part III,

Common shell is used:—

To disable the personnel and destroy the materiel of the

Filling Common Shells.

All shells before filling should be carefully examined inside to that they are clean and dry; in using the copper scraper for purpose, care must be taken not to injure the lacquer.

R.M.L. and B.L. common shells are to be filled with P. F.G. powders. See § 7714.

The following are the proportions of P. and F.G. powders inserted at one time into the variations. be inserted at one time into the various natures of shells:

NATURES. Proportions. about 8 lb. P. then 20 oz. 13.5 inch B.L. and above 12 oz. 12.5-inch to 11-inch 5 lb. P. 10 oz. 10.4-inch to 8-inch 4 lb. P. ,, 6-inch B.L. 2 lb. P. 7-inch to 6:3-inch 2 lb. P. 4 oz. natures, Fill with P. and then fill 40-pr. R.B.L. 5-inch and smaller the interstices with F.G. except 40-pr. R.B.L.

Filling Shells, Common, with Bag, through Fuze-hole.

Remove the plug from the fuze hole, place the filling road e bag, insert it through the the bag, insert it through the fuze hole, place the filling roll the end of the rod through the better the end of the rod through the bottom of the bag; carefully in the bag until the neck only is in the fuze hole, a portion kept outside, as the whole has must be a portion in the second to the bag until the neck only is in the fuze hole, a portion in the second to the kept outside, as the whole bag must not be allowed to slip the shell during the operation of allowed to slip the shell during the operation of all the shell during the operation of the shell during t the shell during the operation of filling, then withdraw the and insert by hand the property of the shell during the operation of the shell during the shell du and insert by hand the proportion of P. powder as above the nature of shell. Place the form the nature of shell. Place the funnel in the fuze hole, Pass befilling rod down through the fuzze. filling rod down through the funnel, and pour in the proposition of F.G. powder, moving the fillings. of F.G. powder, moving the filling rod up and down to facility the passage of the powder them. the passage of the powder through the funnel. Take out funnel and rod, lift up the bag and jerk it, so as to "set powder well down to the bottom and the set of the powder well down to the bottom and the set of the set of

Repeat the process as above, each portion being light

When the shell is quite full, withdraw the funnel to ling-rod and tie the needs of the l stirred and pressed with the filling rod.

filling rod and tie the neck of the bag with twine close to the to of the fuze-hole. A piece of twine of the fuze-hole. A piece of twine is attached to the neck bag for this purpose, it must be alice bag for this purpose, it must be shifted to its proper position necessary. Cut off the suppose necessary. Cut off the superfluous choke and push the next the bag well down and to account the bag well down and to account the superfluous choke and push the next the bag well down and to account the superfluous choke and push the superfluous choke and the super the bag well down, and to one side of the fuze-hole; insert

ery shell two "Bags, primer, filled seven drams," or more there is room, then screw in the plug, taking care that tuze-hole is clean and the plug lubricated.

Filling Shells, Common, with Bag, through the Base.

Place the shell upon its point which may be inserted in a block wood hollowed out for the purpose, or in any other convelient place.

After standing the shell upon its point pass the holder, shell, and or "studiess" of the size required over the base, and hew up the bolt, then hold the handles firmly while another han unscrews the base plug with the "Wrench, base plug." The unscrews the base plug with the "wrenen, base plug." The drop in three "Bags, primer, filled seven drams." The linch shells take one "Bag, primer, filled 10 oz," and the heat linch, being prepared for a base fuze, has one primer that after filling.

lisert the bag and fill the shell as when filling through the we hole, but no bags, primer, are to be inserted after filling to the bag and sin the 4-7 inch shell. to bole, but no bags, primer, are to be successful to be successful. With when a base fuze is used, as in the 4.7 inch shell.

With B.L. shells which take a lead disc, after screwing in belong plug, insert the projection on the lead disc in the base plug, insert the projection on the state. There bess in the plug and hammer it tightly into its place. There two sizes of lead discs issued, the size taken by each discs issued, the size taken by each Mag Reg. 1894. Their object is two sizes of lead discs issued, the size the being shown in para. 441 Mag. Reg. 1894. Their object is being shown in para. 441 Mag. Reg. 1004. The prevent the flame from the charge of the gun getting past threads of base plug and so causing premature bursts.

With an adapter in the base, the lead

With B.L. shells fitted with an adapter in the base, the lead so round it (if there is one fitted) must be cut out with a sound it (if there is one fitted) must be c Tound it (if there is one fitted) must be cut out with the onze chisel and hammer, and the adapter withdrawn as well the plug before filling. After the bag is choked, the neck of the passed through the adapter, which will be lubricated a new lead ring Screwed home. After the plug is inserted a new lead ring be hammered in. The lead rings are of two sizes, and are of nammered in. 110 122. lifed in para. 441 Mag. Regs. 1894.

SHRAPNEL SHELL

These shells are made for all calibres of garrison guns, but only issued to works whose armament comes under Class pp. 303 and 335, Part H., Sec. XII, Equipment Reg., 1896

The body is of cast iron, cast or forged steel, with a chall inside the base into which fits a tin cup to contain the bur charge, over this is a wrought-iron disc with a hole in the co threaded to receive a wrought iron pipe, the walls of the are lined with brown paper and filled with sand shot except 6-in. B.L., 40-pr., and 7-in. R.B.L., 64-pr., 80-pr., and 6 R.M.L. which have mixed metal balls, the interstices bet the balls filled in with resin; the head is made of Bessemer lined with wood, let into the head is a gun-metal socked lower part of which fits into the wrought-iron pipe; the int is tapped to receive the primer, the top threaded to the gauge.

The shrapnel shell is made to carry as many bullet possible, and is given a burster only sufficient to open the

and release the bullets.

Shrapnel shells are used exclusively against the per of the enemy when beyond the effective range of case shot! on land fronts, against troops in the open and sometime search them out behind cover; on sea fronts, against me boats, on or between decks, or in the rigging of ships.

Time fuzes are nearly always used with shrapnel

targets in the open.

With percussion fuzes, not only is the velocity of the bursting, the balls are thrown upwards and are liable to over the heads of troops aimed at.

As, however, the flatter the trajectory the more effective percussion shell, it may be possible with the new high guns to use percussion shrapnel with considerable effects

When firing with a view to penetration of very light tructures, percussion fuzes must be used, with shrapnel. They but the bursting charge being small and in the base, if not fuzed, with will not be ignited by the shock of impact, and observation of will not be ignited by the shock of breaking up outside will of will not be ignited by the shock or impact, and whether they are passing through or breaking up outside will impossible.

At an experiment against a structure representing the section an unarmoured portion of a ship, the iron sides of which two lines iron plates and another on unarmoured portion of a ship, the from slates and another strength of one portion of two 1-inch iron plates and another retion of two 1-inch plates, a 9-inch R.M.L. shrappel damaged to dum. ix dummy men, dismounted the gun on the far side, and blew the dummies at that gun to pieces.

It will penetrate about one-third of its calibre of wrought iron. One of dispersion is probably less than that of common shelt. One of dispersion is probably less than that of common tance, its action against the lighter torpedo boats, guard boats, &c. For action against the lighter torpedo bones, such a leavy shrapnel a length of burst of 150 yards short will best leavy shrapnel a length of burst of destructive effect on

best, and there is an ample margin of destructive effect on ther side of this point. Time shrapnel is the only projectile fired from heavy guns at will be of use against guns' crews in military tops, bartitles of the office of the projectile fired from heavy guns at the sum of the projectile fired from heavy guns at the sum of the projectile fired from heavy guns at the sum of the projectile fired from heavy guns at the projectile fired from heavy

tes, &c. They cannot, however, be relied on for sufficient Curacy unless the pace of the ships is slow and the range With time shrapnel the object to be attained is:—

1. A time shrapnel the object to burst the shell

I the time shrapnel the object to be attained is .—

Against an extended front to burst the shell so that its blets cover effectively, that is without being too scattered, as the cover effectively, that is without being too scattered, as which space laterally as possible consistent with their having Place laterally as position. Against a deep formation to open the shell so that the

A Sainst a deep formation to open the balls. Shows well as the breadth is covered by the balls. the half shells depend for their effect on the striking velocity the half shells depend for their effect on the shell on bursting: the balls and splinters disengaged from the shell on bursting:

the higher the velocity the more effective the shell, because only is the angle of descent for a given range less, and the covered by the balls therefore greater, but the penetrative po of the balls is also increased.

When the shell opens, the bullets at first travel forward w the velocity the shell had at burst and they would move in original trajectory of the shell, were it not for :-

1. The disturbing effect of the bursting charge.

2. The centrifugal force imparted by the rotation of the 3. Loss of velocity greater than that which the shell original condition would have experienced, due to the different in form and weight of the fragments.

The trajectory of the centre line of the cone (especially the new B.L. guns) falls very little below what would have the trajectory of the shell had it not burst.

Hence the destructive effect of shrapnel may be said

depend upon : --

1. Its velocity at burst.

2. The distance of burst. 3. The angle of descent.

4. With percussion shrapnel the angle of ascent after grade

1. Velocity at Burst.

As on its velocity at burst depends the velocity of balls, the higher the velocity of the shell the greater depth balls of the same weight and some balls of the same weight and form cover with effective fire.

heavy ball will retain its velocity longer than a light one.

The least velocity which a heavy shrapnel ball should heavy the striking to be effective may be taken at from 350 to 400 ft. second.

The remaining velocity at 4000 yards of a 64-pr. Rull Mark III. Shrappel shell is about 745 ft. per second, and 10 of the heavy R.M.L. and new two R. R. of the heavy R.M.L. and new type B.L. guns varies from to 1200 ft. per second.

150 yos SHORT 22/2YDS A

50 YES SHORT 71 703 A

As far then as the penetrative power of the balls is conerned the shells will be effective beyond these ranges.

2. The Distance of Burst.

The distance at which a shrapnel should be burst in front has target so as to obtain the greatest effect, is influenced by he following considerations:

(Allowing considerations .— (20) That the balls when released (20) That th the cone being from 8° to 16° inreasing with the range.

(b) That the axis of the cone falls ery little below what would have been

he trajectory of the shell.

(c) That the diameter of the cone of the life item (c) That the diameter of the cone of th its length from point of burst.

(d) Ength from point of Durse.
That the longer the range the 100 yes short 15 yes A

That the longer une rooms reater becomes the angle of descent the less the velocity of the shell.

(e) That the striking velocity of the lets should not be less than 350 ft. ber second.

Taking for example the angle of the the of dispersion of a shrapnel to be then (see fig.) if it burst 50 yards then (see fig.) if it burst ou just of object, the spread of the bullets vards; at 100 tends over about 7½ yards; at 100

ards short, 15 yards; at 150 yards short, 22½ yards; at 200 hrds short, 30 yards.

It is therefore evident that the shell should be burst close to a get having great depth with very narrow front, further off kinst a target having breadth and depth, and still further off ainst one with an extended front but of no depth.

It should further be noted that as the range increases so de the cone of dispersion of the balls, because the velocity of shell through the air decreases more rapidly than the velocity rotation due to rifling.

The angles of the cone of dispersion at various ranges of the following guns are found to average from 8° to 13°.

Effective distances of burst when the object has breadth, and time fuzes are used, would be :-

| Yards. | R.M.L. Yards. | B.L. Yards. | | |
|---|--|---|--|--|
| Up to 1000 1000 to 2000 2000 to 3000 3000 to 4000 | Medium. Heavy. 100 to 250 75 to 200 50 to 150 25 to 75 | Medium. Heavy. 150 to 250 120 to 200 100 to 150 50 to 100 | | |

A considerable percentage of bullets must always striketween the ground the striketween the striketwe between the gun and the object. Table representing the front covered laterally by various could various lengths from the

at various lengths from the point of burst :-

| Cone of dispersion. | 20 | 40 | - 60 | 80 | 100 | 120 | 140 | 160 | 180 | YB |
|------------------------|-----------------------------------|-------------------------------------|-------------------------------------|-------------------------------------|---|---|--|--|--------------------------------------|----|
| 8° 9° 10° 15° | ft. 8·4 9·3 10·5 15·0 | ft. 16·8 18·6 21·0 30·0 | ft. 25·2 27·9 31·5 45·0 | ft. 33·6 37·2 42·0 60·0 | ft. 42 · 46 · 5 52 · 5 75 · 0 | ft. 50 · 4 55 · 8 63 · 0 90 · 0 | ft. 58 ·8 65 ·1 73 ·5 105 ·0 | ft. 67 ·2 74 ·4 84 ·0 120 ·0 | ft. 75.6 83.7 94.5 135.0 | |
| | | | | | | | | | | |

3. The Angle of Descent.

The angle of descent has considerable influence on the effect fabraphel. of shrapnel.

LIf it is great the lower part of the cone strikes at such an obtushingle that there is little riccoles angle that there is little ricochet, and the upper part of the countries o

there but little space before grazing. Supposing the angle of escent to be 6°, the lower part of the cone with an 8° opening, would graze at 10°, and the velocity of the balls would be readly reduced after ricochet. As the angle of descent increases couly reduced after ricochet. As the angle of the lower half of the cone would hardly ricochet at all.

4. The Angle of Ascent.

This will vary with the nature of the ground, with its slope hid with the angle of descent. Even under favourable circumthat the angle of descent. Even united large bullets will the angle of ascent is so great that all the bullets will see for off as 25 yards from graces the angle of ascent is so great that an the shares the angle of ascent is so great that an the shares are shares from the shares also tells on the effect the kraze. A quick or slow acting fuze also tells on the effect of graze. A quick or slow acting ruze also will a percussion shrapnel; the sooner it bursts after graze the better the effect.

FILLING SHRAPNEL SHELLS.

Remove the plug from the fuze-hole, and after seeing that the fuze-hole is clear of any dirt, and that interior of shell is dy, &c., insert the leather funnel and pour in the burstingdarge, which has been previously weighed out or measured. his the which has been previously weighed out or measure.

I which has been previously weighed out or measure.

I which has been previously weighed out or measure.

I which is put in at once the tube will probably become the shell should be tapped on the side with a bursting-charge has passed The shell should be tapped on the said passed by the mallet, until the whole of the bursting-charge has passed by the powder is left at the The shell mallet, until the whole of the bursting-charge has prince the tube, taking care that none of the powder is left at the button. The shell primer and, by means but the tube, taking care that none of the powder is rectally the first one of the socket.

Drop in the metal primer and, by means the content of the socket. the Shrapnel screwdriver, screw it tightly into the tube, and the Shrapner sore screw in the plug.

Made for R.B.L. guns only. They differ from common shell liade for R.B.L. guns only. They under the lacquered but do use bags. They are shorter than common shell, and the coating extends somewhat farther over the base.

Filling 40-Pr. and 7-inch R.B.L. Segment Shell.

These shell are filled in a similar manner to the R.M. studded common, except that bags are not used; after filling wad of papier mâché (termed G. S. wad) is driven into the fu hole to prevent the powder getting into the screw threads; it not necessary to remove this wad before fixing the fuze.

STAR SHELL.

Will be found in the equipment of the "Armament between the control of the "Armament between the control of the "Armament between the control of the control

General Defence" in Garrison Artillery Service.

They are made for 8-in., 6.6-in., 6.3-in., and 4-in. howite for 7-pr. and 2.5-in. R.M.L. guns, and for 12-pr. B.L. guns. description, use, &c., see Siege Artillery Drill and handboth of the ordnance mentioned.

PALLISER SHOT.

Are made for all B.L. guns 4-in, and upwards, and all R. M. ins 80-pr. and upwards.

gans 80-pr. and upwards.

They are ogival pointed projectiles, the head being made dense, those of cast-iron being cast in an iron mould, called a child the body in sand which are the body in sand, which makes it less brittle; they are hollow and plugged Projection in the body in sand, which makes it less brittle; they are hollow and plugged. Projectiles, similar to the above were one time issued as shall with L. one time issued as shell with bursting charges, but the bursting charge has been discontinued and the charge has been discontinued, and these shell are now filled an equivalent weight of sond an equivalent weight of sand and treated as shot, see § 5033.

ARMOUR-PIERCING SHOT.

Are made for B.L. guns 5-in. to 16:25-in.; they differ from Palliser shot in being made of forged steel, and having lifting hole in the side lifting hole in the side.

CASE SHOT.*

Case shot is an iron cylinder full of balls, which vary in the balls are projected with a considerable spread.

The considerable spread.

Those for B.L. and R.B.L. have study of soft metal, soldered hand the base, to prevent them being rammed too far up the ore in loading.

The case for the 7-in. R.B.L. is used in the 7-in. R.M.L., that tone the case for the 7-in. R.B.L. is used in the fine the 8-in. gun serves for the 8-in. howitzer, and those for the 64-in. R.M.L. are identical. The 14 pr. 63-in, gun serves for the 8-in, nowizer, and the fig. 63-in, howitzer, and 80-pr. R.M.L. are identical. The 66-in, 6:3-in. howitzer, and 80-pr. 18-22-22 gun and howitzer also fire the same case shot, and

The 32-pr. S.B.B.L. has a special case shot, and is the only projectile fired from that gun.

The case shot for R.M.L. guns, 7-in. to 12-in., 35 tons, are albout case shot for R.M.L. guns, 1-m. to 12-m., order one-third the weight of the other projectiles, and, in order to get sufficient recoil, two are loaded together.

For B.L. guns, and R.M.L. 12.5-in., and heavier natures, they

For B.L. guns, and R.M.L. 12.5-11., and the same weight as the other projectiles. Case shot from heavy guns would generally be used against book or bodies of troops. With heavy R.M.L. case the limit of effective range is about 900 yards. B.L. case may be employed the range is about 900 yards. B.L. case is effective at 1,100 t longer ranges. The 92-in. B.L. case is effective at 1,100

SPECIAL CASE SHOT.

Shot, R.M.L., Case, special, is approved for 9-inch guns and bwards with chilled iron shot weight 3 lb. 9½ ozs., and has hood penetrating effect against steel plates of torpedo boats at hings up to 600 yards. Cordite charge has been approved for is projectile with 9-inch guns, § 8025.

^{*} See § 7611.

DESCRIPTION OF FUZES.

Percussion Fuzes

A percussion fuze is one that depends upon impact or graze f its action.

Direct Action.* §

It acts equally well with high and low charges.

It is prepared by the removal of the metal cap or safet plug; this should not be done until the shell is in the bore of M.L. gun, or is about to be entered into a B.L. gun.

The fuze acts on direct impact, and on graze only when

angle of descent is not less than 10°.

Great care must be taken to see that nothing shall press the diaphragm in the head of the fuze after it has been the capped. Mark III. is the only pattern allowed to be used with gulf

loaded by hydraulic rammers. It differs from previous patterns in having a serew sefety plant in having a screw safety plug instead of the metal cap, in the fuze to be kept in the fuze enabling the fuze to be kept in filled shells covered by a wad

Mark I.* or Mark II. fuzes only are to be used over land ranges.

Pettman, G.S.

Is made of gun-metal and threaded on the exterior to the G.S. gauge.

This fuze will not act on graze, neither will it act when fred ith reduced charges with reduced charges.

It has no safety pin, and the only preparation necessary ja to rew it into the fuze hole screw it into the fuze hole.

§ 5488. Mark I. fuze obsolete.

^{*} When practice is carried out over land ranges or sands where any blind shell state to be left exposed by the tide. R.J. frances liable to be left exposed by the tide, R.L. fazes are to be used with 80-pr., 6,6 and 64-pr. guns instead of direct action faze

^{8 5572.} Mark I. to be altered to Mark I.*

| FUZES | USED | WITH | CERTAIN | GU |
|-------|------|------|---------|----|
| | | | | |

| Nature of Fuze | Nature of Fuzo Distin-guish-ing No. Paragraph in List of Changes in War Stores. Material Material Nature of O | | | Nature of Ordnance with which used. | Nature of Fuze. | Distin- guish- ing No. | Paragraph in List of Changes in War Stores. | Mate- rial. | Nature of Ordnance with which used. |
|--|--|-------------------------------------|--------|---|---|------------------------------|--|----------------|--|
| | | PER | CUSSIO | v. | | | · TIM | E. | |
| Direct-action, Marks I*, II, and III | 3 | 1*5572 115216 1115593 5788 | | R.M.L. 40-pr. and upwards. All rifled howitzers. B.L. 5-inch and upwards. R.B.L. 7-inch. See § 6740, List of Changes. | Sensitive, middle, Mark I | 21 | 5982 7046 7231 | Metal | R.M.L. 17·72-inch to 25-pr. B.L. 13·5-inch to 5-inch Q.F. 6-inch and 4·7-inch R.B.L. 7-inch and 40-pr. All |
| Pettman's G.S., Mark II | 5 | 6274 6740 7635 3200 | ,, | R.M.L. 12 (of 25 and 35 tons), 11, 10, 9, 8, and 7-inch, when firing full charges. | · - | | 7305 | | howitzers. All star shell. To be replaced, when existing stock has become exhausted, by middle time and percus- sion fuze, Marks I* or II. |
| R.L., Marks II, II*, III, III*, and IV | 7 | 112621 11*5270 1115270 | ,, | To become obsolcte as expended. R.M. L. 7-pr. common, 9-pr. to 80-pr. R.B.L. 40-pr. See § 5270, List of Changes: 7-pr. common, 9-pr. to 25-pr. To be replaced, | 30-seconds M.L., Mark I | | 3458 | Wood | by middle time and percussion fuze, Marks 1* or II. All crinance with which la-seconds M.L. is used, except 7-pr. shrapnel. |
| | | 111*7175 1V7175 7635 | | exhausted, by small percussion. For 25-pr. M.L. and 40-pr. R.B.L. common shell, the primer, R.L. percussion, | 15-seconds M.L., Mark | 41 | 4045 4684 4685 | ,, | R.M.L. 17.72 to 10.4-inch, 7-inch, 64, 25, 16, 9, and 7-pr., also 80-pr., 6 and 9-inch, studded. |
| Small, Marks III* and | 8 | 111*7230 1V7230 7635 | ,, | double shell. B.L. 12 to 50-pr. and 4-inch. This fuze will take the place of | 15-seconds M.L., special priming, Mark I 15-seconds, with deto- | Ì | 4686 | | All R.M.L. star shell, and 7-pr. double shell. R.M.L. 10 and 6 6-inch, 40 |
| Base, Armstrong, Mark | 9 | 7008 | ,, | of the latter is exhausted, except 40-pr. to 80-pr. R.M.L. 4-7-inch Q.F. (Cast-iron common shell.) | nator, Marks II and III | 15 | 4496 4685 5132 | ,, | and 13-pr., 80-pr., and 9-inch studiess, also studded with gas-check. R.B.L. 7-inch, 40, 12, and 9-pr. shrapnel. |
| 711 | 10 | 6038 7229 | ,, | 5.4-men. | | m | IME AND I | DED CITE | CION |
| Base, large, Mark I | 11 | 7635 8099 | ,, | for use in cast-steel common shell having | | | | | B.L. howitzers, 5-inch, 5.4-inch, and 6-inch, and for guns with which the middle sensitive time |
| Base, medium, Mark 1 | 12 | 8100 | ,, | pointed heads. B.L. and Q.F. guns, 12-pr. to 5-inch calibre (excepting 47-inch cast-iron common shell) for use in cast-steel common shell having pointed heads, and | 1 | | | | fuze is at present used, when existing stock of the latter has been expended. |
| Base, Hotchkiss, Marks 11, 11*, and 111 | | 115944 7009 11*8229 | ,, | paliser, and armour-piercing shells. 3-pr. and 6-pr. Q.F. shell. | Short, Marks II, II*, and III | 55 | 5574 5382 7176 7305 | ,, | R.M.L. 13-pr. and 2.5-inch. B.L. 4-inch to 12 pr., and 12-pr. Q.F., until stock is expended. To be replaced by Mark IV. |
| | | 1117490 8229 | | | | 56 | 7716 | ,, | 15-pr. and 12-pr. 6 cwt. |

R.L. II., III. and IV.

 $I_{8\,a}$ short fuze, with one safety pin, which is removed before $^{10\,8}$ hell is rammed home, it will act on graze or impact.

Small, Marks III,* and IV.

Is made of gun metal and is threaded throughout, except for Inade of gun metal and is inreaded through the plain and which is left plain and the first of 3-inch at the lower end which is left plain and the safety Superson of 3-inch at the lower end which the safety in diameter. It acts on graze or impact. The safety should not be removed until the moment of loading.

Base, Armstrong (Mark III).

The fuze, which is of manganese bronze, is screwed into the by means of the key fuze and plug Armstrong. The ad ap is then placed in the recess in the base, and pressed with a hollow drift; but on no account must the cap be with a hollow drift; but on no account mannered on or pressure be exerted on the centre of the head the fuze. It acts on graze or impact.

Base, Large, No. 11.

Inade of manganese bronze. The body is screwed outside, Made of manganese bronze. The body is all or R.M.L. will fit either the large or small adapter in B.L. or R.M.L. will fit either the large or sman anaport in solution shell; it acts on impact or graze, and requires no setting.

Base. Medium.

the material, construction, and action it is similar to the fuze heads per inch instead of nine.

Base, Hotchkiss (Marks II, II,* III).

he body of this fuze is of manganese bronze, screwed exterby body of this fuze is or manganese bronze, with a left-handed screw; the base is formed with a left-handed screw; the base is formed with a lection to take the key by which it is screwed into the shell. ets on impact or graze.

TIME FUZES.

The fuze composition, which consists of pit mealed power pressed into a ring or grove which runs round close to exterior of the fuze body, burns at the rate of one inch in two and-a-half seconds, and owing to a metal stop can only from left to right.

Sensitive, middle.

Is made of gun metal. The lower part is tapped to the gauge, and contains K.G. powder. The upper part contains time arrangement. The igniting composition is contained in pellet, which is retained in pellet, which is retained in position by the projections of the projection of th other pellets, which fit into a slot in the igniting pellet, and kept up to their work have kept up to their work by spiral springs. Opposite the detonation cap is a steel needle in the rim of the fuze, near the comment ment of the composition ring. A safety pin passes through retaining pellet.

discharge the centrifugal action causes the retaining pellet of the out, releasing the igniting pellet action of the ignition of the ignition of the ignition of the ignition of the ignin The safety pins are withdrawn at the moment of loading. fly out, releasing the igniting pellet, which flies out by cellife fugal force against the readle force. fugal force against the needle, firing the detonator, which ignificant the powder in the pellet and arising the detonator, which is the powder in the pellet and arising the detonator. the powder in the pellet and axial magazine, this latter light the quick-match in the semantic

The composition ring for the fuze is graduated from 0 to and the divisions are subdivided in and the divisions are subdivided into four, to increase accurrent in setting.

In general construction this fuze resembles the 15-seconds. L. fuze; it has however a slower M.L. fuze; it has however a slower burning composition and property in the powder channels; its marking beautiful and property in the powder channels. eight powder channels; its marking begins at 15 seconds, runs up to 30 seconds. No more of this seconds.

15-Seconds M.L.

This fuze has the composition channel in the centre, and is driven with a slow burning composition (7½ seconds per inch). There are six powder channels bored near to and parallel to the axis of the fuze, they are connected at the bottom by quickhads of the fuze, they are connected at the bottom of each laid in a groove and pressed into the bottom of each annel. It is graduated to quarter seconds, the figures 2, 2.5, &c., Are printed so that they may be read when the head of the fuze h thrinted so that they may be read when the holding it, the figures are at the wards the body of the person holding it, the figures are accurately one side of the side holes; and the side holes are accurately athinped and coloured yellow.

The fuze is lit by the flash of discharge igniting quick-match, which is wound round the head. This quick-match is protected is wound round the near. This quies the shell in the third by a copper band, which is torn off on placing the shell in the bore. This is called "uncapping" the fuze.

15-Seconds M.L. Special priming.

This fuze differs only from the above in having an additional himing of gun-cotton round the head of the fuze over the fidinary quick-match priming and fastened with tacks; a patch Waterproof paper is pressed down over the priming, and a The standard of thin copper and tape wrapped round the whole and becured by shellac varnish.

The head of this fuze is painted red, and the loose end or tip of the nead or time copper band white.

This fuze is used with star shell only.

15-Seconds with detonator (Mark III).

This fuze differs from the M.L. in being lit by a detonating hrangement in the head, held in safety by a pin; this is becassary in R.B.L. guns where there is no windage and also th R.M.L. guns 10-inch and under when using gas-checks, as hey tannot be lit by the flash of discharge.

The safety pin should not be removed until the moment loading.

FUZES, TIME AND PERCUSSION.

Middle

Are made of gun-metal. The lower part is screwed to 6 gauge and contains the percussion arrangement; the upper contains the time arrangement which consists of a composition dome and can be attack to the consists of a composition dome and can be attack to the consists of a composition dome and can be attack to the consists of a composition dome. ring, dome and cap; attached to the composition ring is igniting arrangement. The ring is graduated from 0 to 30, each graduation is divided into four so that the fuze can be to 4, 2, 3 or whole graduations with accuracy. The fuze w two safety pins, the upper for the time and the lower for percussion arrangement; both pins are withdrawn at moment of loading so that if the time portion has been set long the shell will burst on graze.

Short, Marks II.* and III.

Is similar in construction to the T and P, middle. The constitution ring is and 1. position ring is graduated from 0 to 18.

PREPARING FUZES.

Direct-Action, Marks I.* and II.

These fuzes require no preparation, except the removal to metal can: they are accountable to the removal to the metal can: the metal cap; they are screwed firmly into the fuze help fuze by The cap is fastened on to the head of two double bayonet joints, which enable the cap to be either in fixing or unfixing the fuze. The cap can be removed by bringing the centre of the large. by bringing the centre of the bayonet joints in line with studs on the side of the head of the fuze.

With B.L. and R.B.L. guns the cap will not be removed until just before entering the shall cap will not be until just before entering the shell into the breech.

With R.M.L. guns the cap will not be removed until after entering the shell into the muzzle.

Direct Action, Mark III.

These fuzes require no preparation, except the removal of the plugs; it is screwed firmly into the fuze-hole. The plug fits insh; it is screwed firmly into the fuze locality and it is removed before loading.

Pettman, G.S.

The fuzes require no preparation; they are simply screwed Irmly into the fuze-hole.

R.L.

These fuzes require no preparation, except the removal of these fuzes require no preparation, cases the fuze-hole; the safety pin; they are screwed firmly into the fuze-hole; brin. Primers are to be used with these fuzes, § 8807 (No. 7). They will be supported by the fuze with R.B.L. guns ill be screwed in before inserting the fuze. With R.B.L. guns the best will not be withdrawn until just before entering the strength of the the shell into the breech.

With muzzle-loading guns the safety pin will not be with-With muzzle-loading guns the sarety pm which awn until after entering the shell into the muzzle.

Smali.

Remove the safety pin.

B_{use} Armstrong, Base Large, Base Medium, Base Hotchkiss. N_0 preparation is necessary.

Fuze, Time, Sensitive, Middle.

The preparation of this fuze is identical with the T. and P. as Land preparation of this fuze is identical with the land of safety pins must be with-

Fuzes, Time, Wood.

These fuzes are of two descriptions, one has a detonator and to be used when the fuze cannot be lit by the flash of

discharge, as in R.B.L. guns, or in some M.L. guns when gas-check effectually stops the flash. There is a safety which must be withdrawn on loading.

The other is the M.L. fuze, and is lit by the flash of dischar igniting a quick match primer wound round the head. priming is exposed by uncapping the fuze on loading; this done by tearing off a copper band which protects the primile They are used with all R.M.L. guns, without gas-checks, and get for R.M.L. guns, without gas-checks, and get gas they have been local in the gas and get gas and g

for R.M.L. guns from 10.4-inch, upwards, with gas-checks.

These fuzes are prepared for any desired time of by boring through the side hole corresponding to the require

time into the composition.

When using the hook-borer, place the fuze in the hook of hook-borer in the proper position for boring the required help enter the bit into the side hole accurately, the fuze being grill to the bottom of the hook by placing the first two fingers roll the fuze, and the thumb against the outside of the hook is serw the bit home. When the boring is completed the should still have an even beging in the

should still have an even bearing in the curve of the hook. Unscrew, and when the bit is quite clear, remove the from the hook. The length of the bit is so regulated that, placed in the handle, it will enter sufficiently far into the north position when screwed down to the north screwed down t practed in the handle, it will enter sufficiently far into the position when screwed down to the shoulder. If the bit sile the become unserviceable, the handle must be detached from the hook and the tightening-screw unscrewed, the square hole in the hook being made for that purpose. Care must be taken substituting another bit, that it is properly placed in the handle and that the tightening-screw firmly presses when it for it has space he left between and that the tightening-screw firmly presses upon it, for if the space be left between the handle and the head of the bits the end will not enter a sufficient death into the state of the bits the

end will not enter a sufficient depth into the composition open borer should be occasionally examined and cleaned. The take tion of preparing the fuze and fixing it in the shell the on an average, about 15 seconds. on an average, about 15 seconds; with a little practice operations may be performed in a characteristic of the seconds.

These fuzes should be screwed into the fuze-hole by hand. nteg must never be struck with or against anything.

Fuze. Time, and Percussion, Middle, and Short.

To Fix the Fuze.—Screw it in by hand, then tighten it by Serting the point on the hemispherical arm of the key in the

hall hole in the circumference of the body of the fuze. To Prepare it as a Time Fuze.—Loosen the hexagonal cap on he top of the fuze by means of the key, and then turn the dome and collar of the fuze by means or the key, and which collar of the fuze together until the required graduation on the hooly and tighten the collar of the fuze together unon the required on the body, and tighten the collar coincides with the arrow-head on the body, and tighten the cap. This should be done before the removal of the safety

Withdrawing Safety Pins.—If required to act as a time and or the last in if the fuze is required to act as a constitution of the last in if the fuze is required backer safety pin should be left in; if the fuze is required back as a percussion one only, the upper safety pin should not removed, and the arrow-head should be set midway between Temoved, and the arrow-head should be set marray fuze is leg zero and the last graduation of the collar. If the fuze is hit fired the safety pins must be replaced, or if this is impossible the fuze destroyed.

When fixing fuzes in shells having a wad in the fuze-hole in the fixing fuzes in shells naving a war in the land to have necessary to remove the wad, as the explosion of the be lis sufficient to force it into the shell.

GAS-CHECKS.

GAS-Checks were first introduced to prevent the bores of heavy of an along the bore, especially s being scored by the rush of gas along the bore, especially the seat of the shot. (g.a.d.1)

They are used with all R.M.L. studiess projectiles (excell case shot) and with studded common, and Palliser for 9-in. all upwards; the 40-pr. common and shrapnel and 12.5-in. studd shrapnel are also fired with gas cheaks.

shrapnel are also fired with gas-checks.

The first pattern, Mark I. (now obsolete, though perhaps to met with at some out stations), were made with a smooth rill and were nutted tight on to the base. These acted well the violent L.G. powders but with the violent leads to the violen the violent L.G. powders, but with the slower P. powder the did not expand into the slower P. powder the did not expand into the slower P. powder the did not expand into the slower P. powder the did not expand into the slower P. powder the did not expand into the grooves. Mark II. was there introduced with projection introduced with projections on the rim. It was also nutted to the base but allowed to to the base, but allowed to revolve, so that the projection might not interfere with the loading.

It was soon discovered that rotation to the shell might imparted by the gas-check, and thus obviate the inconvenient of studs. The process of studs. The present pattern automatic gas-check was introduced for students. introduced for studless shell. It is loaded separately, excell with guns on H A manufacture. with guns on H.A. mountings, being firmly attached to the of the projectile on discharge, and as it takes the rifling of gun it imports not gun it imparts rotation to the projectile.

The gas-checks for the 40-pr. R.M.L. and 8-in. howited by 46cwt. have projections to fit into the grooves, and are fixed we means of a gun-metal plug, therefore the projections must aligned with the study on the projection. aligned with the studs on the projectile before nutting up.

The gas-check for the 6.3-in, howitzer consists of a salved aped piece of copper with shaped piece of copper with projections to fit into the ground and perforated at the rim with a few shaped provided and perforated at the rim with a few shaped perforated perforated perforated at the rim with a few shaped perforated perfor and perforated at the rim with a few holes. It has the collections to the rear, rotation being imparted to the shell projections on the means of radial projections on the gas-check, which fit of the shell projections on the gas-check, which fit of the shell projections on the gas-check, which fit of the shell projections on the gas-check, which fit of the shell projections on the gas-check, which fit of the shell projections on the gas-check, which fit of the shell projections on the gas-check, which fit of the shell projections on the gas-check, which fit of the shell projections on the gas-check, which fit of the shell projections on the gas-check, which fit of the shell projections on the gas-check, which fit of the shell projections on the gas-check, which fit of the shell projections on the gas-check, which fit of the shell projections on the gas-check, which fit of the shell projections on the gas-check, which fit of the shell projections on the gas-check, which fit of the shell projections on the gas-check, which fit of the shell projections on the gas-check, which fit of the shell projections on the gas-check projections of the gas-check pro corresponding grooves in the base. It is fixed by means of the hexagonal headed gun-metal place

There are, therefore, speaking generally gas-checks tudded projectiles, which must be attached to projectiles which must be attached to projectiles which loading, and automatic gas-checks for studless projectiles, which attach themselves on discharge

FIXING GAS-CHECKS.

Projectiles fitted with plug and nut.

Unscrew the nut and remove it, then apply the "Wrench page Plug" to the gas-check plug, and screw it well up in the

litetion of the arrow, to ensure its being well home. when unscrewing the nut, there is any tendency for blug to unscrew also, the "Wrench, base plug," should that once applied to the head of the plug and turned in the blug of the arrow, at the same time as the nut is being turned

Nection of the arrow, at the same place of the projectile, with the conplace the gas-check on the base of the projectile, with the conaverage the gas-check on the base, then screw the nut on to the we or unpainted side next the base of the projection, unpainted side next the base, then screw the nut on to the Mark of the plug with the "Spanner, gas-check nut." With dark II., + gas-check, plug and nut, the nut will be screwed to the shoulder on the plug.

Projectiles fitted with plug with hexagonal head.

hascrew the plug and remove it. place the plug and remove it.

Acave or unpainted side next the base (the saucer-shaped gaslecks or unpainted side next the base (the saucer-shaped gastecks for 6.3-inch howitzer with the concave surface to the rear), tert the plug and screw it well home with the spanner until it hids against the gas-check.

With gas-checks having projections for studded projections gas-checks having projections for studded projections With gas-checks having projections for studied passes that the projections are in the line of the study before that the projections are in the line of the study before that the projections are in the line of the study before th see that the projections are in the line or the seed wing the plug home; with the 63-inch howitzer shells see the gas-checks fit into the correthe radial projections on the gas-checks fit into the correhding grooves in the base before screwing the plug home.

the heads of the gas-check plugs, and the wrought-iron nuts, will each be stamped an armount of the gas-check plugs and the wrought-iron nuts, will each be stamped an armount of the gas-check plugs and the wrought-iron nuts, will each be stamped an armount of the gas-check plugs and the wrought-iron nuts, will each be stamped an armount of the gas-check plugs and the wrought-iron nuts, will each be stamped and armount of the gas-check plugs and the wrought-iron nuts, will each be stamped and armount of the gas-check plugs. an arrow to show the direction in which to turn, either when screwing in the check plug, or when screwing on the wrought-fron nut. All base plugs and gasthat have left handed threads to prevent them unscrewing during flight. hark l. is obsolete. (g.a.d.1) g 2

Projectiles fitted for "Gas-checks, automatic."

These gas-checks become fixed to the projectile when gun is fired. They are loaded separately, except with guns H.A. mountings, when they are nicked on before loading.

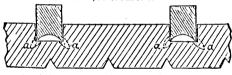
AUGMENTING STRIPS.

Augmenting strips are strips of pure copper of rectangular

section, and grooved on one side.

They are intended for use with B.L. projectiles in cases what the rilling of the gun has, owing to firing, become so worn the the gun ceases to properly rotate its projectiles. Their length varies with the calibres, being marked for the nature of with which they are intended to be used.

Scale, twice full size.



They are fixed by means of a special steel chisel (\$ 5,580) which will be supplied for the purpose, and a hammer, V. shape grooves are cut in the bottom angles of the upper cannel with shown by the dotted lines, a a, in the sketch, except will projectiles marked U on driving hand the sketch, except will be a supplied to the sketch. projectiles marked U on driving band, the augmenting strip then placed in the cannelure, grooved side downwards, hammered round the shell until the

When the gun is further worn and one strip is found to the sufficient, two may be used. insufficient, two may be used; the second being secured in lower cannelure.

B.L. guns which are so worn that augmenting strips in the strip in the strips in the strips in the strip in the strips in the strip i necessary will be marked as follows: A white ring 3 inches

external diameter and 1/4 inch thick will be painted on the breech when one augmenting strip is required. A second concelline ring will be painted inside the first if two augmenting strips are used. The rings will be painted on the upper left land surface of the breech: position "left of up."

WEDGE WADS.

Wedge wads.—Two sizes of wedge wads are issued. They both collected by a piece of cane; the the ger is for use with 9 inch guns and upwards, the other for figure 1s for use with the pr., 80-pr., and 7-inch guns. Their use is to prevent the projectile from shifting when

tulling the gun up. They are employed with all R.M.L. guns mounted on sliding or Mey are employed with an it. Bi. II. guns mounted on garages, and 64-pr. R.M.L. when mounted on

garrison standing and rear chock carriages.

TIN CUPS.

 Γ_0 prevent, as far as possible, the escape of gas on discharge in h D Prevent, as far as possible, the service, practi

the 7-inch and With service, practice, and exercise 40-pr. side closing ammunition.

With practice ammunition.

Pach cup may be used until it loses its shape.

They are placed against the cartridge with the edge to the they are placed against the cartridge with the Eugen An extractor is provided, by which to withdraw them

PRIMERS.

Shrapnel Shell.—Are used for all shrapnel shell having their rating charge in the base, to convey the flash from the fuze the bursting charge, and consist of a gun-metal cylinder filled

with powder, tapped at the top to screw into the pipe of the shell. They are drawed into shell. They are dropped into the shell, and, by means of

screwdriver, screwed tightly in. Vent Piece.—Are used with the 7-in. and 40-pr. R.B. (except side-closing) and consist of a cylinder of leather part driven like a tube, with three strips of red worsted attached

the exterior. To prime, the primer is pressed into the worsted end first—Dummy primers are issued for purposes. purposes.

Vent B.L.—Is made of brown paper filled with fine gard powder, and is intended for use with 9 2-in. B.L. guus upwards when missing compared to upwards when missires occur with vent sealing tubes (with ball) Marks I and II.

Cartridge Q.F. Electric.—Is made of manganese bronze ball) Marks I and II. form and dimensions to screw into the cartridge, the end be screwed to take the ignition for screwed to take the igniter for cordite charges. Filled cartrill are issued with primers in. Spare primers are packed 10 in tin cylinder. tin cylinder.

PROJECTILES THAT MAY BE FIRED WITH FULL CHARGES

All R.M.L. studless, except 17.72-in. iron common shell and se shot. The R.M.L. studless, except 17.72-in. case shot. The R.M.L. studded projectiles 7-inch and up and that may be fired with full characteristics. that may be fired with full charges are :—All Palliser, in the 12.5-in, 9-in. (Mark VI) the 12.5-in., 9-in. (Mark VI), and 7-in. common; the 12.5-in, shrapnel and all studded and 7-in. shrapnel and all studded common (except 12 in, 35 ton) have not been altered to take All other R.M.L. shells, 7 in. and upwards, will be fired duced charges. have not been altered to take gas checks.

reduced charges.

AMMUNITION FOR Q.F. GUNS.

The ammunition for 3-pr. or 6-pr. Q.F. guns, differs fron the or other guns in being what is a W.F. for other guns in being what is called fixed ammunition, the charge, projectile and property of the charge. is the charge, projectile and means of ignition are all coutains

one metal case as with small-arm ammunition. This arhangement is, however, limited by considerations of weight, of difficulties of attachment of shell to cartridge case, and, for convenience in loading, with the 12 pr. the 47-in. and the 6-in. the projectile is not contained in the case.

The Q.F. guns at present in the service are the 3-pr. (Hotchkiss had Nordenfelt), the 6-pr. (Hotchkiss and Nordenfelt), the 12-pr., the 47-in., and the 6-in.

For the 3-pr. and 6-pr. there are for each nature cartridges the 3-pr. and 6-pr. there are for each matures are issued with ming iron shells and steel shells. Both natures are issued hith the shells filled and fuzed.

tarlier patterns of iron shell were issued filled with salt and

They are marked with a yellow band. They are marked with a join of the percussion cap in the above cartridges is protected by a hand percussion cap in the above curringes to removed when the carry clip fitting over the base. This clip is removed when the Cartridges are brought up to the gun.

Cartridges are interchangeable with the Hotchkiss and

Nordenfelt Q.F. guns.

The fuze used with the 3-pr. and 6-pr. projectiles is the

Motch kiss base percussion fuze. damaunition for Q.F. guns, 12-pr. and upwards, differs from above in having the charge and projectile separate from the above in having the charge and projection services of the cartridge case is fitted there. These guns can be area events to be retained to be be the cartridge case is fitted to be a supported to the cartridge case is fitted to be a supported to the cartridge case is fitted to be a supported to the cartridge case is fitted to be a supported to the cartridge case is fitted to be a supported to the cartridge case is fitted to be a supported to the cartridge case is fitted to be a supported to the cartridge case is fitted to be a supported to the cartridge case is fitted to be a supported to the cartridge case is fitted to be a supported to the cartridge case is fitted to be a supported to the cartridge case is fitted to be a supported to the cartridge case is fitted to be a supported to the cartridge case is fitted to be a supported to the cartridge case is fitted to be a supported to the cartridge case is fitted to be a supported to the cartridge case is fitted to the cartridge case is fitted to be a supported to the cartridge case is fitted to be a supported to the cartridge case is fitted to be a supported to the cartridge case is fitted to be a supported to the cartridge case is fitted to be a supported to the cartridge case is fitted to be a supported to the cartridge case is fitted to be a supported to the cartridge case is fitted to be a supported to the cartridge case is fitted to be a supported to the cartridge case is fitted to be a supported to the cartridge case is fitted to be a supported to the cartridge case is fitted to be a supported to the cartridge case is fitted to be a supported to becausion striker, and the base of the caroning traceive either an electric primer or an adapter containing vent sealing percussion tube.

The scaling percussion tuce.

On Projectiles for the 4.7-in are armour-piercing shell, The projectiles for the 47-in are armour-precions and common shell (for practice until existing stock is used up), ommon snen (

The Projectiles for the 6-in. Q.F. are armour piercing shot ahell and common shell.

The common shell are filled through the base with P. common shell are filled through the base with P. de Common shell are filled through the Common shell are filled through the Bag, primer filled the Common shell are filled through the head of plug or drams" being used. A lead cap fits over the head of plug or

fuze when screwed home to seal the recess between the metal, the shell and the fuze or plug. This cap is pressed home means of a hand lever press supplied for the purpose. It is to be hammered and the hollow drift supplied must be placed, the cap to prevent any pressure commenced. the cap to prevent any pressure coming on the centre of the head the fuze.

When plugs are used instead of fuzes the cap will be stamped in the latter P. with fuzzed

with the letter P, with fuzes the cap is not marked.

The fuze used is the "Base Percussion Armstrong," for futile Base Mading Mark T use Base Medium Mark I.

The charge for 12-pr. Q.F. is 1 lb. 10 oz. cordite, size The projectiles are armour-piercing shell, and cast steel completell: sheared shell (12 - P. P.) shell; shrapnel shell (12-pr. B.L.) and case shot (12-pr. B.L.) may be used. The fuzer product of the case shot (12-pr. B.L.) may be used. The fuzes used are the Hotchkis: base percusard Time and Percusard and Time and Percussion, short, Mark III; for future use Medium Mark I and Time and Percussion Mark IV.

charges are of cordite of the sizes suitable for the different gunters for 3 and 6-pr. Q.F. are contained in shalloon bags the attached to the base of the charges. Cordite Cartridges have been introduced for Q.F. gunsattached to the base of the charges. In the heavier natures, is igniter is contained in a varnished paper cylinder, which attached to the primer. attached to the primer. A later pattern is being introduced the above it is attached. supersede the above; it is attached to the charge, not to primer, and is contained in a shared

Cartridges for 3-pr. and 6-pr. Q.F. guns must not be store into the same place as gunpowder, whether in bulk, made up 10 cartridges, or in shells, nor in the cart cartridges, or in shells, nor in the same magazine as any kind of explosive.

As these cartridges contain their own means of ignition grains re should be taken in handling the care should be taken in handling the boxes and cases contains them.

Cartridges for the higher natures of Q.F. guns will be treaker regards storage in the same want. as regards storage in the same way as ordinary gun cartridges.

Note.—Instances having occurred where Q.F. guns have been Note.—Instances having occurred where v.r. same held with cracked cartridges, which is a source of danger, all minimition for these guns should be carefully examined before bading. Cartridges which show any signs of splits or cracks are not to be fired.

EMPTY Q.F. CARTRIDGES.

Empty cartridges will always be cleaned as soon as possible the firing. The fired cases should be immersed and well washed helean fresh water, which should, if the cartridges have been to the gallon. They fred with cordite, contain $\frac{1}{2}$ oz. of roda to the gallon. They with cordite, contain \$ 02. 01 roun to the should then be rubbed inside and out with a mop, formed by a bless then be rubbed inside and out with a mop, formed by a bleed then be rubbed inside and out with a more, where and when of rag tied to the end of a stick, rinsed in clean water and which cartridges which liped perfectly dry. Soda may be used with cartridges which ave been fired with powder, but it is not essential in this are Nhen perfectly dry they will then be repacked in the hoxes When perfectly dry they will then be repaired to store, the cline in which they were supplied, and returned to store, the ches in which they were suppried, and recommended by being replaced on those cartridges which take them.

Sibeing replaced on those cartridges which take them.

Fired cartridges are not on any account to be repacked in the containing unfired ones.

An D. Cartridge case, which An R is stamped upon every refilled Q.F. cartridge case, which the stamped upon every refilled process. "rectified," and a puncture mark made for each time Tefilling.

Disposal of Q.F. Cartridges which Miss-Fire.

OF cartridges which miss fire at percussion firing, will, if k cap or tube has been struck, be destroyed as soon as has or tube has been struck, be desarryed at Shoebury-Where they will be returned to Woolwich.*

^{*} Authority 57 | Straits Scitlements | 3009.

Section V.-Sights, &c.

SECTION V.—SIGIITS, &c.

SIGRTS FOR R.M.L. GUNS.

R.M.L. guns are (generally speaking) provided with the $\inf_{0 \in \mathbb{N}} g$ sights :—

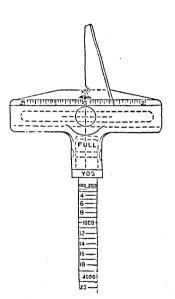
(a.) Fore sights.

(b) Tangent sights.

(a) All fore sights of R.M.L. guns on garrison mountings up the 12.5-inch are of the "drop pattern." They are provided bying. The sights are "lett" and a sighting blade, to facilitate the sight of the sight are "lett" and "right" respectively, and are stamped, the vertical edge of the sighting blade being turned wards in each case when the sight is in position in the

(b) Tangent sights are bars of steel, rectangular in section here to be bronze crossheads furnished with deflection leaves. They he hade "left" and "right" respectively, and are so stamped. Let vertical edge of the sighting blade is turned inwards in case when the sight is in position in the gun, so as to love. They are graduated in yards and degrees on the front test, and fitted with range strips graduated in yards on the rear

Section V.-Sights, &c.



TANGENT SCALE FOR 10" R.M L. GUN.

^{*} The apparent paradox of more elevation being required for 100 yards than to 200 yards is due to the fact of the line of sight being so much above the axis of the gun owing to the great thickness of metal of the gun.

Section V .- Sights, &c.

SIGHTS FOR B.L. GUNS.

B.L. guns mounted on garrison mountings are provided with (enerally) two foresights and two tangent sights. The foresights are of the pattern described for R.M.L. guile foresights are of the pattern described.

The tangent sights are steel bars triangular in section (etc.). The tangent sights are steel bars triangular in section. On The tangent sights are steel pars triangular. the that of the 6-in., Mark II., which is rectangular). the front face is a degree scale, and a rack which gears with the Kilon face is a degree scale, and a rack which generally with the automatic clamp. The rear face is fitted with The crushead is fitted with a the corresponding M.V. The crosshead is fitted with a the corresponding M.V. The crossnead is accounted by a screw capable of giving 2° deflection leaf, worked by a screw capable of giving 2° deflection leaf, worked by a screw capable of giving 2° deflection by the corresponding M.V. Kilt and left. This leaf has a sight blade similar to those for M.L. guns.

SIGHTS FOR R.B.L. GUNS.

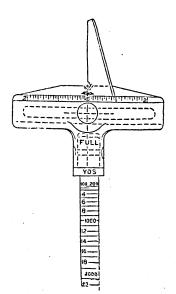
All R.B.L. guns are sighted on both sides, having two foreights, and two tangent sights. The foresights for these guns are of the "hogback" pattern, hare either screwed into the gun, or attached on the drop Attache either screwed into the gun, or attached of the foresights for the house found (bayonet joint) principle, similar to the foresights for the 7-in. of ther (bayonet joint) principle, similar to the following to the 7-in. of towt, and a few 7-in. of 82 cwt. The tangent sights are, generally speaking, steel bars, rect-Sular in section, but for the 7-in. of 72 cwt., and for a few h, of 82 cwt., the bar is hexagonal in shape, and made of guntal. tal On those sights of the 7-in. R.B.L., which are rect-Sular in section, range strips, similar to those on R.M.L. sent sights, have been fitted, but as on the bronze hexagonal hts strips. the this cannot be conveniently carried out, yard scales are this cannot be conveniently carried out, just strips.

These are of various patterns, particulars of which will be and in the handbooks of the respective guns.

PART I .- Instruction.

108

Section V.-Sights, &c.



TANGENT SCALE FOR 10" R.M L. GUN.*

^{*} The apparent paradox of more elevation being required for 100 yards than 200 yards is due to the fact of the line of sight being so much above the axis gun owing to the great thickness of metal of the gun.

Section V.-Sights, &c.

SIGHTS FOR B.L. GUNS.

B.L. guns mounted on garrison mountings are provided with (and guns mounted on garrison mountagent sights, and two tangent sights, wattern described

The foresights are of the pattern described for R.M.L. the foresights are of the pattern described. The tangent sights are steel bars triangular in section (electric triangular). On The tangent sights are steer wars unangular. On the first that of the 6-in., Mark II., which is rectangular). On that of the 6-in., Mark 11., which is recommended that of the 6-in., Mark 11., which is recommended to the front face is a degree scale, and a rack which gears with the thout face is a degree scale, and a rack which gotten with the automatic clamp. The rear face is fitted with the force full charge, and stamped things strip graduated in yards for a full charge, and stamped this strip graduated in Yards for a full charge, and stamped the grosshead is fitted with a the the corresponding M.V. The crosshead is fitted with a the corresponding M.V. The crossnead is have the corresponding M.V. The crossnead is have the corresponding to the corresponding to those for the corresponding to the correspond thit and left. This leaf has a sight blade similar to those for L. guns.

SIGHTS FOR R.B.L. GUNS.

Collar R.B.L. guns are sighted on both sides, having two fore-

The foresights for these guns are of the "hogback" pattern, are either screwed into the gun, or attached on the drop similar to the foresights for then (bayonet joint) principle, similar to the foresights for then (bayonet joint) principle, similar to the foresights for supplied to the 7-in. of

then (bayonet joint) principle, similar to the foresignts are supplied to the 7-in. of the 1 and a few 7-in. of 82 cwt. he tangent sights are, generally speaking, steel bars, rect-

the tangent sights are, generally speaking, seen bats, speaking in section, but for the 7-in. of 72 cwt., and for a few that in section, but for the 7-in. of 72 cwt., and made of guntary in section, but for the 7-in. of 72 cwt., and made of guntary in the section of the first secti of 82 cwt., the bar is hexagonal in shape, and made of gun-On those sights of the 7-in. R.B.L., which are rect-On those sights of the 7-in. R.B.L., which are following in section, range strips, similar to those on R.M.L. Sular in section, range strips, similar to those on research sent sights, have been fitted, but as on the bronze hexagonal travel on the surfaces of the bars in place of these strips.

Sights for Q.r. AND proceedings of which will be in the handbooks of the respective guns.

AUTOMATIC SIGHTS.

Designs of these sights have been approved for the variant Q.F. guns in the Land Service, also for 9.2-in. B.L. Mark on barbette mountings. They are suitable for sea fronts only. For description and sketch, see Appendix I.

SPECIAL SIGHTS.

For the description of special sights, such as centre sight reflecting and chase sights, the handbooks of the various gub which are fitted for them which are fitted for them must be consulted.

SIGHTING BLADES.

All 6-inch B.L. guns and upwards, and R.M.L. guns 9-in to 12.5-inch when mounted on sea fronts have their foresign and tangent sights furnished with vertical sighting blades with straight edge inwards of a backtrian straight edge inwards, of a height corresponding to a 1000 vards on the media to the manufacture of the media to the media length of 1000 yards on the yard scale (see figure on page alles They are for use in conjunction with the hydroclinometer, interplate, multiplier or approximately plate, multiplier or any similar means of giving elevation, with firing at a moving target. When using the sighting blades the tangent sight should be closed tangent sight should be clamped about 1000 yards less than estimated range if the target about 1000 yards less than estimated range about 1000 yards less than es estimated range if the target is approaching, and at the punated range if receding, and by this means the gun can laid for line at any time described by the second laid for line at any time during the period the range alter 1000 yards without any possessing the period the range aight 1000 yards without any necessity for shifting the tangent sight

REMOVABLE RANGE STRIPS.

The tangent scales of all B.L. guns and of all R.M.L. gunt inch and upwards, and 7 inch and upwards. 9-inch and upwards, and 7-inch, 80-pr., 64-pr. of 64 and 71-ext

R.B.L. 7-inch* are to have all scales removed, excepting the Tree scale, and to be fitted with a removable range strip, advated in yards for a full charge on the rear face.

INDEX PLATES AND READERS

Index plates and readers are fitted to all R.M.L. guns 9-inch dex plates and readers are fitted to all R.M.L. guns of the light of 25 tons, and B.L. 8-inch Mark VII., 9.2-inch of 12-inch of 12-inch; IV., and 12-inch; with the 12-inch of 35 tons and the light of ry inch R.M.L. the elevating arc is graduated. They are theh R.M.L. the elevating are in grand displayed for 10° of elevation and 6° of depression.

a linch R.M.L. to 12-inch of 25 tons (except 10 4-inch) and high B.L. Mark VII., 9 2-inch, Mark IV., and 12-inch have a nd B.L. Mark VII., 9.2-men, Mark IV., and IZ.

urge and due correction made for height of the axis of the gun hive mean tide level.

In the case of disappearing mountings the elevating arcs are redulated in degrees and fitted with yard scales.

ELEVATION INDICATOR.

Generally fitted to B.L. mountings. It consists of a cirhardisc keyed to a small pinion shaft which is actuated by the disc keyed to a small pinion snart which is the bound of the devating arc; a reader with zero by the place fixed to the elevating arc; a reader with zero by the place words of range corrected by lied piece fixed to the elevating arc; a reader with the provided. Degrees, and also yards of range corrected leight above mean tide are marked circumferentially.

HYDRO-CLINOMETER.

The instrument consists of a glass tube, partially filled with a

With bronze sight bars hexagonal section this cannot be conveniently carried they will have the yard scale engraved on the rear face.

red or green coloured fluid, and encased in an oblong iron which is rigidly attached to the right to which is rigidly attached to the right trumion. The from the box is filled in with mahogany, which is cut away to expose a portion of the tube. to expose a portion of the tube. A range scale in yall corrected for height above mean tide level, is marked on a printing above the tube, and the elevation is indicated by coincidence of the upper portion of the end of the column with any particular graduation. The plate is also marked with the muzzle velocity charge and with the muzzle velocity, charge, and weight of projectile.

To test the adjustment of a hydro-clinometer.—On the scale every hydro-clinometer is marked, independently of the yall word "level," or a number of defendance of defendan

word "level," or a number of degrees such as 1°, 2°, &c. Set a large Watkin clinometer to this angle (having previous ade sure of its proper adjusted made sure of its proper adjustment), and place it on the connecter plane of the gun. Elevate or depress until the bubble. the Watkin clinometer is in the centre of its run. The portion of the end of the liquid in the hydro-clinometer ships then be exactly opposite the arrow head. If it is not the screws must be slackened, the hydro-clinometer adjusted the liquid comes to the might be slackened. the liquid comes to the right position. The screws are native tightened again and the liquid to the right position. tightened again, and the hydro-clinometer again tested to ensure that it has not moved during the that it has not moved during the screwing up.

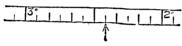
MULTIPLIERS.

Multipliers are designed with the object of facilitating ading of small variations reading of small variations of quadrant elevation by the ting numbers of the grant ting numbers ting numbers of the gun. The present service multiplication by the engine consists of a cast-iron have consists of a cast-iron box fixed to the carriage. In the it or one side of the case, is an aperture, having across an reader, behind which is a tape graduated with a range scale the rolled on a drum. The internal mechanism is so arranged but every alteration made in the every alteration made in the elevation of the gun causes about three times that movement and the state of the gun causes three times that movement on the tape.

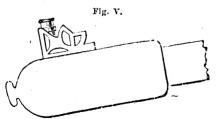
WATKIN'S CLINOMETER.

marked the Angles marked on the Drum.—The brass drum is bottled in degrees, commencing at 0° on the top, to 45° at the division. Each degree is subdivided into 12 parts, each small The scale is read from right to left, thus—

Fig. 1V.



The reading opposite the arrow would indicate an angle of To lay a Gun to any Angle up to 45°.—Unscrew the drum this the height place the clinemeter,



the plane surface cut on the breech, and elevate the piece to the bubble of the spirit-level is in the centre of the tube.

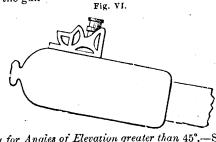
| (g, n, d, 1) | H

114

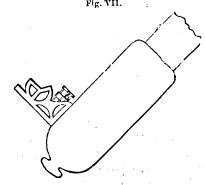
PART I .- Instruction.

Section V.-Sights, &c.

reverse the direction of the instrument, placing it thus on the breech of the grown breach of the gun-Fig. VI.



To lay for Angles of Elevation greater than 45°. - Subtract angle of elevation required from 90°, unscrew the drum to reading; thus, for 60°, unscrew the drum to 30°, and place instrument on the breech of the gun, thus-Fig. VII.



Preservation and Adjustment of the Instrument.-In order b Preserve the Clinometer in efficient working order, it is hecessary to keep the working parts free from grit and dust as far as possible. As excess of oil is apt to cause the adhesion of git only sufficient is to be applied to make the screw work only sufficient is to be a parts from rusting.

On no account should the instrument be taken to pieces, as it

Thires special tools to put it together again.

Instruments are issued in correct adjustment, and with due are will remain correct for many years.

To ascertain if the instrument is in adjustment—

(a) Carefully clean the plane surface cut on a gun for use with the Clinometer.

(b) Turn the drum to zero. (c) Place the instrument on the plain surface and elevate or depress the gun till the bubble is in the centre of its

run (d) Turn the Clinometer end for end.

(e) Should the bubble not return to the centre, the instrument is out of adjustment.

(f) As the amount of the error will generally be small it is advisable to add or subtract the error, as the case may

be, rather than correct the adjustment.

(9) To ascertain the error after complying with (d), turn the drum until the bubble is again in the centre of its run; one half the reading on the drum is the index

error. (h) If the reading falls on the black markings on the drum, add half the amount when setting the Clinometer for

any required elevation. (i) If the reading falls on the red markings on the drum,

subtract half for any required elevation. it is required to adjust the Clinometer to have no index (g.a.d.1)

error, set the drum to half the ascertained index error, a bring the bubble to the centre of its run by manipulating capstan-headed nuts (using a tempered steel wire just fitt

the holes in the nuts). Then placing the drum at zero, elev or depress the gun till the bubble is in the centre.

Reversing the instrument end for end should not alter. central position of the bubble; should it do so, proceed before until there is no change.

 $\delta E_{ ext{CTION}}$ VI.*—CARE OF ARMAMENT AND STORES.

^{ORDNANCE}, CARRIAGES, SLIDES, &c., GENERALLY.

l. Tools for the repair of ordnance, as also for wrought-iron drision carriages and slides, are allowed to all stations as of the accountant of the sub-district in which they are kept, for will be maintained in serviceable condition, and be available use by armament artificers when required, for carrying out repairs, &c.

With Jordnance, carriages, slides, and stores connected theresposed to the weather, will be cleaned and painted biennially;

repairs, &c.

? All ordnance, carriages, slides, and stores connected theres, forming the armament of fortresses, and projectiles but should it be found on inspection that when mounted on the faces of works they are in a bad state from exposure to the hipping, they will be cleaned and painted every year, and sener if considered necessary by the Officer Commanding and Artillery; on this point, considered as a question of spense, a sound discretion will be exercised.

relies, a sound discretion will be exercised.

3. Before the periodical painting of ordnance, carriages, and he services of the Armament Artificers to examine and thoroughly he had the gun mountings. This examination will be carried he in the district

Detailed information, further than what is contained in this Section 6, will und in the equipment and magazine regulations.

4. All spare parts held on charge by the R.A. should be fitted to the ordnance, carriages, &c., for which they are intended, that no delay may occur when they are required for officers, N.C. officers, and men should be frequently practise in fitting spare parts.

CARE AND PRESERVATION OF ORDNANCE AND THEIR FITTINGS

I.—General Instructions.

5. All ordnance, whether breech-loading, muzzle-loading, quick-firing, will be kept in good preservation, the exterior being protected from the effects of the atmosphere by a sufficient coating of paint, and the bore by being lacquered when not constant use, or by being well cleaned and oiled during practice

6. Before the working parties commence work, the ordnand will be dismounted and placed on skidding, in such a position as to admit of the as to admit of the exterior and interior of the piece being

thoroughly well cleaned.

7. In cases where, from the nature or position of the work, may not be deemed advisable to dismount the pieces, they will be raised out of their transit. be raised out of their trunnion holes to a sufficient height to admit of all parts of the gun being thoroughly scraped and cleaned;

8. Dismounting, placing on skidding, raising out of trunding, les, and mounting and results and mounting and holes, and mounting ordnance in charge of the Royal Artillers, form part of the duties of Artillery soldiers, for which working pay is not allowed, and should, when practicable, be performed independently of the

independently of the working parties. 9. Ordnance will be scraped on the exterior (the scrapers of d swords supplied for the scrapers of the scraper old swords supplied for the purpose being previously sharpened) until the old paint and all rust which may appear beneath he are entirely removed. are entirely removed; the sight notches and all marks will completely classed out are sight notches. completely cleaned out and rendered distinct, and the ordinate will afterwards be read to the conditions of the conditio will afterwards be wiped over with a piece of old canvas or cloth.

10. The radial copper vents will be cleaned with the vent-

The exterior of the piece will be painted with two coats of Line exterior of the piece will be possible until the first coat half thoroughly set, and as, in the process of mounting the ordhattoroughly set, and as, in the process of mountain the paint gets much rubbed, the second coat should be wen, when possible, after the piece has been mounted.

Guns and mountings will, where necessary, be painted in though to harmonise with the surroundings of the work (which be similarly painted), with the view to lessening their

13. The paint to be used will be in accordance with the Scription approved for the several stations and works. For portion approved for the several stations and painting, and portions for each piece, necessary tools for painting, and painting, see orking pay allowed for scraping, cleaning, and painting, see pinent Regulations.

The bores of all ordnance, when not in use, will be be bores of all ordnance, when not in use, will be livered; but when in frequent use they will be kept clean all slightly oiled instead. At the close of each day's practice slightly oiled instead. At the close or each days purchased will accordingly be washed out and placed under metal and soon as dry will be oiled with a greasy sponge (a sponge cloth and the muzzles closed with hoon as dry will be oiled with a greasy sponge (a sponge of the over a piasaba brush), and the muzzles closed with bractice for the year is over, over a piasaba brush), and the muzzles closed with peons or caps. When the practice for the year is over, bores will be lacquered,* the vents plugged, and the parts about the breech of B.L. and R.B.L. guns dealt be a parts about the Breech of B.L. and R.B.L. guns dealt be a parts about the breech of B.L. and R.B.L. guns dealt the parts about the breech of B.L. and B.D.L. guine and all directed in paragraph 283, Equipment Regulations, and the fittings, as directed in has directed in paragraph 283, Equipment negutations, as directed in breech screws, ventpieces and all other fittings, as directed in a few minutes breach screws, ventpieces and all other nttings, as uncertainty and the property of the lacquer can be removed in a few minutes of the lacquer can be removed in a few

the lacquer consists of-Lead {black red ... 24 lb. 8 ez. Lamp black... 6 , 12 , ... Oil, linseed, raw 12 ,, ••• 9 gallons. •••

15. It is the duty of the Royal Artillery to keep in perfect der the bores of all only order the bores of all ordnance in their charge, and working I is not granted for this service.

16. In the case of ordnance having gas escape channels, latter will always be kept clear, the outer ends being mere stopped with plugs of greased tow when the guns are not in 115

2. Preservation of Sights.

17. When mounted in exposed positions, or in batteries accessible to the public unguarded by sentinels, all the significance pattern fore-sights of R.B.L. guns) will be renief from the ordnance and kept in store, the sight recesses in guns being filled with a place. guns being filled with a plug of greased tow to keep out the and dirt. These plugs can be readily removed when it is require to fit the sights to the ordnance. Particular attention will paid to the prevention of rust or will a sight of the prevention of rust or will a sight or will be a sight of the prevention of rust or will be a sight or will be a sig paid to the prevention of rust or grit accumulating in the greesses.

18. The set-screw for clamping the centre hind-sight, ji being removable from the socket, will be tested to see that works freely. works freely.

19. The sights themselves will be kept clean, free from gard doiled: the sliding loof as well as and oiled; the sliding leaf, as well as the collars of the sights, should have free relationship.

sights, should have free play.

20. The exposed portions of the sights of rifled ordnance to conzed if made of compatal and sights of rifled ordnance to conzed if made of compatal and sights of rifled ordnance to conzed in the conzequence of conzequence of the conzequence bronzed if made of gunmetal, and blued if of steel, in order preserve them from corresion and preserve them from corrosion, and on no account will these public cleaned or burnished in such a manner as to remove in bronzing or blueing. The screw pattern fore-sights of R.B.L. guns will be kept painted. In the case of sights for ordnance, the fore-sight, is kept pointed. ordnance, the fore-sight, is kept painted as well as the place which is used with the bind will which is used with the hind-sight on guns and carronades tangent scale sights are board. tangent scale sights are kept clean and oiled, and should on account be polished account be polished.

3. Preservation of Fittings.

21. The breech-screw and bright parts of B.L. and the hechanism of quick-firing guns in store, or mounted where weld used, will be coated with the grease detailed for that phose in the table at pages 534 and 535, Equipment Regulations When R.B.L. guns are not in use, the vent-piece, event when the fittings, except the breech-screw and elevating and all the fittings, except the breech-screw and elevating and laid up in store. In the case When R.B.L. guns are not in use, the vent-piece, breech-R.L. guns all fittings except the breech-screen which the case B.L. guns all fittings excepting the bronze frame will be moved. 23. The muzzles of guns and howitzers—as also the breech The muzzles of guns and nownzers—as the dot of the bores of R.B.L. guns—will be stopped with tampeons, and the bores of R.B.L. guns—will be stopped with tampeons, and the bores of R.B.L. guns—will be stopped with tampeons, and the bores of R.B.L. guns—will be stopped with tampeons, and the bores of R.B.L. guns—will be stopped with tampeons, and the bores of R.B.L. guns—will be stopped with tampeons, and the bores of R.B.L. guns—will be stopped with tampeons, and the bores of R.B.L. guns—will be stopped with tampeons, and the bores of R.B.L. guns—will be stopped with tampeons, and the bores of R.B.L. guns—will be stopped with tampeons, and the bores of R.B.L. guns—will be stopped with tampeons, and the bores of R.B.L. guns—will be stopped with tampeons, and the bores of R.B.L. guns—will be stopped with tampeons, and the bores of R.B.L. guns—will be stopped with tampeons and the bores of R.B.L. guns—will be stopped with tampeons and the bores of R.B.L. guns—will be stopped with tampeons and the bores of R.B.L. guns—will be stopped with tampeons and the bores of R.B.L. guns—will be stopped with tampeons and the bores of R.B.L. guns—will be stopped with tampeons and the bores of R.B.L. guns—will be stopped with tampeons and the bores of R.B.L. guns—will be stopped with tampeons and the bores of R.B.L. guns—will be stopped with tampeons and the bores of R.B.L. guns—will be stopped with tampeons and the bores of R.B.L. guns—will be stopped with tampeons and tampeons and tampeons and tampeons and tampeons and tampeons are the bores of R.B.L. guns—will be stopped with tampeons and tampeons are the bores of R.B.L. guns—will be stopped with tampeons and tampeons and tampeons are the bores of R.B.L. guns—will be stopped with tampeons and tampeons are the bores of R.B.L. guns—will be stopped with tampeons and tampeons are the bores of R.B.L. guns—will be stopped with tampeons and tampeons are the bores of R.B.L. guns—will be stopped with tampeons and tampeons are the bores of R.B.L. guns—will be stopped with tampeons and t dit the bores of R.B.L. guns—win be supposed in use do not hand lose of mortars when in use (mortars not in use do not hand lose) hand with the coins those of mortars when in use (mortars now in the coins the caps, as they can be laid horizontally with the coins the caps, as they can be laid horizontally with the coins the caps, as they can be laid horizontally with the coins the caps, as they can be laid horizontally with the coins the caps, as they can be laid horizontally with the coins the caps, as they can be laid horizontally with the coins the caps, as they can be laid horizontally with the coins the caps, as they can be laid horizontally with the coins the caps, as they can be laid horizontally with the coins the caps, as they can be laid horizontally with the coins the caps, as they can be laid horizontally with the coins the caps, as they can be laid horizontally with the coins the caps, as they can be laid horizontally with the coins the caps, as they can be laid horizontally with the coins the caps. while caps, as they can be laid horizontary with the caps, as they can be laid horizontary with caps to keep out moisture; and vent blue and R.M.L. ordnance. blugs will be used with mounted R.B.L. and R.M.L. ordnance. Ordnance, whether mounted or lying on skidding, will be pressed to prevent rain or moisture lodging inside. Elevating plates will be removed for transport, and the in the gun filled with preserving screws. the gun filed with preserving sections.
All garrison ordnance are furnished with lanyard guides All garrison ordnance are furnished with language out the vent. When the guns are not in use the lanyard guide by be removed, and the hole filled up with a preserving screw.

4. Examination of Ordnance.

Guns fitted for land service have the Inction that less filled by preserving screws, which should be occasionally their becoming fixed by rust. Guns fitted for land service have the friction tube pin

haved and oiled to prevent their becoming fixed by rust. 28 All fixing screws should be occasionally removed and

^{29.} All ordnance will as far as possible be examined after the

following number of rounds. Practice should be disconting until such examination takes place.

| | Natures. | | | with projecti | |
|---|-----------------------|----------------------|--------------------|---------------|------------|
| (16.25-inch, and 13 | 3 5-inch | | • • • • • | •••• | •••• |
| P. I. 12-inch to 8-inch | •••• | •••• | •••• | •••• | ••• |
| 6-inch to 4-inch | •••• | •••• | •••• | •••• | • |
| B.L. 16.25-inch, and 1. 12-inch to 8-inch 6-inch to 4-inch 15 and 12-pr | | •••• | •••• | •••• | |
| Q.F. {6-inch, 4.7-inch, 12-pr. and under | | | | ••• | |
| (12-pr. and under | •••• | •••• | ••• | •••• | •••• / |
| R.B.L. $\begin{cases} 7\text{-inch} & \dots \\ 40\text{-pr. and under} \end{cases}$ | | •••• | | · | |
| 140-pr. and under | •••• | • | | •••• | ••• |
| 35 tons and upwa | | | | | |
| 12-inch, 25 tons | | | | | |
| R.M.L. \ 8-inch howitze | r, 7-inc | h, 6 [.] 6- | ·inch · (| gun a | nd { |
| R.M.L. \ 8-inch howitzer howitzer), 80 (6.3-inch howitzer | 0-pr., 64 | pr., an | ud 13-p uder ex | r |) Santa |
| • | | | | eccpo 1. | , I |
| S.B. {Firing 10 lb. charges ur | rges and ider 10 l | upwa b. — | rds | | |
| | | | | | - 0.2 |

30. B.L. Guns. Lined guns and 8-in. Mark VI., 972 in arks VI and VII 10 in Mark VI. Marks VI and VII, 10-in., Marks III and IV, 12-in. Wall VII, 13-5 in Marks III and IV, 12-in. VII, 13:5 in. Marks III and IV, will be examined after gridded the number of and IV, will be examined after double the number of rounds shown against their respective calibres in the above table.

9()

R.M.L. Guns. Rifled guns, such as those in R.N.R. Batterich which fire one-third elongated projectiles, and two-thirds smooth bore shot with special abances. bore shot with special charges, may fire double the number or rounds in each series

Instructions for the Care of the De Bange Pad Obturator.

31. If a pad becomes very hard, soak it in a hot mixture olive oil and tallow.

The Protecting discs should be carefully examined, and if ontinued firing, the tin be fused, or the steel rings eroded broken and thus liable to cut the canvas of the pad, they ould be replaced by new discs. On be replaced by new cuscs.

The property of The pads have the words "expanded" or "unex-

he expanded pads and discs are always to be used on the expanded pads and discs are always to be used on the control of the expanded pads and discs are supplied unexpanded should be used with full charges the expanded should be used with full charges the first practice after receipt.

the first practice after receipt.

The should be taken that blank charges are not used unless blutely unavoidable for the first round, even with an expectable of the first round, even with an expectation of the first round. wiltely unavoidable for the first round, even many budged pad and discs, and the first time any pad is used in a Need pad and discs, and the first time and round. (even if expanded) should be with a shotted round. Consider a pad get too soft from rapid firing, remove it and

ce it in cold water. CARE AND PRESERVATION OF CARRIAGES AND SLIDES.

1. General Instructions.

In Occupation and steel carriages and slides, of every description the effects of the Iron and steel carriages and slides, of every description, the special care to preserve them from the effects of the ther, and to keep them in working order; otherwise they deteriorated by rust, and the working parts become so irregularity in action, and be difficult be deteriorated by rust, and the working parts be difficult as to induce irregularity in action, and be difficult

Detailed instructions with reference to buffers and gear of 12-inch and 12-5-inch, high angle and disappearing

12-inch and 12.5-inch, mgn and 12.5-inch, mgn and 12.5-inch and 12.5-inch, mgn and 12.5-inch and 12.5-inch, mgn and 12.5-inch and in the handbooks.

In batteries accessible to the public, where no permanent thin is possible, or in works where mountings are not frequency acceptable fittings and movable parts of the the used, all detachable fittings and movable parts of the ling and other gear will be removed and placed in store,

where the bright parts of the ironwork will be well coated Field's grease No. 3, to preserve them from rust. These will be thoroughly cleaned and placed in position at least one three months, to see that they are in proper working or All other gear should be worked once a week, to ensure being in a working condition.

36. A thorough cleaning and lubricating of all standing working parts must take place once a month. In this cleaning the parts wiped with an oily rag. Where mountings are prevent rust, for which a very slight film will suffice.

37. Whenever fresh lubricant is applied the old should be wiped or scraped off, and the parts well worked to distribute fresh lubricant.

the fresh lubricant.

38. The gear hidden under the slide can be examined as condition by a man lying on his back while the slide is travers above him.

39. It has been found, especially in exposed positions, that hard glassy cake of oil and sand, &c., will sometimes between the carriage and slide, which is likely to escape of vation, being of a semi-transparent nature, and which in such transparent nature, and which is a skin has to be hammered off; its formation is best granish by leaving as little oil on the sliding surfaces as possibly when not in use.

when not in use.

40. When not in use, the position of the carriage and twill be frequently changed to prevent impressions on rollers, trucks and racers, and to keep the sliding faces clean.

41. Refere form

41. Refore firing, or drill, care should be taken that all part and screws are properly tightened up; that all working

in proper gear; and that all friction cones and brakes are urately adjusted, and are not jammed. Particular attention traitely adjusted, and are not jammed. Lattern to which tend to the paid to the clip plates, the bolts of which tend to the paid to the clip plates. tretel and throw undue strain on the guide plates. and throw undue strain on the guide places.

If a nut or screw be removed it should be slightly oiled being replaced, and a few turns given to it by hand the being replaced, and a few turns given to the threads

the being replaced, and a few turns given to it by name the being replaced, and a few turns given to it by name the being the spanner, to prevent damage by the threads sing. A burr on the threads of a screw will prevent it being twed home; the burr can be easily removed by means of a A hammer should never be used to tighten up screws or nuts. Particular attention will be observed when removing or the particular attention will be observed when removing or the particular attention will be observed when removing or the particular attention will be observed when removing or the particular attention will be observed when removing or the particular attention will be observed when removing or the particular attention will be observed when removing or the particular attention will be observed when removing or the particular attention will be observed when removing or the particular attention will be observed when removing or the particular attention will be observed when removing or the particular attention will be observed when removing or the particular attention will be observed when removing or the particular attention will be observed when removing or the particular attention will be observed when removing or the particular attention will be observed when removing or the particular attention will be observed when removing or the particular attention will be observed when removing or the particular attention will be observed when removing or the particular attention will be observed when the particular atten

Particular attention will be observed when I have he used unless

the by rough usage. A hammer should never be used unless th by rough usage. A nammer should the blow.

the lollers and trucks will be removed, and the axles properly and greased before replacing. The front trucks are thed and greased before replacing. The front trucks are hoved by running the carriage back and lifting the front of slide by hydraulic jacks, sufficiently high to take the weight the trucks; care will be taken to block up the slide before loving the axles. For the rear trucks, run the carriage up,

be the jacks under the rear block plate, and proceed as for the jacks under the rear block plate, and proceed when the jacks under the rear block plate, and proceed when front trucks. Particular care must be observed when deing conical trucks that they are in the correct position, and proceed when the place in the correct position, are the place towards the pivot.

with the smallest diameter towards the pivot.

The truck brackets of wood slides must be adjusted so the truck brackets or wood since made the trucks are in the right position with reference to the the trucks are in the right position with reference of the of racer. i.e., with the axles truly radial, otherwise the lifes will bite the racer and cause stiffness in traversing. The racers, especially at the sides, should be scraped and that the

The racers, especially at the sides, should be taken that the to render traversing easy. Care must be taken that the ots of mountings do not cause the truck flanges to bear that the racers. Where an error in position of the pivot or

t plates appears to exist, it should be at once reported.

The clamping arrangements or friction cones of elevating

gear, brake drums, and the discs of friction clutches, will be cleaned and slightly oiled to prove cleaned and slightly oiled to prevent seizing.

48. Differential brake gear will be regulated by the adjust screws, until the tension of the brake bands is just sufficient retain the carriage on recoil and the screws. retain the carriage on recoil, and prevent it running out

the bands are slackened by the levers.

49. Jamming levers and friction cones of elevating geal all the state of the state be tightened up by means of the adjusting nuts, so as to allow a slight slip in the gear on firing. 50: The plates and bars of the compressor and prevent ars will on no account be gears will on no account be greased or oiled, but should be self free from rust by scraping, as compression adjusted with a part of rust between the plates more leading to the state of th

of rust between the plates may lead to a violent recoil after first round. 51. The adjusting lever should be set up after each round to the first three or four rounds, so that the removal of any or rust on the bars will not vary the recoil. 52. In replacing the preventor gear particular care much

taken to place the lever in its correct position to ensure probes working. For this purpose a note must be taken of the number on the toothed collar to which the control of the number on the toothed collar to which the arrow on the lever points when the lever is rowers. when the lever is removed. 53. Compressor gear is regulated by raising or lowering justing lever until by the second sec

adjusting lever until, by the exertion of one man, the compression lever can be just forced beneath its catch.

54. Iron pointed levers and their sockets must never be of greased, but simply closed.

or greased, but simply cleaned to prevent rust. 55. In lubricating the lubricating holes will be cleaned the with a wire and filled with oil, care being taken to replace to small screws, the heads of which must be kept bright so as in the heads of which must be kept bright so how in the heads of which must be kept bright so how in the heads of which must be kept bright so how in the heads of which must be kept bright so how in the heads of which must be kept bright so how in the heads of which must be kept bright so how in the heads of which must be kept bright so have in the heads of which must be kept bright so have in the heads of which must be kept bright so have in the heads of which must be kept bright so have in the heads of which must be kept bright so have in the heads of which must be kept bright so have in the heads of which must be kept bright so have in the heads of which must be kept bright so have in the heads of which must be kept bright so have in the heads of which must be kept bright so have in the heads of which must be kept bright so have in the heads of which must be kept bright so have in the heads of which must be kept bright so have in the heads of which must be kept bright so have in the heads of which must be kept bright so have in the heads of which must be kept bright so have in the heads of the he readily seen. One list for each nature of mounting, showing positions of oil holes and became a showing the second second

positions of oil holes, and how access is obtained to them, and be hung up in a safe and be hung up in a safe and convenient place in each work, and none must be neglected. The property of the samples and convenient place in each works, and none must be neglected. none must be neglected. These lists can be obtained on applica

to the U.S. of State for War, the nature of the mounting the U.S. of State for war, the nature of the specified. After filling the oil holes the parts should be the specified. bried backwards and forwards until the oil shows on the alting, fresh applications of oil being made if necessary.

Carriages with rollers permanently in action should have Carriages with rollers permanently in action. The axles can be called axles removed, cleaned, and lubricated. The axles can ken out one by one.

The teeth of all pinions and toothed wheels should be $\mathbf{a}_{\mathrm{ased}}$.

G. G. S. jacks should, when not in use, be placed in the lame, store, hydraulic jack," and frequently released and uped up to maintain a moderate pressure on the leather kind up to maintain a moderate pressure on the leather uped up to maintain a moderate pressure call to its lowest in the process of the

The cylinders of hydraulic buffers should be emptied and out every 12 months; the fluid drawn off may then be thed out every 12 months; the nule drawn on the thed and used again if not too thick. The buffers should be delight and used again if not too thick. The bullet the cylinfully examined before firing or drill, to see that the cylincontain the requisite quantity of fluid marked on the representation plate; that there is no leakage at the glands, and he piston rods are properly connected.

If a buffer leaks at the gland, and tightening up the renewed.

If a buffer leaks at the gland, and ugucenny does not stop the leak, the packing will be renewed. We lake for packing are detailed in Appendix VII of Equipalty D. Company will not be removed, but will be tals for packing are detailed in Appendix, the Regulations. The buffer will not be removed, but will be Regulations. The buffer will not be removed, see Equipment Regulations). Any drippings of oil from the buffer, collected in the drip Any drippings of oil from the buner, concession attached to the carriage or slide, should on no account be y attached to the carriage or snuc, should on any part of the machinery of the mountings or on any

the any part of the machine.

L. Sun fittings.

L. M.L. carriages and slides will be dismounted and the of the gear removed by armament artificers at the odical painting and all parts cleaned, keys adjusted, bolts that the distance of the painting and lubricating holes thoroughly cleaned, the

trunnion holes greased, and all parts properly lubricated, and all parts properly lubricated, and all parts properly lubricated.

63. B.L. mountings will require the same overhaul, but period may be extended. 64. Whenever any parts are found broken, defective, deficient, which cannot be renewed by the artificers, fresh should be demanded at once. Any damage occurring at hein

or practice, should be at once reported with a view to its pen made good without dalay. 65. In all correspondence and reports relating to carried and slides, their exact natures and slides, their exact natures, marks, and register number should be quoted.

66. The Inspector of Ordnance Machinery reports quarterly is district. In districts his district. In districts where no inspectors of ordinari machinery are appointed as a property of the control machinery are appointed, arrangements will be made to district to the manufacture of the an inspector from another district to make periodical inspections of the gun mountings. The reports on these inspections and the addressed to the officer commendation of the second of he addressed to the officer commanding Royal Artillery of district concerned for the commanding Royal Artillery of district concerned, for transmission to the Adjutant-General

67. When examining mountings in permanent works the ticular attention is to be paid to the accuracy of level of the racers—especially on see fronts. racers—especially on sea fronts. It is necessary that should be no alteration in elevation should be no alteration in elevation, as the slide is travelold from side to side. To according to from side to side. To ascertain whether this condition policy good, a spirit level should be a s

(1) lengthways on the slide, and

(2) crosswise on the slide.

and the slide traversed from extreme right to extreme left silvice versa; the bubble at all vice versa; the bubble should remain stationary throughout, and the mounting bear on all the stationary throughouts. the mounting bear on all its rollers continually.

68. The adjustment of the degree scales of index hecke graduated arcs, or elevation indicators, should also be checked. These should read at 700 million and the checked at 700 million These should read at zero on the degree scale when the axis

gun is horizontal. The horizontal position of the gun can obtained by a spirit level resting on a straight edge in the bore the quadrant plane prepared on the breech of the gun. A copy of General Instructions, for care and preservation A copy of General Instructions, 101 care and properties and slides (Army Form (i. 907) attached to a board be hung up in each fort or battery where there are iron driages.

Scraping and Painting.

Previous to being scraped and painted all carriages and Previous to being scraped and primer and slides required.

Wrought-iron carriages and slides require a great deal of A. Wrought-iron carriages and sinces require a growth aping and cleaning, especially if mounted in open works, fore proceeding to paint them they must be stripped of all cirl. Proceeding to paint them they must be stripped of all the proceeding to paint them may must be swarp to be the loose parts, and all the old unsound paint, rust, and corroded

72 Stease must be thoroughly removed.
72 The implements to be used in scraping are old swords, and scrapers made from old files. The implements to be used in scraping and files.

3. Scraping consists in going lightly over the surface with scrapers, removing all blisters and loose paint, and forming a control of paint. Care will be taken Notapers, removing all blisters and 100se points. Care will be taken the surface for the new coat of paint. Care will be taken the surface for the new coat of paint. to break into the old coat where it is found to be sound.

The repainting carriages and slides care will be taken not be taken no haint any bearings or gearing parts: for instance, soles of the steeth of pinions and wheels, the upper surfaces of the he on which the carriage slides, the sliding surfaces of the hiage, &c. The carriages and slides will be thoroughly dry

The first coat or patching will be laid on lightly in those which have been laid bare in the repairs or by scraping, (g.a.d.1)

The stopping will be done after the first coat of paint become set as in the coas of become set, as in the case of wood carriages.

77. The second coat will be given after the stopping has be completed. It will be applied lightly and carefully finished

78. In hot climates the top surface of the shields of disappear ing mountings will be painted white to keep the pit cool.

79. The time and working pay allowed for scraping, cleaning and painting, and the quantity of paint required for painting and marking wrought-iron carries and required for painting and marking wrought-iron carriages and slides is laid down Equipment Regulations.

Instructions for the Erection, Working, and Preservaria OF HIGH ANGLE AND DISAPPEARING MOUNTINGS.

These are fully explained and described in the handboard of each our and mounting of each gun and mounting.

Instructions for Filling, &c., and Adjusting Hydraught

80. In all cases where guns are mounted on carriages be des fitted for hydraulic huffare the large on carriages be described. slides fitted for hydraulic buffers, the buffer will invariably and kept on the slide filled with the kept on the slide filled with the proper quantity of oil the piston-rod kept connected to the carriage; but in carriage; but in and where guns are found to be especially hard to run back, ger such guns as are likely to be much used at drill, the commanding Royal Artillery may content to the carriage; but in the commanding Royal Artillery may content to the carriage; but in the carriage; but Commanding Royal Artillery may order the piston rods of all the guns to be disconnected provided in the piston rods of all the guns to be disconnected, provided such instructions be given will ensure proper presentions will ensure proper precautions being taken to prevent the great taking charge in rupping and Market taken to prevent the great taking charge in rupping and the great taken to prevent the great taking charge in rupping and the great taken to prevent taken taken to prevent taken taken to prevent taken taking charge in running up. When works, however, all under repair, or persons other than the Artillerymen actual in charge have access to places when in charge have access to places where guns having hydraller buffers are mounted, the Officer Commanding Royal Artiller will use his discretion in having the hard. will use his discretion in having the buffers temporarily empties but they must be refilled as any

81. To connect the buffer .- Move the carriage to the rear suffiently to enable a man to get at the bracket on the under side; the connecting nut from the piston rod, and draw the latter forward until its end projects through the hole in the backet, keeping it central in the hole; screw on the connecting h, and when quite tight take half a turn back to allow a slight of the bracket between the two nuts. before connecting it to the carriage, the rod should be pushed and out to see that it works freely, and that the packing and is not too tight. 82. To fill the cylinder, run the carriage up to the stops, take To fill the cylinder, run the carriage ap the the screw plug, and rest the gallon measure in the hole; turn with mineral oil (or in cold the cock and fill the measure with mineral oil (or in cold

thates with the service liquid described in para. 45la, Equipheat Regulations) to the gallon mark, then turn the cock and the oil to flow into the cylinder; repeat the operation the oil to flow into the cynner, repeat the duantity required is run in. The quantity of oil used but the quantity required is run in. The feet 6 inches parapet) the quantity required is run in. The quantity required is run in. The quantity 7-inch R.B.L., and 64-pr. R.M.L. (5 feet 6 inches parapet) iron slides, is 5 gallons, giving a depth at filling hole of ins. with 7-in. R.B.L., and of 23-ins. with 64-pr. R.M.L.;

the buffers of 7-inch 7-ton, 9-inch, 10-inch, 11-inch, and the buffers of 7-inch 7-ion, 5-inch, 10 inch, 10 inch, 25-ton guns is 12 gallons, which, with the carriage run the character of the control of about 48 inches of oil, h uch 25-ton guns is 12 gamons, which, which 48 inches of oil, will give a depth at the filling hole of about 48 inches of oil, and the parameter mountings; hept 9 in. and 10 in. R.M.L. on 7 foot parapet mountings;

the first a brass plate is attached giving directions for filling.

the oil is withdrawn by means of the front cock, air being let. to oil is withdrawn by means or the from coon, of the rear

When firing reduced charges, a certain amount of oil is to be wide R.A. R.O. 65 of 1893 and p. 16, Part Vol. II. Care should be taken to replace the oil at once, the conclusion of the practice.

efore firing cordite charges the recoil valves of the recoil (g.a.d.1)

cylinder or buffers must be set to suit the cordite charge, or the recoil control arrangements otherwise modified in accordance with regulations.

For the regulations for 6-inch Disappearing, vide L.C.W. 890

ROPE MANTLETS.

1. When rope mantlets have been fitted to shields, and have been found complete and in good working order, on the joint inspection of the Officer Commanding Royal Artillery, who will be taken on charge by the Officer Commanding Royal Artillery, who will be responsible that they are kept in a safe condition and at all times ready and fit for use; he will therefore make requisitions in the usual manner upon the Royal Engineer Department to carry of chloride of calcium. The above also applies in the case of cartridge stores to certain stations at home and abroad.

2. Rope mantlets, according to pattern required, will provided and fitted for all guns actually mounted behind protection. In the case of open batteries, however, in which mantlets, when hung, would be fully exposed to the weath in and therefore liable to rapid deterioration, they will be kept for drill or practice, or for actual according to pattern and when required for drill or practice, or for actual according to pattern and abroad.

drill or practice, or for actual service in time of war.

3. For instructions for the care and preservation of mantlets, see paras. 661 to 669 Equipment Regulations.

Instructions for the Care and Preservation of Optical Instruments.

1. It is essential, when circumstances will permit, that optical

Section VI.—Care of Armament and Stores.

Instruments should be kept in a warm, dry, clean store or box, wet or damp, but be first carefully dried with a chamois leather. of silk, which must be carefully kept free of grit or dirt and lust be used for no other purpose.

Section VII .- Management of Electric Firing Apparatus.

SECTION VII.—INSTRUCTIONS FOR THE MANAGE MENT AND PRESERVATION OF ELECTRIC FIRING APPARATUS.

2. The Menotti test battery consists of an outer vessel, which is of ebonite, at the bottom of which is a copper cup \(\frac{1}{2} \) in. in diameter, containing 2 oz. of crystal of sulphate is copper, with a "fearnought" diaphragm on top. Above this a line of fine sawdust that has been moistened with clear fresh water and laid in loosely. On top of this layer of sawdiff is another diaphragm and then a slab of zinc \(\frac{1}{2} \) inch thick, \(\frac{3}{2} \) in diameter, and weighing 2 lb. The upper portion of the gill and its connection with the insulated wire are carefully insulated.

As this cell is only used for testing purposes, a low resistance (about 20 ohms) astatic galvanometer is permanently attached to the ebonite disc which forms the core of the cell; together with a key which closes the circuit through the wires or under test. The whole is fitted into a leather case.

The batteries are supplied with the sulphate of copper, connought diaphragms and sawdust in place, but dry and sequently inactive. They are prepared for service by taking of the sawdust, soaking it in clean fresh water, or better still in solution of sulphate of zinc, then squeezing it out to a certain solution of sulphate of zinc, then squeezing it out to a certain extent and replacing it; the advantage of this method were that the cell will be ready for use at once. If the water will merely poured on to the sawdust some hours, or even days, elapse before the cell is ready for use. If the sulphate of copper is spilt among the sawdust care should be taken to remove

Section VII.-Management of Electric Firing Apparatus.

the spilt crystals or to use fresh sawdust, for if the sulphate of topper is allowed to come into contact with the zinc it will at once deposit copper on the latter.

Test.—After being rendered active the battery should be test.—After being rendered active the positive pole of the thery and the free terminal of the galvanometer, then placing the instrument so that the needle points to zero and pressing the Anstrument so that the needle points to zero and property, a deflection of between 80° and 85° should be shown. This called "testing the battery on short circuit."

A magnet is supplied for the purpose of steadying the needle when there is motion or reducing the deflection when it is too Reat; when not required for use it is kept in a pocket in the

when not required to the leather containing case. of the teather containing case, after the test battery has been in action six months the sawdust is to be changed and the copper cup recharged with such is to be changed and the copper cup recharged with sulphate of copper. Any copper sulphate crystals found can be used over again. Any copper supprate crystals of the same time the connections of the refully examined and the incrustration cleaned from the zinc so to leave a clean surface on the under side at any rate.

Should the battery show indications of loss of power, and these measures fail to restore it, a new battery must be rendered

The *Battery and key, test and firing.—This key and thery is designed to serve two purposes.

1 10 test the tube and circuit when the gun is made ready to

To fire the tube.

To fire the tube. the skey itself, which is so arranged that when the button is had to the right the current passes through the indicator and

When "battery and key test and firing" is issued, the Leclanché and nottl batteries are not required.

Section VII .- Management of Electric Firing Apparatus.

the rest of the gun circuit, and if this is complete a visible audible signal is given. If it is then required to fire, the but is pressed in which action is pressed in, which action cuts the indicator out and allows

full current to flow through the circuit firing the tube. Besides this the apparatus may be used in place of the Menot ll and galvanouseter for tection.

The Leclanché cells, of which there are two in the batter, is cell and galvanometer for testing tubes, and firing wires. box, are issued with the sal-ammoniac in them, and all that required to make them reads for required to make them ready for use is to fill the cells two-things full with water and to see that the full with water and to see that this is added from time to to make up for every entire.

When the battery fails to fire a tube, fresh sal-ammon to make up for evaporation. (about 4-oz. to each cell) should be added; the old sold being thrown away The apparatus is suitable for firing any low tension fuze of be through a short length of the state of the st

tube through a short length of wire, about 50 yards of No. 5. Precautions to be observed.—The turning of the knob should be done just before it is required to fine be done just before it is required to fire, and it may either held turned or not as desired mostly.

held turned or not as desired until the gun is fired by pressing it in. An arrow is cut on the beauty and is fired by pressing a An arrow is cut on the handle of the key in such a that when the arrow is until the first that when the arrow is until the first that when the arrow is until the first that the first tha The following rules will detect the particular cause of failures fire with electric tubes ... position that when the arrow is up the handle is safe.

to fire with electric tubes :---

- 1. If the indicator works properly, and yet when the knot pressed in the tube dear in the t pressed in the tube does not fire, the fault is a frequency in the firm leads to the fault is a frequency in the fault is a frequency in the firm leads to t circuit between the firing leads or in the tube itself.
- 2. If the indicator works feebly only, some bad joint in the circuit will be the probable
- 3. If it does not move at all, the circuit is broken at some point in the wires on in the
- 4. If the indicator works when the knob is turned and the guides not fire when it is an and the knob is turned and the knob does not fire when it is pressed, and then when the knot

Section VII.-Management of Electric Firing Apparatus.

is turned again the indicator does not work, this shows that the tube has fired without igniting the charge.

that the tube has hred without igniting the before use of eliminate faulty tubes it is as well to test them before use out eliminate faulty tubes it is as wen to test them, so that in of the gun. This should be done under precaution, so that in of the gun. This should be done under precause, would be use of a tube being accidentally fired no damage would be too to a tube apparatus The firing leads may also be tested, and the apparatus The firing leads may also be tested, and the line be considered to be in good order, if on joining the knob the be considered to be in good order, it on joining the knob, the dicator works well. If it should only work feebly the battery ould be examined, as in this case it will not give sufficient ment to fire with certainty.

The 3-cell Leclanché firing Battery may be found still in the Battery may be found still in the Blaces, and the preparation is almost identical with the attery and Key, test and firing.

Section VIII .- Ventilation of Magazines.

SECTION VIII.—INSTRUCTIONS FOR THE TION OF MAGAZINES.

1. The dryness of any building depends greatly upon oper ventilation, and as gunrous learning the state of th proper ventilation, and as gunpowder possesses in a high degree the property of absorbing moisture, great attention should paid to the following rules:—

2. A common thermometer will be placed inside magazine; it should be, if possible, so placed that a result may be taken without opening the

3. At every station where there are magazines, and in etillery Sub-District, there will be magazines. Artillery Sub-District, there will be provided one or more of common and wet and dry both 41. of common and wet and dry bulb thermometers or hygronical according to the extent and distribution of the magazines.
manding Officers concerned should demand as many as may be necessary to meet the requirements of cook like many as many as

necessary to meet the requirements of each district or stational 4. The wet and dry bulb thermometers will be permanent placed in the open air. They should be protected as transpossible from rain and wind a standard possible from rain and wind, and not exposed to the direct of the sun.

5. Care must be taken to keep the wet bulb well supplied the water, and to see that its work.

with water, and to see that its muslin covering and strand wick are always wet. 6. The scale attached to the dry bulb will show bull mperature of the external single show bull temperature of the external air, while that of the wet will read more or less below the attraction of the wet air will read more or less below the other accordingly as the dry or damp.

7. With a view to the magazines being open as long as possible favourable days, the wet and described open as long as possible favourable days, the wet and described open as long as possible favourable days, the wet and described open as long as possible favourable days, the wet and described open as long as possible favourable days, the wet and described open as long as possible favourable days, the wet and described open as long as possible favourable days, the wet and described open as long as possible favourable days, the wet and described open as long as possible favourable days, the wet and described open as long as possible favourable days, the wet and described open as long as possible favourable days, the wet and described open as long as possible favourable days, the wet and described open as long as possible days. on favourable days, the wet and dry bulb thermometers adding to observed twice a day morning be observed twice a day, morning and afternoon, and the readin

Section VIII .- Ventilation of Magazines.

orded on Army Form G 944. A record will also be kept on my Form G 945 of the readings of the thermometer inside the Wy Form G 945 of the readings of the thermometer makes inc. Copies of these forms, attached to boards, will be the Upine. Copies of these forms, attached to boards, hage of the sub-district.

The actual times at which the wet and dry bulb thermo-The actual times at which the wet and ury ward there are to be read, and the details of the arrangements for the a hing the various magazines, must depend more or less on local ditions. It will be necessary for the Officer Commanding

ditions. It will be necessary for the Omcer Communications. It will be necessary for the Omcer Communication the that that of the outside air, but when the latter is very may frequently be the case in summer in England, the sain may be ventilated with advantage when its temperate is here in the outside air. Te is below that of the outside air.

the below that of the outside air.
Two tables (Army Forms G 880 and G 881) are provided the guidance of those in charge of magazines. Copies of the guidance of those in charge hung up in each maga-

the guidance of those in charge of magazines. Copies tables will be attached to boards hung up in each maga-A detailed description of these tables and of the polying them to determine when atmospheric conditions are outable for ventilating a magazine will be found in "Regula-like for Magazines, &c."

Great care must be taken that the magazine is securely Great care must be taken that the magazine as soon as the favourable conditions cease, or when that is approached.

ly approached. Subject to the conditions being favourable magazines outlet to the conditions being lavoured by be opened as often and for as long a time as possible, every means should be adopted to secure a thorough thation of air, but care must be taken to provide for their R immediately closed, in case a sudden change of temperature ders it necessary to do so.

Lit must be borne in mind that conditions favourable for tilation may not last long, especially when the temperature

Section VIII .- Ventilation of Magazines.

inside the magazine is above that outside, as the former soon fall when the doors are opened. Under these circulations are soon for minutes should be before a constant. stances about five minutes should be long enough for lating a small magazine; but when the temperature inside below that outside the magazine, and other conditions are filled, there is no limit to the time during which ventilating be continued, provided the outside conditions favourable.

14. The following are instructions for examining the condition. in regard to moisture of the air in magazines:-

(a.) Place about 12 of the small crystals of nitrate, of small crystals of nitrate, (provided for the purpose, and kept in a well-stoppered butter) upon a piece of sheet glass, separating the crystals from the purpose, and kept in a well-stoppered other, place this in the magazine other, place this in the magazine upon any suitable suffit crystals have become liquid at the expiration of that period magazine is in a decidedly damp condition. If they have the liquefied, but if a piece of dry blotting paper when pressed them is stained, the magazine is somewhat damp. Before the crystals of nitrate, place them upon blotting-paper; the do not stain it they can be at once used, but should the paper moistened by them. press them between the paper is the paper is the paper in the paper is the paper is the paper in the paper is the paper is the paper is the paper is the paper in the paper is the paper is the paper is the paper is the paper in the paper is moistened by them, press them between folds of blotting for until they no longer produce a stain; they are now reways use.

(b.) In entering the magazine for the purpose of placing all of soda, and afterwards are purpose of placing all of the purpose nitrate of soda, and afterwards examining it, the doors alough be only so far opened as to solute the be only so far opened as to admit the person, and quickly plate It is best to take the bottle of winter the person. It is best to take the bottle of nitrate of soda and the glass plat into the magazine, and to into the magazine, and to arrange the nitrate upon the when there.

Section IX.-Instructions as to Lighting and Lamps.

Colon IX.—INSTRUCTIONS AS TO LIGHTING AND

on no account will any but the authorized lamps be used by Purpose of lighting magazines, ammunition stores, laborates, and their passages. Such lamps will be lighted only when absolutely neces

Such lamps will be lighted only Amagazine copper lantern will be used for the inspection no stores and underground passages, and on no the purpose. A magazine copper lantern will be used for the magazine copper lantern will be used for the purpose. ount will the passage lamps be used for the purpose.

tailed as "lampmen" for each work, to attend to all the lighta "lampmen" for each work, we always a drangements and stores connected therewith.

Arangements and stores connected therewith.

As all lamps, required for lighting magazines and carlanguage stores can be placed in position without entering the
fant portions of the building, the lamp men will on no
language stores beyond the barriers.

When it is impossible to clean the glass of the lamp
from the passage, such glass will be cleaned by one of the
language men from the inside. This may in some cases neceslanguage men from the inside. This may in some cases neceslanguage men from the inside. This operation will be
the that it is properly replaced. This operation will be
the in the presence of the officer or other person in then that it is properly replaced. This operation was content in the presence of the officer or other person in the presence of the officer or other person in the lamps if the but only if from want of

the burn regularly without them, but only if from want of or ourn regularly without them, but only a tendency to smoke that to much draught, the candles show a tendency to smoke the white, when the chimneys will be likely to improve the ling. No detailed instructions can be given regarding their which must be regulated by local circumstances.

Section IX.-Instructions as to Lighting and Lamps.

8. Lamp barrows and trays are provided for the carriage the lamps to and from the lamp room; care must be taken they are always used and that they are always used and they are always used and they are always used and they are always are provided for the carriage. they are always used, and that the lamps are not placed on ground or floor, as the glasses are thus likely to be broken. 9. All lamps, when not in use, will be kept in the lam.

room.

10. Copies of instructions on lighting, printed on Army for G 877, can be obtained on demand and will be hung up in great lamp room. Should special instructions lamp room. Should special instructions be required in any particular work or magazine for the special instructions be required in any particular work or magazine for the special instructions are special in the special instructions and will be hung up in the special instructions be required in any particular work or magazine for the special instructions are special instructions. ticular work or magazine, for the guidance of the lampund the management of any peculiar lamp recesses, they will be added in manuscript. 11. Lamps on Gun Floors.—The following lights are ased on floors:—

gun floors :-

Fighting lanterns or lamps. Tracing lamps.

A fighting lamp is on the pattern of a small carriage and has a clutch at the back to hang on to a loop, and buffed candle. Two of these are provided for candle. Two of these are provided for every emplacement and purple R.M.L. and upwards, one for each oil R.M.L. and upwards, one for each side. They are intended give light for the service of the gap at give light for the service of the gun at night. § 8381 introduced a new pattern of fighting lamp which attached to a new pattern of fighting lamp which consumes oil.

loop in the wall, generally on the right side of the guil having a handle at the top so that having a handle at the top so that it can be easily removed burns colza oil. Its special objects to the special ob burns colza oil. Its special object is to be a movable light of general purposes at the gun and the general purposes at the general purposes at the gun and the general purposes at the general purpos general purposes at the gun, such as reading the training elevating arcs, &c.

These lamps should always be in their proper position of in floor, trimmed and ready for their

gun floor, trimmed and ready for lighting.

Appendix I .- Automatic Sights.

APPENDIX I.

AUTOMATIC SIGHTS

The sketch shows a 12-pr. Q.F. sight, which may be taken as h_{ical.} the sights for the various natures being the same in principle. the sights for the value differing in detail.

GENERAL DESCRIPTION.

The sights consist of the following parts:—

A sight bar A, carrying sights which can be illuminated, desight bar A, carrying sights which can be likely as at long ranges or liting objects. Deflection is given by the small hand wheels which bar horizontally about the pivot Z. which traverse the sight bar horizontally about the pivot Z. deflection need be given for drift, as the sight is set at a pensating angle.

A radius bar B, to which the sight bar A is pivoted at Z. the deflection gear. B is pivoted at Y to a bracket D the deflection gear. B is pivoted as I be eccentric is attached to the cradle of the mounting by eccentric Is attached to the cradle of the mountain of the H. Their eccentricity enables the final fine adjustment Riven to the sight on its first fitting to the mounting, and should not afterwards be disturbed, future adjustments may be found necessary being given by the eccentric the Q which is provided for the purpose. The bracket D les also the gear by which the right is moved when used as and drum sight, and also the range drum R.

Appendix I .- Automatic Sights.

3. A bent lever E is also carried on the pivot Y. One end carries a roller, engaging a compare of the pivot Y. E carries a roller, engaging a cam C attached to the carrier The other end is forked to receive a latch F, worked by a G.

The latch F connects the lever E to the radius bar B, when the latch engages the fork, the sight is controlled by cam C, and works automatically cam C, and works automatically. When the latch is disenged the sight can be used as an arrival. the sight can be used as an ordinary tangent sight.

4. A spring P, in compression, keeps the roller at the elever E in contact with the

the lever E in contact with the driving surface of the can C. 5. One of the study fixing the cam C to the carried eccentric and can be descented as a least state of the carried and can be descented as a least state of the carried and can be descented as a least state of the carried and can be descented as a least state of the carried as a least sta eccentric, and can be turned by the lever K to give the control necessary for height of tide the tion necessary for height of tide, the proper position of the K for different heights of tide lains at K for different heights of tide being shown on the arc V. the rise and fall of tide is very small compared to the height the battery, the lever K is omitted, but the eccentric study retained as a means of adjusting the

6. A screw S, which will be found in the sketch above the latch F, is provided to give the correction for the error of B. day. Its head is graduated in small statement of the second st day. Its head is graduated in yards short and yards over presists means the relative positions of the radius bar B and the E can be altered to the extent process. E can be altered to the extent necessary to compensate for error observed in the shorterror observed in the shooting.

7. For use at night, both the fore and tangent sights the uninated, the foresight illuminated, the foresight presenting a point of light at the property of the acorn, and the tangent sight. of the acorn, and the tangent sight a luminous V. To effect the incandescent electric languages as incandescent electric lamps are carried in the sight blocks current should be turned off when not required, so as not exhaust the better

exhaust the battery.

THE PRINCIPLE OF THE SIGHT.

The sight combines a depression range finder with a bar at rum sight. Suppose the elevation drum sight. Suppose the elevating gear be worked so that t

Appendix I .- Automatic Sights.

har B is depressed from a horizontal position until the the bar B is depressed from a norizontal position and the bear upon the water-line of an object, the drum R will be the by the rack T, which is attached to the radius bar B, to an other by the rack T, which is attached to the radius bar B, to an other bar and the rack T. then the rack T, which is attached to the tank the depending upon the angle of depression, which in its turn the depending upon the angle of depression, which in the level on the range. If then the drum R be correctly all the developments of the development of the developme how remains to secure that the elevation corresponding to hange be given to the gun.

hange be given to the gun. the carriage. The sight can then be moved only by raising lowering the breech of the gun, and the cam C is so shaped at the angle between the axis of the gun and the line of sight ways equal to the proper angle of elevation for the range. hon this it will be seen that the cam must be cut to suit the ight of the gun above the sea, and each cam will thus be special the site for which it is made.

METHOD OF USE.

As an automatic sight :-

he sight being in adjustment, and the latch F engaged in the of the lever E, set the tide lever K to the proper height of the lever E, set the tide lever K to the proper hands.

Sand the error of the day screw S to zero. Give the mated deflection. Align the sights on the water-line of the gun. the cyror of the day screw or by working the elevating and traversing good of the day screw of the day screw the number of vards short the graduation corresponding to the number of yards short by er graduation corresponding to the number of direction on dead observed, and make the usual correction for direction on deflection scale.

As a bar and drum sight:

sights are only suitable for automatic use when firing at ater-line of objects. Should it be desired to utilize the

Appendix I .- Automatic Sights.

automatic sight as a range finder, to fire at the upper works tops of a ship, the water-line should first be laid on (and if it the first round of the day's practice, ranged on as in 1). latch F should then be thrown out of gear by the lever G, and the sights aligned on the desired point by working the elevative and if necessary the traversing gear of the gun. If the ship moving it will be necessary to throw the latch F in again from time to time and to lower the time to time, and to lay on the water-line again n order to reset the sights to the si the sights to the altered range.

It will be seen from what has been said about the principle the sight that it. of the sight, that its accuracy as a range finder falls off rapidly at long ranges, appointment of at long ranges, especially if the site of the battery be low, as that case the angle of the that case the angle of depression on which the action of

sight depends varies but slightly with the range at long range.

For these longer ranges the latch F should be thrown out its fork by the layer C. the hand wheel J, which works the rack T and range drup By means of this hand wheel T. By means of this hand wheel J, the range drum R may be to any required range as given by Brange drum R may to any required range as given by P.F. or D.R.F., and the gail can then be laid as with ordinary tangent sights.

Adjustments.

In the first place the mounting must traverse truly in springer horizontal plane. This may be tested by placing a large clinometer on the gun and traversing the mounting round. The bubble should not move

Means will be provided for correcting the level of mounting the fitted with automatic sights. The mounting being levelled, following tests may be applied.

1. Mechanical test :-

Turn the error of the day screw S and the tide lever 1 to 100, and throw the latch F interior zero, and throw the latch F into its fork. Place a

Appendix I .- Automatic Sights.

clinometer on the gun, and lay it at the prescribed angle. Then place the clinometer on the upper surface of the radius bar B, and over the portion where the directions are inscribed, and see at its reading is the corresponding angle. The angles referred will be found engraved on the upper surface of the radius B. If the reading is not correct, slack the clamping nut and the B. If the reading is not correct, stack the camping obtained. one of the other eccentric studs should be used for this purpose. Finally, see that the range shown on the range drum of the sight (when set as above) is the prescribed range laid down by the directions inscribed on the upper surface of the radius bar. of the set series on the outer circumference of the results that the set series on the outer circumference of the results are series of the researched range. range drum and turn the scale till it reads the prescribed range.

(2) Optical test:

The telescope being focussed on a distant point, succeeding the object, the usual collimation coated in its supports. If this sinits one included in its supports of the object, the usual collimation and adjustment should be applied. Vide Handbook for D.R.F.

The ordinary sights on the bar may be compared with the telescope by laying on a distant object, and should be in agreement. As it is possible that individual layers may vary, thus introducing a personal error between gun sights and telescope, vertical adjustment is given to the foresight to enable nishts and telescope to be adjusted to each other to suit the gun layer.

As manufactured, the gun sights and telescope are in adjunction with the foresight screwed down home, and this should be taged with the foresight screwed from the foresight, correction hearted as the normal position of the foresight, correction being made only to suit the individual gun layer should time permit of the gun being carefully laid on to a distant target.

If such correction has been made, and the layer should be disabled, the foresight should preferably be screwed home failing time to make a test.

Appendix I.—Automatic Sights.

CARE AND PRESERVATION.

When not in use, the sight bar A with all its fittings attached by the sight bar A with all its fittings attached by sleep and placed in a dry store. Its removal of the sight bar A with all its fittings attached by sleep and placed in a dry store. be effected by slackening a screw which will be found under pivot Z, and disconnecting the leads of

As the efficiency of the sight depends upon the accuracy of e cam C, special care should be the cam C, special care should be taken that this suffer the damage. It should consider the suffer that the suffer the damage. damage. It thould on no account be polished, and should kept free from grit.

All parts should be kept lightly special.

All parts should be kept lightly smeared with anti-correct grease when not in use, but care should be taken that the practice of the foresight and the tip of the foresight and the at the tip of the foresight and the glass V of the hind sight, kept clear, and do not become plugged with grease or dirt.

The lamp holders and lamps must be kept clean and clean ease, as also the holes into which the lamp holders are the lamp holders and clean and clean the lamp holders are the lamp holders and lamps holders are the lamp holders are the lamp holders and lamps holders are the lamp hold grease, as also the holes into which they fit. There must be electric contact between lamp holders and sight bar, and if is dirty the lamps will not have mediately as a sight bar, and if

In throwing the latch F into gear, care should be taken is opposite the laws in the bar E it is opposite the jaws in the bar E, in order to avoid injuried the parts.

Instructions regarding Laying.

An automatic sight is one which, being properly adjusted and connected with the gun (or cradia) connected with the gun (or cradle) and mounting, is depending in such a way on the movement of the in such a way on the movement of the gun that by elevation and traversing the latter till the control of the gun that by elevation and traversing the latter till the sights are aligned on any still on the sea level, the gun is necessarily so laid that its projective should strike that spot.

The principle is dependent on the solution of the triangle ormed by the sea level as the barrens the solution of the triangle formed by the sea level as the base, the height of the gun with sea level as the perpendicular, and the line from sights to

Appendix I .- Automatic Sights.

The angle of depression of the line of sight varies with (and angle of depression of the fine of signs. The angle of the target indicates) the range of the target. The range had indicates) the range of the cares with the range, neith elevation of the gun also varies with the help ore the quadrant elevation of the gun varies with the he of depression of the line of sight, and the amount of the of depression of the line of signt, and the distribution given to the gun can be made automatically dependent on the sights. the amount of depression given to the sights. to follows that the sight can be used as a range finder, and with combined automatic and tangent sights, may be ful if it is desired to fire at ships' tops, &c. The gun must be the sight of the ship. This In if it is desired to fire at ships' tops, ec. The gun int laid automatically at the water line of the ship. This indicate the range to the ship on the drum of the sights, will set them at the proper angle of elevation. tomatic gear being then disconnected, the gun can be laid on top in the ordinary way, the sights retaining the elevation

hich in the ordinary way, one big.... The has been automatically given to them. The pattern of automatic sight adopted for the 12-pr. Q.F.

the sights, so far as the mechanism is concerned, can be made feetly accurate, and this accuracy is capable of being tested that firing, but the results obtainable do not depend only the sight they are limited by what can

the accuracy of the sight; they are limited by what can handly be expected from a layer. hadly be expected from a layer.

thaccuracy on the part of a layer is of much more importance decuracy on the part of a layer is of much more important the case of an automatic sight than in that of a tangent sight at a known range. For example, with a 12-pr. Q.F. gun, thed 25 feet above the sea, an error of one minute in the sea of the automatic sight bar would cause an error of the same Re of only 25 yards at 800 yards, but the effect of the same Would be 52 yards at 1,200 yards range, and 200 yards at 1,200 yards range, while a corresponding error in the setting of Sent bar would be about 20 yards in all three cases.

Appendix I .- Automatic Sights.

The reason for this is that, in the latter case, the amotion of the line of sight is precisely the same as that axis of the gun, while in automatic laying any variation angle of depression of the sights (or range finding angle) in tates a greater variation (the amount of increase dependent the range) in the quadrant elevation of the gun, so that the case of short ranges, or very lofty sites, the axis gun moves through a far greater angle than the line of the for example, under the conditions above quoted (12-pr. at a height of 25 feet), it is found that an error of one either in the sight or made by the gun layer, at a range yards, causes an error of 22 minutes in the elevation of

PART II.

COAST DEFENCE.

TABLE OF CONTENTS.

PART II .- COAST DEFENCE.

Section I.

| | | | | | ••• | • • • • | ••• | *** |
|------------|---|----------|--------|---------|----------------|------------|--------|------|
| | Section II.—Con | dition | s aff | ecting | ≀ ∆ tta | ck an | d Defe | nce. |
| Subsection | I. The Attack | | | | | | | |
| ,, | II. The Defence | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | |
| " | III. Summary | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | |
| | | | ••• | ••• | ••• | ••• | *** | ••• |
| | Section I | II —n | r~ani | iantin | n fan | D . C | | |
| Subsection | _ | | 20011 | 154110 | H IOL | Deten | ce. | |
| Sabsection | I. The chain of | f comn | and | and de | limita | tion of | r:4- | |
| " | | | | | | , cross of | umis | |
| ** | | | nunio | ations | | ••• | ••• | ••• |
| " | | | | ••• | | ••• | ••• | ••• |
| ** ** | V. Lighting of | works | • • • | ••• | | ••• | ••• | |
| " | | | | nmuni | tion | | | |
| " | VII. Electric ligh VIII. Minefields | ts and o | obstri | iction: | š | ••• | | , |
| " | | | | | | | ••• | |
| 1, | IX. Regulation o | i fram | e in d | efend | rd por | ts | | |
| " | X. Employment XI. Fort record b | | | nd Vo | luntee | r Artil | lery | |
| | or or record b | OOKS | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• |
| | Section I | V.—Cł | arts | Man | g and | i Tabi | | |
| Subsection | T Scotion . 1 | | | , | o, aire | LLaui | cs. | |
| " | I. Section chart II. F.C. chart | s and n | naps | | | | | |
| " | III R C obove | | | ••• | | ••• | | |
| ,, | IV. Target indica | *** | | | ••• | ••• | ••• | |
| ,, | | | | ••• | ••• | ••• | • • • | ••• |
| 71 | | | | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• |
| ,, | | | | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• |
| 1) | VIII. Tide correction | n table | 9 | ••• | ••• | *** | • | ••• |
| 47 | IX. Manning table | es . | | ••• | ·•• | ••• | ••• | ••• |
| | • | • | •• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• |
| | | | | | | | | |

Definitions

| ř i | | | | | | | | | | . * | |
|--------------------------|-----------------------------|-------------|----------|---------|---------|---------|-------|---------|----------|-------|------------|
| B | | | rablt | ΟË | CONT | ENTS | | | | | 145 |
| vectio | n V.—Coi | nmunica | tions | and T | ransn | nissio | n of | Range | s and | Orde | rs. |
| hsection | 1. Tele | enlianes a | nd eno | 1. : | | | | | | | PAGE |
| 1) | | | | | | ••• | ••• | *** | ••• | *** | 1:8 |
| 13 | | | | | | | ••• | | | ••• | 119 201 |
| 1) | - * • E.lec | tric order | TO DO | and t | rainin | g dials | | ••• | ••• | ••• | 201 |
| | 16111 | ge indica | tors | ••• | ••• | ••• | ••• | • • • • | ••• | ••• | 203 |
| e _{etion} | | Sec | tion V | I0 | rders | of Fir | e. | | | | |
| | I. The | fixed arn | ament | , excep | ot Q.F. | guns | | | | | 205 |
| ٠, | | | | | | | ••• | ••• | | ••• | 208 |
| | 110 | armamer | t for g | eneral | defen | ce | ••• | ••• | ••• | | 204 |
| 011 | I. Ident | iflantion . | | | | | | | | | 210 |
| | II. Choice | e or proje | ctiles a | nd poi | nt of | attack | on sl | rips | ••• | ••• | 211 |
| 86 e _{etion} | ction VI | II.—Mar | ning a | nd Fi | ghtin | g a Ba | tter | v Com | mand | | • |
| | | | | | | | | , 00111 | iiia u u | • | |
| | II. Fighti | ng a batt | ery con | umand | | ••• | ••• | ••• | ••• | • • • | 217 |
| 041 | | | • | | •••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 225 |
| ection 1 | IX.—Man I. Manni II. Fighti | ning and | l Figh | ting Q | .F. G | uns fo | r De | fence | again | st Ra | id. |
| h | I. Manni | ng | ••• | ••• | | | | | - | | 234 |
| | II. Fighti | ng | ••• | | ••• | ••• | | ••• | ••• | ••• | 237 |
| Poss | Section X | .—Dutie | s of O | fficers | and | ather | 0 011 | m m = u | 1 | | |
| ection i | 4. Inch | PO OOM | | | , wasu | Conor | o, ou | mmar | iseu. | | |
| | II. The I | attery co | mman, | 107 | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 242 |
| h . | V. The g | un group | commi | ınder | ••• | | ••• | ••• | ••• | ••• | 243 |
| h | V. The r | inge grou | p com | nande | r | | ••• | ••• | ••• | ••• | 243 |
| " | V. The a | mmunitio | n office | r | | | ••• | ••• | ••• | ••• | 244 245 |
| | VI. The p | ermanent | staff , | | | | ••• | | ••• | ••• | 245 |
| | | | | | | | | - | - | | |
| cises in | Coast Det | (un aa | Se | ction | XI. | | | | | | |
| (g.a. | | CHU | | • . | ••• | ••• | •• | •• | ••• | ••• | 2+7 |

(g.a.d.1)

Section I .- Definitions.

PART II.—COAST DEFENCE.

SECTION I.—DEFINITIONS.

Coust Defences.—The means provided to prevent damage material or occupation of territory by an enemy's mariner

These means comprise the artillery armament, the works which it is placed, submarine mines, the Brennan torphi obstructions by sea, and electric lights.

The artillery armament is divided into fixed armament mament for general defence

armament for general defence.

Fixed Armament.—That which is mounted in fixed positions or batteries. in forts or batteries.

The fixed armament is divided into primary armament and condary armament.

secondary armament.

Primary armament includes R.M.L. guns of 9 inches and upwards, B.L. guns of 6 inches and upwards, and 4.7-inch 6-inch Q.F. guns.

Secondary armament includes guns of lower calibre than the above.

Armament for general defence consists of those guns, howith to quick-firing guns, and machine guns which are so mounted at be capable of being moved and have which are so mounted arights be capable of being moved and brought into action in various positions. Of this armament positions. Of this armament such portion as can be readily moved and carry its supply of moved and carry its supply of ammunition in limbers and wagon is termed the light armament for is termed the light armament for general defence.

PART II .- Coast Defence.

Section I .- Definitions

Submarine Mine.—A charge of explosive moored below the hrface of the water, and designed to be fired when in contact with or approached by a hostile vessel.

inefield.—An area of water provided or intended to be propided in war with submarine mines. hearing War with submarine mines.

hearing Torpedo.—A metal case containing a charge of explosion and the control from he capable of being moved below the water under control from

hore, and designed to fire on striking a hostile vessel. Obstruction by Sea.—Impediments to navigation, either perhanent, such as breakwaters, or temporary, such as booms. by such as oreas waters, or temporary, any portion of the

defended area, together with the material and appliances for reating it.

Flectric lights may be either fixed beams or search lights. the dead Beams.—Electric lights intended to bear always over

lle same area. Search Lights.—Electric lights intended to be traversed so as b illuminate different areas.

ed a control of the c ted beams or search lights.

Electric Light Area.—The area of land or water effectively Muninated by an electric light.

Coast Fortress.—An area of land and sea provided at certain' in portant points, or along tactically selected lines, with works does not be done to the companion of the companio of defence, and with an artillery armament, partly fixed, partly

Fortress Commander.—The officer in chief command of a coast

Section.—A sub-division of a coast fortress for purposes of Senisation and fighting. Sanisation and fighting.
Section Commander.—The officer in command of a section of a

The above definitions refer to coast defence generally, the lowing to the artillery part of it only. (g.a.d.1)

Section J .- Definitions.

Fire Command.—A sub-division of a fortress section purposes of organisation and fighting, under the command

Fire Commander (F.C.). - The officer entrusted with fire control and in command of a fire command of a fortress.

Battery Command.—A sub-division of a fire command sisting of such a number of gun groups, together with the range finding or position finding fi finding or position finding installations, and all men and story necessary for fighting them. necessary for fighting them, as may be efficiently commanded by one man.

Battery Commander (B.C.).—The officer in command of battery command, and entrusted with its fire direction

tire discipline.

Battery Sub-Commander (B.S.C.).—An officer occasional appointed to represent the battery commander at the ground and performing such duties as the battery commander at the grounder of the depute to him.

Gun Group.—A group of adjacent guns of the same nature placed under the command of an officer or N.C.O.

Gun Group Command of an officer or N.C.O. mmand of a gran (G.G.C.).—An officer or N.C.O. command of a gun group, and responsible under the batter. commander for its fire discipline.

Gun Captain (G.C.).—The N.C.O. commanding a single gull complete with its detachment and stores.

Range Group.—A group of position finding instrument together with their operators, intended to be supervised by one

Range Group Commander (R.G.C.).—The officer or N.C.O. entrusted with the supervision of a range group.

Annunition Detail.—The officer, N.C.O.'s, and men employed the supply of aminumiting free, N.C.O.'s, and men employed in the supply of ammunition for a battery command or battery commands.

Ammunition Officer (A.O.).—The officer or N.C.O. commanding an ammunition detail.

Tactical Unit. - A specific detail of personnel with the material b lactical Unit. — A specific detail of personne.

Le used by it in action, definitely organized for fighting.

A the number of guns, is A decit by it in action, definitely organized of guns, is the

gun group, anallest tactical unit.

Janning Detail.—This term referring to any unit, means the Panning Demo.

Demois to it. lunning Parade.—The place appointed for the assembly of details of a battery commander's command.

Manning Table.—A printed form, A.F.A. 2008, on which to hter Particulars of manning details.

Fire Area.—The extent of water, or land and water, covered The extent of wast,

Turylet.—The object at which a gun or guns are aimed or

red yet.—The object at which a street his or intended to be aimed or to be fired. biplacement.—The distance from the centre of a group to the table placement.—The distance from the centre of a significant strange finding or position finding instrument working for that

Group Difference.—The difference measured in yards between be range to a target at any given moment from the centre of I gun group, and that from the range instrument.

Command Post.—The building, cell, or position selected to be Command Post.—The building, cen, or production, helpfied by the commander of any unit during action.

properties on Range Finding Station (D.R.F. Station).—A place phorpession Range Finding Station (D.R.F. instrument in pointed and prepared for working a D.R.F. instrument in

Wire Control.—The general conduct of any system of artillery

deline by the officer in superior that during action of the artillery by the Direction.—The conduct during action of the artillery in accordance with the orders given previously or at the time by the control.

SECTION II.—CONDITIONS AFFECTING ATTACK AND DEFENCE.

The functions of coast defences in war are mainly, dependent on the naval strength in relation to its adversaries of the post to which they belong. Since the maintenance of sea supremake has been authoritatively adopted in our case as the basis of post system of Imperial defence against attack from the seasy circumstances attending the use of coast defences in the British Empire are peculiar to it, and cannot be judged entirely for the standpoint of other nations.

But as command of the sea, to be effectively established, not first be fought for by our Navy, except in the case of an entirely of clearly acknowledged inferiority by sea, there will probably be times at, and just previous to the sea, there will probably

be times at, and just previous to the commencement of hostilitial when the command will be "doubtful," that is neither side of acknowledge inferiority, but neither will be in a position assured command. It may even happen that in particular regions or for short times our fleet will be locally or temporarily in a state of inferiority. And after engagements have been a position to assert a decided superiority. Ultimately he side or the other will establish command, and it is on a position to assert a decided superiority. Ultimately he sassumption that our Navy will be strong enough to effect in that the whole scale and organisation of our coast defence in that the whole scale and organisation of our coast defence the based. In order that command may be "assured," the balding it must be all in the scale and organisation of our coast defence the balding it must be all in the scale and organisation.

that the whole scale and organisation of our coast defender based. In order that command may be "assured," the holding it must be able to keep the enemy's fleet shut up by blockade in his own ports, and this will be the aim of our ships lit is impossible, however, to prevent with certainty small expeditions or single vessels, especially torpedo boats or torpedo

hoat destroyers, from occasionally breaking through the blockade. Our coast defences are designed to meet all the above conting coast defences are designed to meet an one to gencies, and it is necessary to bear them in mind in order th sencies, and it is necessary to pear them in him happened appreciate the equipment, organisation, and training best

Subsection I.

The Attack.—The attacks which coast defences may be called bon to resist are divisible into the following four classes:—

(a.) Deliberate attack.

(b.) Bombardment. (c.) Forcing a passage.

(d.) Raid.

(a) Deliberate attack is such attack as has for its ultimate hleet the reduction of the fortress. In the great majority of the reduction of the forcess. In the general state of military hees landed outside the sphere of the coast defences and byered by a fleet. If land attack is undertaken in conjunction with naval attack, the range of attack from the enemy's base is iminished by difficulties of transport and supply. As assured humand of the sea is a necessity for the naval attack, whether concert with land attack or apart from it, such an operation considerable time after the condert with land attack or apart from 10, such as feer the could not be undertaken until some considerable time after the tonimencement of hostilities. Taking into account all the disdifficiencement of hostilities. Taking into account the billities under which ships labour when engaged with fortification are very weak and sorganised, a strong fleet heavily armed, and perhaps includling vessels specially constructed for bombardment, is a necessity o the assailant. The tactics employed by the attackers would robably include some of the offensive measures referred to inder the remaining headings.

(b.) Bombardment may be either persistent, that is carried on the intention of persisting in it till the desired effect is

obtained, or desultory, that is, undertaken in the hope of design a short time some in a short time some damage to the port or shipping guar by the defences, or producing moral effect which may cause convenience or injury to the defenders. Persistent bomban would entail a strong force and entail a strong force and entails. would entail a strong force and a large expenditure of amulair tion, and require considerable time. It could therefore occur under the conditions that admit of, and with the objects that call for deliberate attack, of which it might form a part

Desultory bombardment by single ships, or very specific to the control of the con squadrons, is perhaps just possible in any state of sea power, but the advantages to be gained, unless defences are very inefficient, appear so doubtful that its use is improbable. paratively few rounds are carried by ships for their heavy

(c.) Forcing a passage. That is an attempt to run past with waters not commanded by several view to operations in interior waters not commanded by coast defences. This is possible any state of sea power any state of sea power, except where the defenders hold assured command, but where open waters do not exist inside the defenders hold assured could only be attempted under the defenders. could only be attempted under the same conditions as are required

for deliberate attack. Interior waters of any extent are very infrequent occurrence in the British Empire.

Where the attack is made (if vessels of any size are to have and unless the channel is exceptionally easy) it will be by day, possibly immediately after a night reconnaissance by small critically, if the passage is mined or obstructed, may be sentered. This latter operation clear it. This latter operation will partake of the character and raid. The ships will steam past at their highest speed, and endeavour to avoid all conflict at their highest speed, ably endeavour to avoid all conflict with the defences, probably using their guns if at all only using their guns, if at all, to pour in as rapid a fire as possible in the hope of causing losses to personnel which impede the service of the shore guns.

(d.) Raid, that is a sudden attempt to penetrate the defences,

ha view to the destruction of shipping in the harbour or der construction, docks, coal, or stores.

The construction, docks, coal, or stores. The property of the craft for such an undertaking. They are very speedy, the charteness of the coal and the craft for such an undertaking. the larving the base, and more easily elude detection and larving the base, and more easily elude detection and larving the base, and more easily elude detection and larving the base, and more easily elude detection. bek both on the voyage and after reaching their destination. teason of their light draught they are not confined to the hary channels on approaching a port, and their small size low freeboard further aid them in cluding observation, and the transfer of the damage they are capable of them a difficult target. The damage they are capable of leting is out of all proportion to the inconvenience which the of even several of them might occasion, and on this account by even several of them might occasion, and on this thick will not be deterred by difficulties of navigation. Night, will know weather, or both, offer the best facilities for the attack, which every endeavour will be made to escape detection. which every endeavour will be made to escape detection. The strength and dash are the essence of such an attack. Feint acks will perhaps be made with a view to wearing out the lance of the defence. The strength of the attacking flotillate probably vary according to the importance of the object to failed; in some cases it may be expected to reach three things or eighteen boats. It is improbable that any definite mation will be adopted in attack when once the boats come hation will be adopted in attack when once the boats come der fire.

Not here. Not only can this form of attack be adopted in any state of power, but as it requires little or no preparation on the part the assailant, it is to be expected at ports within range of the The assailant, it is to be expected at ports within range of the last state of the l Recan Prompt action of this kind offers the bost completed all the arrangements for resisting attack, such as the placing of the arrangements for resisting attack, such as the placing of the arrangements for resisting attack, such as the placing of the arrangements for resisting attack, such as the placing of the arrangements for resisting attack, such as the placing of the arrangements for resisting attack, such as the placing of the arrangements for resisting attack, such as the placing of the arrangements for resisting attack, such as the placing of the arrangements for resisting attack, such as the placing of the arrangements for resisting attack, such as the placing of the arrangements for resisting attack, such as the placing of the arrangements for resisting attack, such as the placing of the arrangements for resisting attack, such as the placing of the arrangements for resisting attack, such as the placing of the arrangements for resisting attack, such as the placing of the arrangements for resisting attack, such as the placing of the arrangements for resisting attack, such as the placing of the arrangements for resisting attack, such as the placing of the arrangements for resisting attack, and the arrangements for resisting attack, and the arrangements for resisting attack, and the arrangements for resisting attack at the arrangements tructions, which cannot be finally effected in time of peace. orpedo boat depôts have been established on foreign coasts

within striking distance of several of our home ports. nearer a port to the enemy's bases, the more liable it is to form of attack. But no ports however distant are safe from for if out of range of sea-going boats, they are still liable attack by smaller types carried by battleships and cruisers,

It is possible that Raid might take the form of landing parties with a view to destruction on shore, but if this is the condition of the sea defend the same of the sea defend the same of the sea defend the same of the same defend the same of the same defend the outside the range of the sea defences, it must be met by he inside this area, opposition to it would assume precisely the form as that to torned beat attack. form as that to torpedo boat attack. There is no probability the large vessels will ever be used for large vessels will ever be used for purposes of raid where

defence is not utterly disorganised, with these exceptions (i.) Where the attacker has reason to believe that the charles is obstructed to such an extent that the boats will have physical difficulties in effective. difficulties in effecting an entrance, it is posssible that favourable circumstances an old or specially constructed of larger size may be sent in with them for the purpose making a breach in the obstruction.

making a breach in the obstructions.

(ii.) The use of gunboats as a convoy to raiding torpedo to night is comtemplated abroad. The gunboats as a convoy to raiding torpedo to the gunboats as a convoy to raiding torpedo to the gunboats are the gunboats. at night is comtemplated abroad. The gunboats would however remain outside the lighted area and remain outside the lighted area and probably direct their for the projectors of the lighted in the projectors of the lighted in the probably direct their for the lighted in the lighted i the projectors of the lights in the hope of disabling then of the suns intended drawing the fire of the guns intended to act against the torpetto boats.

In the event of countermining or the clearance of obstruction of eing attempted with a view to an attempted with a view to a view being attempted with a view to an attack of the nature of (a) of (b), such operations would be such attack of the nature of (a). (c), such operations would be very similar in character to all life. Countermining attack would take place by night, and would have by fast launches carried by made by fast launches carrying charges of explosive and dropped at intervals along the charges of explosive and dropped at intervals along the channel it is desired to clearly afterwards fired simultaneously for the channel it is desired to clearly the channel it is desired to clearly the channel it is desired to clearly the channel in the channel it is desired to clearly the channel in the channel i afterwards fired simultaneously from each launch by electricity.

Other methods of rendering mineral states of the Other methods of rendering mines inactive, such as "creeping" or "sweeping" are too slow to inactive, such as "creeping" or "sweeping" are too slow to be adopted under fire.

Subsection II .- The Defence.

of the means of defence comprised under the term "coast et the means of defence comprised under the heades" as defined in Section I., the artillery armament and works in which it is placed alone are under artillery control. the other means, submarine mines, Brennan torpedo, manent obstructions, and electric light, are controlled by the Valent obstructions, and electric fight, are divisible for the Royal Navy. the grant forming the artillery armament are divisible for the control of the con etical purposes into three classes, each having a more or less diset application, and method of fire control and direction, viz.:—

(a.) Direct fire guns.

(b.) High-angle fire guns.

(u) (c.) Quick-firing guns.
The direct fire guns of the heavier natures are intended The direct fire guns of the neavier nature of the counter ships armoured or unarmoured, anchored or under their offective area. The cony, at all ranges within their effective area. The conof their mountings and sights, and their systems of with and laying do not however enable them to fire with the effect at very quick targets, or by night. Their use is least effect at very quick targets, or by night. effect at very quick targets, or by mgns. larger practically confined to action against vessels larger that where narrow channels torpedo boat destroyers, except that where narrow channels that orpedo boat destroyers, except that where narrow channels that or pedo boat destroyers, except that where narrow channels that the control of the contro that torpedo boat destroyers, except that where and is not available a sufficient number of quick-firing guns is not available with special case

t a proportion of them may be furnished with special case that for use against torpedo boats and torpedo boat destroyers. The lighter natures belonging to the armament for general ence, including machine guns on parapet or field carriages, chiefly applicable to the defence of land fronts or the istance of attempts at landing, but might also be used as iliary to the primary armament.

High-angle fire guns are intended for preventing, by deck high-angle fire guns are intended for providing ack, bombardment from ranges at which the ships' side armour beyond the penetration of the direct fire guns. They are gned to deal with vessels at anchor, or moving slowly.

(c.) The heavier quick-firing guns are chiefly intended for attack of the unarmoured or lightly armoured parts of Quick-firing guns of the lighter natures are provided prima for dealing with very quick unarmoured targets, such as torposts and destroyers, or countermining craft, but their against the unarmoured parts of ships at short or median guns on cone mountings is sometimes mounted with lighter Q.F. guns for use under the same conditions.

The works, in which the artillery armament is placed, designed to give cover for the guns, their detachments, and ton supply, range finding emplacements, communications, and sometimes accommodation for troops.

Submarine mines are intended to deny certain waters to the many's ships, or to close about enemy's ships, or to close channels against them. Those in Electro Observation." The formula of the channels against them. "Electro Observation." The former may be so arranged the when struck by a ship they give a signal on shore, and can be fired electrically by an operator. be fired electrically by an operator, or they may be arranged to fire automatically when struck. The latter are fired electron of by an observer on shore, who is provided with a means of determining when a vessel is within effective distance of one of them. The charges which submaria them. The charges which submarine mines contain vary, as along the depth at which they are does the depth at which they are moored below the submarine mines are of little Submarine mines are of little use against torpedo boats, of the to the depths at which they are generally moored, and to spaces between them, which are large compared to the beam such small craft. The Navy use "boat mines" to aid depersonal protection against torpedo boats; these however not enter into the general scheme of Coast defeated. not enter into the general scheme of Coast defences at present though the adoption of a similar mine for the above purpose the Royal Engineers has been mine for the above purpose the the Royal Engineers has been under consideration. The contain comparatively small charges, are moored at Cr near which surface, fairly close together, and connected by cables, which

en stretched by a boat trying to run through, fire the mines chanically.

The Brennan torpedo is intended for the defence of narrow these are not likely Brennan torpedo is intended for the defence to be be. Very few installations exist, and these are not likely be added to at present.

is added to at present.

Miractions by sea are chiefly applicable to torpedo boat the largest helinctions by sea are chiefly applicable to torped on the largest set, but breakwaters are of course efficient against the largest substitution of baulks and hawsers stretched across narrow high, they are secured on either shore to anchorages, and letime to anchorages and letime. wetines receive intermediate support from piles or moored They are useless against ships, and have often been useless against ships, and have often been unless defended by gun They are useless against snips, and have shipped by gun the by even torpedo boats. Unless defended by gun boats can demolish them at their leisure.

in wats can demolish them at their resource.

the lights are provided to illuminate channels with a view that it is a resident country and to light the detection and destruction of raiding craft, and to light mind detection and destruction of raiding craft, and to light thine fields and their approaches, so as to admit of attempts thehder the mines inactive being prevented by gun fire.

Subsection III.—Summary.

general considerations which have been put forward in section are combined and summarised in the attached table.

Damage to ship-

ping, docks, and

stores.

(d)

Raid.

Section II.—Conditions affecting Attack and Defence.

| 3 | | | | | |
|------------------------------|--|--|--|--|--|
| Nature of Attack. | Probable Object. | State of Sea Power. | Class of Vessels likely to be used. | | |
| (a) Deliber to Attack. | Reduction of the fortress with a view to invasion. | Assured command necessary to the attacker. | All existing class Perhaps specially constructed vessels. | | |
| | | | | | |
| (b) Bombard- ment, | Destruction, or to produce moral effect. | Barely possible in any state. | Battleships, cruist | | |
| (c) Forcing a Passage. | To operate in in- terior waters. | Possible in any state except when de- fender holds as- | Any vessels, but probably fast ones. | | |

sured command.

state, particularly

when doubtful.

Probable in

Torpedo boats and per pedo boat destroyed perhaps accompanion by a larger vessel or breaking through structions. "Means of Defence" placed in brackets

| Probable Time. | Means of Defence applicable. | General Remarks |
|--|--|---|
| by, but may be continued by night. hay or night Night. In thick weather by day or night. | nan torpedo, and obstructions). High-angle fire guns, heavy direct fire guns. Direct fire and Q.F. guns (mines, Brenan torpedo and | Includes persistent bombardment. "Means of Defence" refers to naval attack only. Purely naval attack unlikely except against very inefficient defences. If in conjunction with land attack objective must be fairly close to enemy's base. Cannot occur at beginning of hostilities. Refers to desultory bombardment only. An unlikely form of attack by our adversaries. Applicable to very few of our coast defences. Applicable to all defended ports in proportion to their importance and nearness to enemy's bases. May occur before, almost certain immediately after, declaration of |

SECTION III. ORGANISATION FOR DEFENCE

The complete scheme of defence for a coast fortress is prepared in peace time under the direction of the G.O.C. the Distriction of the G.O.C. the Distriction of the G.O.C. the direction of the G.O.C. the distriction acting in concert with the Naval authorities. The detail scheme for the artillery defence is a matter for the person supervision and arrangement of the C.R.A., subject to G.O.C.'s approval. For this purpose he must be acquainted in those intentions and provisions of the general scheme white have a bearing on the artillery defence.

With regard to the intentions of the general scheme, most important in the first place to realise the strategical conditions which can be realised to realise the strategical to the strategical conditions which can be realised to realise the strategical to the strategical conditions which can be realised to the strategical to the strat tactical conditions which are peculiar to the fortress in questiand which affect the probabilities to the fortress in question and which affect the probabilities of attack, and the streng and nature of it and consequents. and nature of it, and consequently determine the dispositions defence which are likely to defence which are likely to be most suitable.

With regard to the provisions of the general scheme, to positions and uses of obstructions, electric lights, mine fields, if already settled, must be known to the C.R.A.; but it is publication to the control of the sake of mutual support the control of the cont better for the sake of mutual support that such measures should be arranged concurrently with the such measures should be arranged concurrently with the such measures should be arranged concurrently with the such measures should be arranged to the such that the such measures should be arranged to the such that the such tha be arranged concurrently with the artillery details by agreened between the officers responsible for between the officers responsible for them, subject to the sanction of the G.O.C.

Such extracts from the scheme of artillery defence as affect particular officers—F.C.s, B.C.s, &c.—together with information as to the extent and manual to as to the extent and manner in which they are required to co-operate with the measures of defence not under artifled control, will be embodied in the form of handy manuals called "Fighting Books," and distributed to the form of handy manuals called "Fighting Books," and distributed to the officers concerned.

They will be strictly confidential. They will be strictly confidential, be numbered and registered, giver into the personal charges, be numbered and registered, by giver into the personal charge of the officers, and returned by them on leaving the command.

The intention of this Section is to lay down such general inciples for artillery organization is to lay down such general principles for artillery organisation, fire control, and fire direct

on as may serve as a guide for the preparation locally during eace time of a detailed scheme for the artillery defence of a while fortress. It is impossible to lay down hard and fast rules which will include and be applicable to all cases. The spirit of will include and be applicable to an cases. The structions must however be followed unless very good instructions must have contrary.

Subsection I .- The chain of Command and delimitation of units.

Every fortress will be under the command of a Fortress minimander, and divided into Sections, each under a Section the defence. A section will include the portion of the whe defence. A section will include the provide defence and the Fire Commands within large. Its boundaries must be so traced as to include entire Commands. The Fortress Commander and Section Commander. hader may be officers of any arm of the service. Each section will, for artillery purposes, be divided into Fire

the land and water areas to be defended, and by the character forts and batteries which it may be possible for one officer to the land action. the guns of a fire command must never be partly in one the guns of a fire command must never be partially form and partly in another. All personnel and materiel will form and partly in another. All personnel and materiel will form and partly in another.

the guns; i.e., where officers, men, or instruments are that the guns; i.e., where officers, men, or instruments are the guns; i.e., where onicers, men, or their guns, eted in action in a different Fire Command from their guns, will still belong to the Fire Command in which their guns

will still belong to the highest unit of executive the Fire Command will be the highest unit of executive will be under an Artillery Officer styled the Fire Command will be under an Artillery Officer styled the property command, and will be under an Artillery Officer styled the Commander, who will be subject to the immediate orders and in communication with, the Section Commander. the G.O.C., R.A., or officer commanding R.A., will be employed the staff of the Fortress Commander. In some few cases the (g.a.d.1)

paucity of officers may render it necessary for the O.C.R.A act as a Section or Fire Commander, but such cases must

exceptional and exceptionally treated.

The general chain of command and the communications run from the Fortress Commander through Section Commander to Fire Commanders, with which latter officers the chain mand will run from the commence. The chain of artillery com mand will run from the Fire Commander through the Butter Commanders to the Gun Group Commanders.

The following are exceptional cases of command, and should dealt with as directed at

be dealt with as directed below :--

High-angle batteries.—The water covered by a high-angle battery or batteries will be divided into areas, each of why will have a position-finding will have a position-finding. will have a position-finding cell, and instrument under a The senior officer in a battery will be term Battery Commander.

The cell (or cells, if there is more than one water area) will innected by telephone with the Part connected by telephone with the Fortress Commander (or Section Commander, as may be necessary)

Commander, as may be necessary), and also with the high-and battery or batteries firing over the water area in question.

The Fortress Commander (or Section Commander) will control to the control of th the fire of the high-angle battery, or batteries, to the extent deciding on the water area over which fire is to be directed actual target will invariably be actual target.

actual target will invariably be selected by the Fire Commander When high-angle betternor are When high-angle batteries are employed for firing over a left. area, the fire will be conducted as laid down in siege arillery drill.

drill.

Quick-firing guns.—In action 12-prs. and under will pet the included in any chain of command, but will open fire the sole initiative of the Gun Group Commandar sole initiative of the Gun Group Commander.

For purposes of intelligence, groups of quick-firing and be connected by telephone with the post of the Fire command in whose command they may be situated, unless the can be more readily given from some contents. can be more readily given from some other post, such as a significant control of the post, such as a significant control of the post, such as a significant control of the control of the

alling station, Fortress Commander's post, or Section Comhands station, Fortress commanders post, or that no handlers post. It is to be distinctly understood that no thempt is to be made to use this line of communication for the hopose of controlling the fire in action. The fire control of the hands pose of controlling the fire in action. The mid the hands firing guns is never, in action, to be taken out of the hands who alone is responsible the executive officer on the spot, who alone is responsible he executive officer on the pening fire and selecting targets. believing fire and selecting targets.

Lectric lights.—Artillery fire at night will be assisted by beams only.

Search lights may sometimes be employed the search lights may sometime be employed. bus purpose of discovering the movements of an enemy's purpose of discovering the movements of the but only under very exceptional circumstances for wing and fighting them by artillery fire. The and fighting them by artinery me.

The electric lights are under the Section Commander, through e electric lights are under the control officer in charge of submarine mining defences.

the above instructions as to the general chain of command in ortress, and its connection with the artillery chain of comare from a circular of the Adjutant General

September, 1898.]

the extent of a battery command will be decided by local ditions in each particular case, and should not exceed that ictions in each particular case, and should not the can be efficiently commanded by one officer. It will be can be efficiently commanded by one onicer. It was seen as you consider the positions of the groups forming the tery command, and of the means of range finding provided; system of ammunition supply, facilities for internal complexity. nation, and the area over which the guns bear. The groups hing a battery command must, as far as possible, bear over same area, so as to admit of efficient fire direction by the ery Commander. ader the Battery Commander will be the Gun Group Com-

manders, the Range Group Commander (if the appointment one is considered necessary locally), and Ammunition Off These may be officers or selected N.C.O.'s, as available local Where D.R.F. is used the D.R.F. operators are also direct

under the B.C.

In the case of Q.F. guns, 12-pr. and under, each G.G.C.

be immediately responsible to the Fire Commander in which command his guns are situated, but in action will have entire

independent command as stated above.

The division of guns into groups will be governed by following principles:—The group of whatever size should complete unit, composed of guns of the same nature, similar mounted, at the same height above sea level, and command the same water. The distance of the several guns from range finding instruments should differ as little as possible position should admit of salvo fire at all trainings. Their position should admit of salvo fire at all trainings frontage should be limited to the extent which allows thorough command by the G.G.C., and the possibility of accurate ranging of salvoes. The source of ammunition sufficiently should not be common with that of a contract the same as a state of the same nature, similar the same

should not be common with that of any other group. A grown should not be common with that of any other group. A grown should never consist of one gun when it is possible to such an arrangement.

In many works great difficulty will be experienced in following the above principles, and it will be necessary to make the arrangement that circumstances recovery.

arrangement that circumstances permit.

Each gun group will be distinguished by a letter, and gun by its number in the group. Groups will be lettered right to left of a work, and guns numbered from right to left a group.

a group.

The following letters only will be used in lettering groups and will be assigned to groups from right to left in the following sequence:—A. B. F. H. I. L. M. O. Q. R. S. W. X. Z.

In the event of the existence in one work of more fourteen groups, the first and eighth, second and ninth letter

ud 80 on, will be respectively combined as a group designation,

The letter and gun number will be painted on the breech of each eletter and gun number will be painted on the control gun in white on a black ground, or black in a white gun in white on a black ground, or black in the supply and also upon the expense stores, &c., which supply group, thus $\frac{A}{1}$, $\frac{BQ}{3}$.

Regular, thus A/1, 3/3.

The appointment of Range Group Commanders will only be consulty where there are a large number of P.F. instruments. I have will then be divided into range groups in such a way as a large will then be divided into range groups in such a way as a large will then be divided into range groups in such a way as a large will be a large fliciently supervised by the Range Group was a large will be a large will badmit of their being efficiently supervised by the Range Group count of their being emciently supervised of instruments in a mander, who may have to be mounted if instruments in a homp are widely separated. If possible all the instruments in a he group should serve only one battery command, and all the struments of a battery command should belong to the same The ammunition details should, if possible, be distinct and ammunition details should belong to the same details and the same details are detailed by the same details and the same details are detailed by the same detail

hallete for the service of each battery command, so that each humition officer should be responsible to only one B.C., and B.C. have to communicate with only one A.O.

hder the G.G.C.'s are the Gun Captains.

Under the R.G.C. are the P.F. operators.

When a Battery Commander's unit is, owing to special cirnen a Battery Commander's unit is, owing the prepared to any he allotted to any he allotted to any he allotted to any commander, the Battery Commander must be prepared to charge the duties of Fire Commander in addition to his own, will be in direct communication with the Section Comunder.

h some casemated works it may be necessary to appoint hattery Sub-Commander, whose duties will be determined ally.

When gun groups are so far detached that they cannot be

conveniently included in any Battery Commander's unit, Group Commanders must be prepared to execute the dutie Battery Commander, and will be in direct communication the Fire Commander

There is however an intermediate case when it might be con venient for a B.C. to depute the fighting of a certain group his command to the G.C.C. his command to the G.G.C., keeping at the same time a gell of supervision. In this case if the supervision. In this case, if the command is being fought D.R.F. a second instrument would D.R.F. a second instrument would be required.

Similarly, the Gun Captain must be prepared to perform

duties of Gun Group Commander.

The guns forming the fixed armament should be so mould to admit of concentration of the state of as to admit of concentration of fire upon the most important portions of the areas which they are intended to defend, also, if possible, to afford mutual

also, if possible, to afford mutual protection.

High angle fire guns are mounted in batteries sometime containing several groups. They are best placed in advance the localities they are intended to defend a the localities they are intended to defend from bombardmenter that hostile ships will not be able to attack these at the extreme ranges without coming well with extreme ranges without coming well within the fire area of the guns. They should command and within the fire area of the guns. guns. They should command anchorages and roadsteads to which bombardment can be most arranged and roadsteads to which bombardment can be most arranged and roadsteads to which bombardment can be most arranged and roadsteads to which bombardment can be most arranged and roadsteads to which bombardment can be most arranged and roadsteads to which bombardment can be most arranged as the control of which bombardment can be most easily carried out, and should be concealed as far as possible for most easily carried out, and be concealed as far as possible from view from the sea.

It will be of advantage if quick-firing guns of the heather tures (6-inch and 4.7-inch) in the sea. natures (6-inch and 4.7-inch), in addition to conforming to general rules of siting for the formula to conforming to the formula to the formu general rules of siting for the fixed armament, can placed as to command at least a rules. placed as to command at least a part of the more narrow water, where illuminated with a with a second and the more narrow water. where illuminated, with a view to their aid in dealing raiding attacks by night should be their aid in dealing attacks. raiding attacks by night should a larger vessel than torphotosats or destroyers be employed by the enemy.

The main duty of the lightern

The main duty of the lighter quick-firing guns, viz., dealing ith raiding attacks by night in a distribution of the lighter quick-firing guns, viz., dealing the raiding attacks by night in the raiding attacks at the raiding attacks. with raiding attacks by night, demands for them a site wheth will compel the attacking boats to come under their fire at short ranges, and through water which ranges, and through water which can be thoroughly illuminated

heir arc of fire and the view from them should be as extensive w possible, and for this reason casemates are unsuitable to them, which a view to the protection of temporary obstructions, some of them at least should be so placed as to be able to fire on any them at the opportunity of attacking with great effect boats temporary delayed or disabled by encountering the obstructions. They should be grouped in numbers not too great to allow of ficient command by the G.G.C., and groups should be far allowed apart to prevent confusion of orders in action. As it is active, accommodation for the manning details should be

hovided in close proximity to them.
In the case of all the guns of the fixed armament, high sites highling at long ranges, they also increase the rate of fire. But high the lighter quick-firing guns other considerations intervene, had a the present automatic with the lighter quick-firing guns other considerations intervene, had a the present of dead

the lighter quick-firing guns other considerations intervene, but as the necessity for short ranges and the absence of dead later. Their height, however, should be sufficiently great permit the use of automatic sights at decisive ranges.

The positions which can be occupied most advantageously,

The positions which can be occupied most advantage of the positions which can be occupied most advantage of the armament for a tactical point of view, by the guns of the armament for selected defence should be carefully studied, and the proposed worked out and recorded. They should be assigned to fire the control of the positions. The weight behind the teams in the case of the told off to the light armament for general defence should be the control of the control of

Subsection II.—Fire Control and Fire Direction.

The sole test of a perfect artillery organisation is the power dilbited by the defenders of any unit, whether section, battery onmand, or group, to direct upon an indicated target at the

shortest possible notice a rapid, accurate, and effective fire,

to maintain that fire until its object is secured.

The arrangements for and procedure in carrying out fire cont and fire direction, on the adequacy of which this power great depends, vary to some extent according to the tactical use of guns to which they refer guns to which they refer. They may therefore be convenient treated under the tactical headings by which the guns have be classed in Section II classed in Section II.

(a) Direct Fire Guns.

In the case of the direct fire guns of the primary armament (except those provided with special case shot for defence again raid, when so used), the Fire Commander is charged with control: this includes:-

On assuming command.—(1) The settlement, if not alread titled, of the general limit settled, of the general lines on which action is to be taken under the different conditions the different conditions of attack, and as far as possible of details, such as projections. details, such as projectiles to be used, and ensuring the entry of Fort Record Books of all some that the entry of the conditions of all some that the conditions of the condi Fort Record Books of all permanent orders relating to the about of Before, and during received for the about of the about

Before, and during action.—(2) If possible, identification the class of vessels attacking, and communication of this information to BC's

mation to B.C.'s.

(3) Selection of the target or targets to be engaged by each Battery Command, and indication of these to B.C.'s both at commencement of and discounter of these to B.C.'s both at commencement of, and during action.

(4) Ordering the commencement, or cessation of fire. The Battery Commander is charged with fire direction, which cludes:—

includes :--

(1) Acting on and transmitting to his groups and R.F. servers the orders of the F.C. observers the orders of the F.C. as to the target to be engaged and the commencement and constitution to the target to be engaged. and the commencement and cessation of fire, and seeing that they are carried out.

(2) Ensuring that projectiles are used suitable to the class of

vessels engaged.

(3) Maintaining an effective fire for as long as the F.C. wires it to be kept up.

The the case of the direct fire guns belonging to the armament the case of the direct fire guns belonging to the constant of the short which are intended to aid in resisting raid, the numbers which which are intended to aid in resisting raid, the numbers which which are intended to aid in resisting under which they are which are intended to aid in resisting raid, the number which they are hich they exist, and the conditions under which they are by to be used vary so considerably as to make it inexpedient by down even general principles for their fire control and fire the control and fire the control and supplies what however be determined locally down even general principles for their fire control and section. Such principles must however be determined locally formulating schemes of defence, and details elaborated as far hossible with due regard to the tactical requirements of each

(b) High Angle Fire Guns.

The system of fire control and fire direction are the same as the system of fire control and fire direction are the same in the direct fire guns of the primary armament, except that diffication of ships becomes of less value, and the necessity choice of projectile and indication of target by B.C.'s to its does not occur.

(c) Quick-Firing Guns.

and 4.7-inch Guns when not used for defence against raid. the control and fire direction of these guns will, under the we control and fire direction of the same lines as laid wh circumstances, be conducted on the same standard armanum under (a) for the direct fire guns of the primary armanum that the bar are used with automatic with the exception that when they are used with automatic the G.G.C. will become responsible to the B.C. for that the G.G.C. will become responsible to the maintenance of the fire direction (3) which refers to the maintenance of effective fire.

th and 4.7-inch Guns when used for defence against raid (as the case of a larger vessel accompanying torpedo boats and lestroyers), and other Q.F. guns at all times.

this case fire control includes only general dispositions

previous to action; fire direction includes all those full which are necessary for all those full includes all those full incl which are necessary for absolutely independent execution command during action.

Fire control will be exercised by the F.C., who, on assurcommand, will settle (if this is not already done) the get lines on which action is to be taken, and as far as possible details, and as possible details, and as far as possible details. details, and ensure the entry in Fort Record books, or else if more convenient, of all permanent orders relating to above.

Fire direction will be vested in the G.G.C., and will countries

(a) Carrying out the general instructions given previous action by the F.C. or permanently settled by the scheme (b) Selecting targets and indicating them to his GC rapid fire "is used).

"rapid fire" is used).

(c) Determining the class of projectile to be employed.

(d) Ordering the commencement and cessation of fire (e) Maintaining an effective fire from the earliest possible

moment, and for as long as possible.

Where machine guns are mounted with the lighter Q F. of the defence against Raid their C. for defence against Raid, their fire control and fire direction conform in all respects to that of the guns.

Subsection III.—The System of Communications.

These being governed by the chain of command, will replace the second se follows :--

(a) From the Fortress Commander to the Section anders. manders.

(b) From the Section Commander to the Fire Commanders. (c) From the Fire Commander to the Fire Commanders (d) From the Battery Commander to the Battery Commanders (d)

(d) From the Battery Commander to the Battery Commander to the Range Groups, e Gun Groups, and to the the Gun Groups, and to the Ammunition Officer.

(e) From the Range Groups to the Gun Groups.

From the F.C.'s post, look-out station, or other convenient of 'From the F.C.'s post, 100K-out station, or other control of the each group of Q.F. guns, 12-pr. and under, for purposes

Subsection IV .- Command Posts.

Subsection 1... Subsection 1... Such accommodations must be selected locally for command posts for the Commander and Battery Commander. Such accommodated if Commander and Battery Commander. Such accommodated and if necessary protection, should be provided at the ted positions as would tend to facilitate the carrying out of duties required of these officers and their staffs in action. duties required of these officers and their stans in accounting following general principles should be observed in the section of positions for command posts:—

The F.C.'s Command Post must be at some point from which the whole of the water area over which the F.C.'s Command Post must be at some post. Rules bear. There should be combined with this as extensive bear. There should be combined with this as extensive was possible of water over which vessels of any type may was possible of water over which vessels of the works under heach the defences. It is advantageous that the works under heach the defences are the works under Command should also be clearly visible. A high site is to be formand should also be clearly visible. A sign sate deferred for the F.C.'s Command Post so as to give an extended by the use of the rangehd: to seawards, and greater accuracy in the use of the rangeof the Beawards, and greater accuracy in the use of the staff of the F.C. for which accommodation must be provided for him. skaff of the F.C. for which accommodation in the skall skall of an officer or other assistant according to local circumstants of an officer or other assistant according to local circumstants of an officer or other assistant according to local circumstants. these, an officer or other assistant according to rock these, an observer at his instrument, if provided with one, there are operators, orderlies, and signallers, as required locally. The B C's Command Post must be at a spot from which he can y see the whole of the water over which his guns bear, observe his fire. For the sake of efficient supervision and transmission of orders, it should also be in close proximity heransmission of orders, it should also be in close purely by granger and afford a good view of them. Where he is may be required to be used, the B.C.'s post should be if wible immediately adjacent to the D.R.F. station, and for purpose it may be necessary, so long as black powder is and where there is more than one D.R.F. station, to

The about provide alternative command posts for the B.C. quirements are not applicable in the case of high angle fire

Subsection V.—Lighting of Works.

Means will be provided of illuminating all works to enal the guns to be fought at night when necessary.

Experiments have proved that although the lights of a forth can be observed from the sea, they will not under normal of

tions enable an enemy to direct his fire upon any given work.

Advanced works which Advanced works which, owing to the siting of the position of P.F. cells, &c., may offer well defined marks for enemy's guns, should be lighted up with caution. Experiment in each locality can along determined. in each locality can alone determine the extent to which light can be safely carried, and the best means to be adopted to set the lights so as to prevent the set with the set means to be adopted to set the lights so as to prevent the set with the set the lights so as to prevent the identification of the works.

Subsection VI.—Storage and Supply of Ammunition.

The mode of storage and supply of ammunition varies if different forts, according to their nature, size, &c.

There are usually, however :-

Expense cartridge and shell stores, for immediate supply the guns.

Main magazines and main shell stores, from which such expense stores would be made in the stores. pense stores would be replenished when necessary.

The filling up of expense stores from the main magazine would usually take place at night, or when the fort was not action.

Cartridges for all heavy guns are contained in zinc cylinders and are stored in the main magazines and in expense cartridges stores.

Shell are always stored, filled, in the main and expense she stores.

173 PART II .- Coast Defence.

Section III .- Organisation for Defence.

Shot are usually piled in rear of, or between the guns. T_{ules}^{mot} are usually piled in rear of, or occurrent T_{ules}^{mot} and fuzes are kept in main or expense shell stores. An expense and dates, so A west and fuzes are kept in main of carthe even results in shooting.

hether the guns are served directly from the main

hods of supply:--Where the stores are on the same floor with the guns. Where the stores are on the same nor where the ammunition has to be sent up to the gun-floor

lifts from stores below. of the form stores below.

In existing open batteries, as a rule, the former system prelight existing open batteries, the system in casemated works, and in some open batteries, the
light to bring the ammunition the same so situated as to require lifts to bring the ammunition

the gun-floor. where lifts are used, they should be marked, both above and where lifts are used, they should be marked, both above and be with the group letters and numbers of the guns which are always provided where lifts

w, with the group letters and numbers of the guan manager, with the group letters are always provided where lifts shed. The route of the ammunition from the stores to the of the lifts should be also distinctly marked with directing

^{™8}, &c. where expense stores exist, they are told off to certain guns From expense stores canse, and the store should never, if it can possibly be held, be used for more than one group.

These will be marked in the same manner as the guns which

"y supply.

where there are no expense stores, the guns must be supplied ammunition from temporary depôts placed in the most dered spots available, and refilled from the main magazines shell stores.

artridge and shell recesses are found in many works. These usually situated in the parapet or traverses.

the arrangements for the supply of ammunition must be that no check is likely to occur.

ven the expense stores, however, cannot always be relied

on to meet the current demand of projectiles during act The rate of supply would generally be far too slow and carious. Sheltered and convenient places on the gun-floor near the emplacements, must be selected as depôts, where would be placed before coming into action. Where shell der are exposed, the danger of explosion can be minimised placing a Palliser shot on sixty. placing a Palliser shot on either side of a common shell.

Cartridges can generally be supplied quicker than shell necessary, depôts must be selected for them in the manner. The most sheltered places must be reserved for them in the cartridges. A shrannel bull of the places must be reserved for the places must be reserved cartridges. A shrapnel bullet with a very moderate velocity will explode a zing order. will explode a zinc cylinder containing either P. or P.2 powders. but the L.G. powders are comparatively safe. Prism browler, if struck by a bullet with a high velocity, burn, but not explode, nor will it set fire to another cartricely cylinder within 6 inches of it. cylinder within 6 inches of it. Cylinders containing P. of if struck by a bullet will say it. if struck by a bullet will explode each other if less than 6 part.

In some batteries the ammunition can be served direct from

the stores. The track of the shell barrows should be made direct and easy as possible.

With Q.F. guns the necessity for rapid and continuous ammunition is most urgent. of ammunition is most urgent. Recesses or depôts in sheller adjacent to continuous sulphy. positions immediately adjacent to each gun should be arrange and shalls both for cartridges and shells, and be capable of holding a liberal supply. The supply to and liberal supply. The supply to each gun should be from its of the first plants and those of the first plants and the first plants and the first plants are supply to each gun should be from its of the first plants and the first plants are supply to each gun should be from its plants. recesses or depôts, and these should be filled up before action

and kept filled during action from the group expense stores. Whatever the means provided for the supply of ammunit there should be careful study, in the case of every gun, of particular requirements in the case of every gun, ange particular requirements in this respect, and detailed arrangements must be made leadly designed. ments must be made locally during peace time, both with regard to the disposition of annual in this respect, and detailed arranged to the disposition of ammunition details and material, to that want of ammunition shall never check the rate of fire-

Subsection VII.—Electric Light and Obstructions.

SUBSECTION VII.—Electric Light and topedo with the lights will, as a rule, be used only in connection with the light by topedo boats and topedo dectric lights will, as a rule, be used only in control torpedo against raiding attacks by torpedo boats and torpedo against raiding attacks by torpedo frame fields. destroyers, or to aid in the defence of mine fields. the purpose of defence against raiding attack, lights may the purpose of concentrated beams. The former will be set divergent or concentrated beams. ther divergent or concentrated beams. The former at invariably fixed and used to illuminate only certain hite areas. The latter may be either fixed or search lights. In attacks by large war vessels are not probable, and attacks by large war vessels are not probable, and of attacks by large war vessels are not recognificated principally the use of electric lights must be considered principally regards their connection with Q.F. guns, and not with the armament of a fortress, unless they are provided with case shot for this particular purpose. The clase shot for this particular purpose.

by a effective range of electric lights is a matter which it is

Much depends on the weather, difficult to settle definitely. Much depends on the weather, amount of dispersion given to the beam, the height at the projector and the observer or guns are placed, and me projector and the observer or guns with reference to the light. a 10° dispersed beam from a projector of service pattern, the Projector is near sea level, and the observer has a brojector is near sea level, and the constitution is peralte command but is fairly close to the projector, it is able that about 800 yards is the extreme effective range, that about 800 yards is the extreme effective range.

the from the projector of 4,000 yards and upwards. In the of concentrated beams the effective range is extended, but Concentrated neams the encouve range. Thick weather renders ric lights almost useless, except at very close ranges, and lis reason would if possible be selected for attack.

Is therefore necessary that boats should be obliged, in to push home their attack, to pass over water which is at

ing the observers or guns in a forward position and well to The observers or guns in a round property and in the of the beam increases the effective range, and in the of the beam mereases the enective renge, and off an observer or guns considerably in advance of the property objects may appear sufficiently well illuminated at a

close range from the electric lights. That fire may be effect under all conditions of weather, the range from the guns shi also be short. To obtain these advantages for the defence generally necessary to narrow artifacts. generally necessary to narrow artificially the waters throw which attacking boats must pass, or to temporarily close the altogether. This is done at the same pass, and the same pass and the same pass are the defence of the same pass. altogether. This is done either by some form of perman obstruction, such as breakwaters or piles, or by temporary structions, such as booms. Where traffic demands it, which be the case almost without be the case almost without exception, an entrance or gate must be left, and this would probably be closed only at this entrance is liberty to be set to be set only at the set of the set o This entrance is likely to be a weak spot, and its protection would demand especial forether would demand especial forether would be a weak spot, and its protection with the special forether would be a weak spot, and its protection with the special forether would be a weak spot, and its protection with the special forether would be a weak spot, and its protection with the special forether would be a weak spot, and its protection with the special forether would be a weak spot, and its protection with the special forether would be a weak spot, and its protection with the special forether would be a weak spot, and its protection with the special forether would be a weak spot, and its protection with the special forether would be a weak spot, and its protection with the special forether would be a weak spot, and its protection with the special forether would be a weak spot, and its protection with the special forether would be a weak spot, and its protection with the special forether would be a weak spot, and its protection with the special forether would be a weak spot, and its protection with the special forether would be a weak spot, and its protection with the special forether would be a weak spot, and its protection with the special forether would be a weak spot, and the special forether would be a weak spot, and the special forether would be a weak special forether would be a weak special forether with the special forether would be a weak special forether with the special forether would be a weak special forether with the special forether would be a weak s would demand especial forethought and vigilance. The win in front of it, and of the obstructions generally, should thoroughly well lit up, while the grant generally, should be the grant generally. thoroughly well lit up, while the guns and the obstructions themselves should be in darkness. At the same time to disposal of the lights if it can be avoided. The disposal to be aimed at is such as will tend to conceal from the boats positions of the guns until they open fire and for the disposal of the guns until they open fire and for the disposal of the guns until they open fire and for the same time. positions of the guns until they open fire, and of the obstruction general, and the gateway in specific and of the obstruction general, and the gateway in specific and of the obstruction general and the gateway in specific and of the obstruction general and the gateway in specific and of the obstruction general grant in general, and the gateway in particular. Maneuvres the shown that boats, even when the court is the shown that boats, even when the court is the shown that boats, even when the court is the shown that boats, even when the court is the shown that the same is the same i shown that boats, even when thoroughly acquainted with port, are likely to experience great difficulties in finding way, especially in thick weather, if proper dispositions are part the inner edge of the illuminated water are part of the inner edge of the illuminated water the illumin The inner edge of the illuminated water should almost collections with the outer limit of the days are purely with the outer limit of the days are purely to the should almost collections. with the outer limit of the obstructions, otherwise the which have succeeded in passing the light may attempt the destruction of obstacles under destruction of obstacles under cover of the darkness, the brought up by the obstructions, may be out of view from guns. A boat attempting to absence the darkness, of the guns. A boat attempting to charge obstructions would illy ably go at full speed, and if warmen obstructions would then the state of the speed and if warmen obstructions would then the state of the speed and if warmen obstructions would be stated to the speed of the ably go at full speed, and if unsuccessful at the first attention must retire some distance in colorada. must retire some distance in order to get up speed for a gecon rush. The arrangements of the get up speed for a get get up speed for The arrangements of the lights should prevent possibility of boats being able to do this unobserved.

Advanced concentrated beams, both fixed and search, terms

cutry beams," are likely to be of great help to the defenders detecting boats, and giving warning of their approach to the The power of early detection which their use confers on The power of early detection which their use con-defence would also probably have an influence on the tactics be boats by compelling them to pass at full speed through waters which the lights may cover, and so further expose selves to detection from the noise of their engines, and a from the flame at their funnels. In from the flame at their runners.

The continuous illumination which will be required of them a task which peace continuous munimation which stack which peace lights in war time imposes on them a task which peace Ights in war time imposes on their transfer of the lights in war time imposes on their transfer of the lights in war time imposes on their lights in the light in the delives have shown them to be often unequal to.

lik down of individual lights is at present inevitable. Lights therefore be disposed if possible in pairs, so that the therefore be disposed if possible in pairs, so that the horary breakdown of one or two of them may not be so that a disadvantage to the defence. The projectors of each should however be sufficiently far apart to prevent damage to the from a single shell. A shell of the same power as that the 4.7-inch Q.F. is probably the most powerful which need that the connection as guns of this calibre are the emaidered in this connection, as guns of this calibre are the cest carried by craft of the class likely to be used in raiding

Subsection VIII.—Minefields.

The minefields must be so chosen that they can be protected gun fire, otherwise any of the methods of rendering mines tive referred to in Section II can be used at leisure. For burpose the employment of electric lights as mentioned in section VII of this Section and of the Q.F. guns is a essity for efficiency. Failing Q.F. guns, however, recourse be had to heavy guns firing special case or even shrapnel, at fixed elevations and trainings so as to cover the mine-They would probably be useful against attempts at

ring a minefield by the slower methods, but have little effect hast countermining craft.

(g.a.d.1)

Subsection IX.—Regulation of Traffic in Defended Ports

The following general rules have been approved for regulation of traffic and the safety of vessels in a defend port in time of war. Arrangements based on them, and accordance with the authorised printed "schedule" issued certain ports to officers concerned, must be made in peace and the officers who would be and the officers who would be charged with carrying them hi in time of war must be well acquainted with the duties would fall upon them. would fall upon them :-

1. As it is necessary to maintain trade as far as possible in of war, the removal of buoys and lights can, under no circustances, he allowed

stances, be allowed.

2. Anchorages should be easy of access and safe from rail attacks by torpedo boats, and must therefore be inside defences provided to meet such form of attack.

3. In order that none but friendly vessels may gain access urbour, "examination and results and the same access of the same acc harbour, "examination anchorages" are selected for all defeit,

4. The "examination anchorage" of a port is the position tside the main mine fields where " a port is the position of the posi outside the main mine fields where all vessels will, in time war, have to bring to for examination war, have to bring to for examination; the inside limit of area is called the "examination limit of the area is called the "examination" in the area is called the "examina area is called the "examination line." This line will be draw through a battery or work at least the same and the draw through a battery or work at least the same and the same at least the sam through a battery or work called the "supporting battery, being beyond it no vessel will be allowed to pass without identified and if identified, and, if necessary, examined by an official called "Examining Officer" "Examining Officer."

5. All officers of the Royal Artillery must know the Position the examination anchorage and the royal transfer the second of the examination anchorage and of the examination line for the port at which they are stational port at which they are stationed, and be acquainted with signals prescribed locally for the stationed. signals prescribed locally for day and night se for the purple of stopping vessels, of passing them as friendly, and of givin alarm.

6. Vessels will bring to at the examination anchorage until th

reive permission to enter the port; a secret signal will then booked by each vessel passed in and by the examining vessel above that permission has been granted.

Any vessel attempting to enter the port without permission be first warned by a shot fired across her bows from the porting battery; if this is disregarded she will, on crossing examination line, be treated as an enemy both by batteries mines without further question.

Vessels obviously hostile, or signalled to be such by the mining vessel, will of course be fired at as soon as their facter becomes known, without waiting for them to cross the mining interest of the property of the state of the property of the property are given.

After examination and the grant of permission, a friendly. After examination and the grant of permission, a friendly. After examination and the defences by a pilot supplied the examining officer.

In exceptional cases, when weather will not permit vessels to point the examination ground, they may be permitted to without examination, the examining officer or his assistant alling accordingly to the shore; when possible however an uning vessel should provide pilotage for each vessel arriving the port, although it may not be possible to board her.

In examination and conduct through the defences of the examination and conduct through the defences of the sone, and elsewhere by the local harbour authority.

These regulations will not be enforced at home without the royal of the Admiralty, or abroad without competent Naval royal whenever such is available.

War the artillery defence of our coasts and harbours will in a great measure on the Militia and Volunteer Artiller (g.a.d.)

These forces should therefore be trained with special refere to the work they will be called upon to man on mobilisation, individual officers, N.-C. officers and men should be allotted certain specific duties, and be rigidly kept to those special du while training.

These duties should be such as the Auxiliary Artillery the best opportunities of practising and keeping themselve conversant with in time of peace, such as the fire direction, service of the more conversant. service of the more common guns either of the fixed armaner or of the armaner for

or of the armament for general defence.

On the arrival of corps on mobilisation, steps should at taken to perfect the taken to perfec be taken to perfect the training of each in the duties allotted it, or to extend this training if

it, or to extend this training if required. It is not desirable during peace time to attempt to it auxiliary artillery at Q.F. guns, as such training can only of use when carried out continuously, thoroughly, and conditions approaching those of service. Facilities in this direction do not exist in the case of annual property. tion do not exist in the case of auxiliary artillery, and desultory training with OF desultory training with Q.F. guns could only be given at the expense of that with other guns which they would first be called upon to man. On mobilisation because the part of the called t upon to man. On mobilisation, however, it will be advisable at once train a proportion of the model of the mo at once train a proportion of them at Q.F. guns, so that in event of the number of regularization. event of the number of regular artillery available being decrease owing to the needs of foreign owing to the needs of foreign expeditions after the outbreak war, there will be militie or relations war, there will be militia or volunteers competent to take places. Circumstances of this many competent to take places. Circumstances of this nature cannot arise until time after mobilisation, so that ample opportunities for training could be afforded. Definite and the could be afforded. could be afforded. Definite arrangements for the distributed training, accommodation and arrangements for the distributed training, accommodation, and supply of militia and volumed details should be made details. details should be made during peace time, and permanent recorded.

Subsection XI.—Fort Record Books.

It is of the utmost importance that in every fort a permane

Section III .- Organisation for Defence. the should be kept of all details of the fort, its general object, ford should be kept of all details of the fort, his general variety, and armament, as well as all details connected with its salisation, both in peace and war, which should be in accordance with the provisions of the Defence Scheme.

will therefore be the duty of the officer in charge to keep will therefore be the duty or the one. ... details of the above nature in the Fort Record Book, Army

127, so complete that an officer on taking charge will all information he can'require ready to hand, and in the all information he can'require ready to hand, and in the set detail. It must be clearly indexed, kept as confidential, produced at the General Officers' inspection. The book would contain copies of the plan of the fort and of the Battery nmander's chart or charts. It must also contain details of all the information referred to this Manual, so far as his fort is concerned (so that if manning other tables are lost, or figures in the gun emplacements or ge-finding stations are erased, they can be immediately tored), also details on the following points, among many

hers that will suggest themselves as useful, viz.:— General description and object of the work, and its relation. other works in the same scheme of defence. Details of construction, such as thickness of cover or walls of gazine and ammunition stores, material and thickness of leds, nature of parapet, &c. Concise account of all changes that may occur in the struction or armament of the work. Height and set of tide, depth of channels, landing places, cilities for landing men or stores, and local features generally.

Barrack accommodation or camping grounds for garrison on bilisation, water supply. implacements and positions for electric light, quick-firing and chine guns, or armanent for general defence on land or sea front. A detail of the ordnance in the fort, how mounted and how

ouped, and range and position-finding arrangements. full information as to communications, illustrated by drawings,

both as connecting the battery commander with the fire mander and with his own subordinate officers, and also as to nature, extent and purpose of all telegraphic or other commit cations.

A detailed account of the manner of fighting the fort und various conditions of attack.

: Actual contents and capacity of cartridge and shell stores magazines. Ammunition stores to be referred to on the plath Position of mine fields, with elevation and trainings for of

to sweep them. Transport and labour available on requisition, and where

can be procured.

Under the heading "Preparations for Defence" should inserted the names of the corps destined to form the garrison the fort on mobilisation, the approximate number of officers men to be expected, and a general statement of their distribution and duties. Also a statement of their distribution. tion and duties. Also a statement of their distribution and duties. Also a statement of the preparations to of made when war is imminent. These include the construction of additional traverses shelters and its include the construction of additional traverses, shelters, and blindages, the formation ammunition depôts, if not already distances the formation depôts. ammunition depôts, if not already done, construction of mind entanglements, provision of months. entanglements, provision of mantlets, if not already in position the strengthening of parameter and the strengthening of parameters and the strengthening of th the strengthening of parapets, provided this can be done without making them more committee and the committee of the committe making them more comspicuous, and generally the performant of such work as shall tend to increase the strength of the and to render its capture by account

and to render its capture by assault or surprise more difficult The elevation and training of the various guns and groul the ominent objects, and in the case of prominent objects, and in the case of a narrow channel to mid-channel line on various training mid-channel line on various trainings.

A part of the book will be used as a journal in which mile recorded, as they occur all the same as a journal in which miles be recorded, as they occur, all transactions permanently affecting each work or likely to be historically affecting or each work or likely to be historically or technically of use or interest to future commandiate. interest to future commanding officers. This book will be added to the carefully up to date by the officers. carefully up to date by the officer in charge himself, of under lock and key in a box permanently fixed in such a building of

ert of the fort as he may consider safest and most suitable. be open to the use of the officers of Royal Engineers the charge of the district in which the fort is situated.

officers in charge will make themselves masters of the contents this book, and will be responsible for its safe custody, and the secthe special should point out to the C.R.A. for reference to the Sec-Should point out to the C.R.A. for reference to Commander of the Fortress Section any points that cannot be commander of the Fortress Section any points that cannot be commander of the Fortress Section any points that cannot be commander of the Fortress Section any points that cannot be commander of the Fortress Section any points that cannot be commander of the Fortress Section any points that cannot be commander of the Fortress Section any points that cannot be commander of the Fortress Section any points that cannot be commander of the Fortress Section any points that cannot be commander of the Fortress Section any points that cannot be commander of the Fortress Section any points that cannot be commander of the Fortress Section any points that cannot be commander of the Fortress Section any points that cannot be commander of the Fortress Section and the F Commander of the Fortress Section any points that carried out, or that are capable of improvement, but they not alter it without permission.

The "officer in charge," herein alluded to will be the

countant for the work.

SECTION IV.—CHARTS, MAPS, AND TABLES.

Subsection I .- Section Charts and Maps.

A thorough knowledge of the sea and land areas in vicinity of a fortress section is necessary to those entrusted will see the latest Admiralty charts and ordnance maps are supplied.

From the Admiralty charts one should be prepared for use of the artillery adviser of the Section Commander (if one appointed) or Senior Fire Commander, showing the arcs of the and effective range of each fort or battery in the commandial undefended spaces, channels, shoals, important soundings, point of mine fields, and of obstructions or fixed posts, if used.

All other useful information, such as the distances of perplinent and conspicuous objects, should also be shown.

The sites decided on (and recorded in the general scheme of defence) for the armament for general defence under differ the conditions of action that may arise, should be marked on

The chart should have trainings marked on it, oriented to the recognised meridian, in order that by means of a graduated straight edge or pivoted arm, used in connection with a range finding instrument, it may be capable of determining the position of a target, and thus show what guns can be brought to bear.

For the land front of a fortress section a map (the ordnance hap on the fand front of a formess record to half of the fand front of a formess record to half of the fand front of all of the fand front of the lich records the arcs of fire and effective ranges of all guns nounted for land defence, the distances to all prominent and portant points, the sites for works for the armament for elegral defence, and the positions decided upon for the light tion of the same under various conditions. These charts and maps should be mounted on boards, and hen not required for use should be kept in a secure place. hands should also be made in every fort or battery showing position of the guns, ammunition stores, magazines, lifts, Position of the guns, ammunition stores, and guns are stoles, &c. Such plans should show how the various guns are holes, &c. Such plans shound show how the shell and cart-Response should be made out on as large a scale as is conblient, the guns and their ammunition stores being shown on plan by their letters and numbers. The plan should also ow the places of parade for manning details.

Subsection II .- Fire Commander's Chart.

A chart for each F.C. will be prepared in the following lanner:—
A chart of the several forts and batteries in a fire command of the water area covered by the fire of their guns is drawn as acale of 3 inches to the mile, and divided into squares of yards side, drawn north and south, and numbered as shown the plate.
In order to facilitate the work of preparing charts, paper, in order to facilitate the work of preparing char

order to facilitate the work of preparing charts, paper, squares on it to the above scale, is issued as part of the purtenances of D.R.F. instruments.

Each work in the fire command is given a clause of the

Each work in the fire command is given a colour, and the tares on the chart are divided into longitudinal strips, one for the work and one to spare.

The strips, or portions of them, in each square covered by effective fire of a work are given the same colour as that allo to the work, the shade deepening in proportion to the number of manuscripts have of groups which bear. The spare strip is for the number of square.

The position of the Fire Commander's station is shown on chart, and from this angles of trainings are marked, and call read by means of a metal pivoted arm. This arm is gradua

in vards to the scale of the chart.

By means of this chart, used in connection with a D.R.F. F.C.'s observing instrument, a Fire Commander is shown fire area of each group of guns in his command, and can

see what nature and number of guns can bear upon any targ The D.R.F. must be oriented to agree with the train on the chart (that is, when it is directed due north the read on the graduated arc should be 0°) and the range and training the target taken. By means of the pivoted, graduated are worked for him by an assistant, the F.C. is enabled to find square on his chart occupied by any vessel which comes with his fire area, and may sometimes be able, by sending the number of this square to the Batter of of this square to the Battery Commander (to be passed of the Range and Gun Groups concerned) to indicate the target

wishes any unit to engage. A Fire Commander is thus helped to maintain fire control his command.

Subsection III.—Battery Commander's Chart.

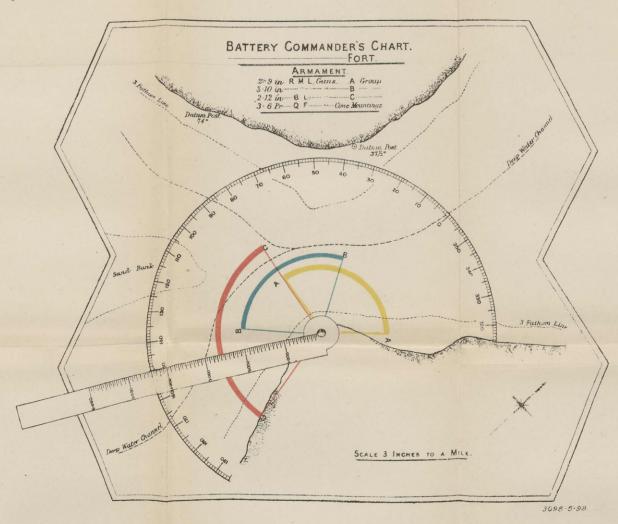
For the use of the Battery Commander's Chart. prepared, showing, in different colours, the extent of the arcs effective fire of his several grants. effective fire of his several groups of guns, as limited by power of the pieces and by the elevation permitted by mounting and norts. See Plate and ports. See Plate.

The position of the B.C.'s command post is marked on the chart and at this point a metal arm, graduated in yards,

FIRE COMMANDER'S CHART.

| | | 4.5 | 40 | 3.5 | 30 | 2 | 25 29 |) | 5 10 | | ^ | 0.55 | | | | | | | | |
|--|--|--------|---|----------|---------------------------------|--------------|------------|--|---|---|---------------------------------|------------|------------|---------|-----------------------------------|--|-----------------------------------|--|---|---|
| 1 | The state of the s | | | | | | 1 | , | 0 | 3 | | 355 | 350 | 345 | 340 3 | 335 33 | 30 | 325 | 320 | |
| S | Table | e (Fo | rt X | Blue. | | 1/ | | | C | | | 1 | | | AND PRODUCTION OF THE PROPERTY OF | The second of the second | | The same of the sa | nonderness freezen freuenze | 1 |
| 1 | of | 1 | | Brown | 1 | 1/ | 166 | 167_ | 168 | 169 | 170 | 171_ | 172 | 173 | 174 | 175 | 176 | 177 | 178 | 1 |
| | Colow | | | Red. | 1 | 4 | | | | | | | | | | | | | | H |
| | | a (99 | Ad | . Itea. | | + , , | 6 | C | C | | | - | - | | | | | | | 1 |
| | | | 1 | 1 | 1 /- | 1 | - | - | | 140 | | 1 | | | | 1 | | | | 1 |
| | | 1 | 1 | 1 | D.R.F | 145 | 146 A.B | 147 | 148 | 149 | 150 | 151 | 152 | 153 | 154 | 155 | 156 | 157 | 158 | H |
| 5 | | i | ! FO | RT X. OB | J | | _ A.B | A. 8 | -A.B | A.B | * | 4 5 6 | | | | | | | | H |
| 1 | | | + | D.R.S | 1 | | B.C | B.C | B.C | B.C | B.C | A.B.€ | A.B.C | A.B.C | A.B.C | A.B.C | A.B | | | H |
| | | | | ! / | 124 | 125 | 126 | 127 | 128 | 129 | 130 | | + | | | | | | process couldn't common success | H |
| PA STREET | | 1 | 1 | 1/-7- | B | A.B | A.B | A.B | A.B | A.B | | 131 / A | 132 | 133 | 134 | 135 | 136 | 137 | 138 | H |
| Correction | | 1 | 1 | 7 | | 1 | | - 2.0 | - A.D | A.B. C | A.B.C | | | | - | 1 | | | | |
| 1 | F.O.S. FOR FORT | XOCO | 1 | A | A.B | A.B.C | A.B.C | A.B.C | A.B.C | A.B.C | A.B.C | A.B.C | A.B.C | A.B.C | A.B.C | A.B.C | A.B | /A | | H |
| - American | | 083/ | 102 | 103 | 104 | - | 106 | | | | | 1 | | | | | | | | M |
| - Common of the last of the la | / | Y | 1-7- | B | B | 105 B A.B | | 107 A.B | 108 A.B | 109 A.B | 110 A.B.7 | 111 | 112_ | 113 | 114 | 115 | 116 | 117 | 118 | M |
| Personal | / | | and was some | † | Charles Spring, Anniber service | | | | B.C | B.C | A.B.C | A.B.C | 400 | | | | | | Difference research ordereds and | |
| Total Services | | | / A | A A.B | A.B | 1 | A.B.C | A.B.C | A.B.C. | A.B.C | A.B.C | A.D.L | A.B.C | A.B.C | A.B.C | A.B | A.B | A | A | 1 |
| - | 80 | 81 | 82 | 83 | 84 | 85 | 86 | 87 | 88 | 89 | 90 | 91 | 92 | | | | | | | - |
| 1 | | 7-7- | B | B | B | B | A.B | A.B | A. B | A.B | TA | - A | | 93 | 94 | 95 | 96 | 97 | 98 | |
| 1 | | - | | | armed attention to the same | -40 | | B.C | B.C | B.C | B.C | A.B.C | A A.B.C | A | 1 | ļ | -7 | | | - |
| No. | | . / | A | A A.B | A.B | A.B | A.B.C | A.B.C | A.B.C | A.B.C | 1 | 7.0.0 | 7.8.0 | A.B.C | A.B.C | A.B | / A | A / | | H |
| 1 | 60 | 61 | 62 | 63 | 69. | 65 | 66 | 67 | 68 | 6.9 | 70 | 71 | 72 | 40 | | | | | | 1 |
| | - | 7 8 | B | B | B | B | A.B | A.B | A.B | ABTA | A | A | A | 73 A | 74 | 75 | 76 | 77 | 78 | H |
| 1 | | | | | | | | _ c | C | B.C | Married Street, Squared Street, | B.C | A.B.C | A.B.C | | | | | | 1 |
| Second | | _ A | A | A A.B | A.B | A. B | A.B.C | A.B.C | A.B.C | | | | 71.2.0 | A.D.C | j A.B | IA | A | | | H |
| - | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 | 51 | 52 | 53 | 54 | 55 | | | | H |
| 1 | | B | _ B | 8 | B | 8 | 8 | A.B | A.B | TAT- | A | A | | + | | | 56 | 57 | 58 | 4 |
| 1 | - | | | | | | (C | C | C | - c | B.C | B.C | A.B.C | A.B.C | 7 A.B / | AT | | | | H |
| 1 | 20 | A | 22 | A.B | A.B | A.B | A.B | A.B.C | A.B.C | | | | | | 1 | | | | *************************************** | |
| The second | | | AA | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 2.17 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | | | - |
| 1 | | | | | B | _ B | B | A.B | ZA | | | | | | | | | | | |
| 1 | A | A | A | A.B | A.B | A.B | 4.5 | | C | | C | C | B.C | 1 | 7 7 | | P.F.O. 5 POR | FORT 7 | | |
| 1 | 0 | 1 | 2 | 3 | - | 5 | A.B | | | - | | | | | | | Andrew Constitute opposite annual | | delicition. Videocophy phonosis pro- | 1 |
| 1 | | | | | +-4 | | | 7 | 8 | | 10 | 11 | 12 | | ORF | | ; | 1 | | |
| - | | | | | | + | | B | 5 | Amusi | | | | 10000 | \$ | | | 1 | | |
| | | | A_ | A.B | A.B | | | 6. M. M. FO | D.R.F. | / | | | o.P | 1900 | FORT Z. | | | 1 | | |
| T | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | | E |
| | | | | | | | 1 | | | TIT TITLE | | | | | | 7 07 | | | | |
| | | | NAMES AND ADDRESS OF THE PARTY | | - | - | | THITTIT | TTTTTTTTTTTTTTTTTTTTTTTTTTTTTTTTTTTTTTT | 6 3 4 8 | | 1 | ! | | Se | cale 3 Inc | thes to a A | Mile: | | |
| | | | | | | | 111111111 | 11 10 00 11 11 11 11 11 11 11 11 11 11 1 | 12 12 10001 | 34860 | | 1 1 | | | | | | - | | |
| | | | | | | | 200 | 15 | | | | | | | | | Wyman & Son | s, Lt, Lith, 63, Care | er Lane 3098.73 | 8 |
| | | | | | | | 1 | | - | | | | | | | | | | , | |

To face page 186.



The arm is fitted with rough sights, consisting of thight edge two inches in length and a foresight, by means wight edge two inches in length and a locality of training are in the it can be laid on a target. Angles of the can, if hed, be marked on the edges of the chart. be chart should show such useful information as the three the chart should show such useful information as the chart should show the chart should show the chart should be chart should show the chart s owded as to make it difficult to see at a glance the arcs of the gun groups.

the chart is to be mounted on a board, with notches cut in it the chart is to be mounted on a poaru, with noteting it in a bed, heatly oriented and prepared for it on a parapet or other heatly oriented and prepared for it on a parapet or other heatly oriented and prepared for it on a parapet or other heatly oriented and prepared for it on a parapet or other heatly oriented and prepared for it on a parapet or other heatly oriented and prepared for it on a parapet or other heatly oriented and prepared for it on a parapet or other heatly oriented and prepared for it on a parapet or other heatly oriented and prepared for it on a parapet or other heatly oriented and prepared for it on a parapet or other heatly oriented and prepared for it on a parapet or other heatly oriented and prepared for it on a parapet or other heatly oriented and prepared for it on a parapet or other heatly oriented and prepared for it on a parapet or other heatly oriented and prepared for it or other heatly or o oriented and prepared for its on a prepared for its on the plate and by points should be marked as shown in the plate, and by points should be marked as shown in the plate, and heans the chart can be correctly oriented when required. The headings of the chart should give the nature and number guns in each group of the B.C.'s command.

The headings of such a chart the Battery Commander is enabled, the last such as the battery commander is enabled, the last such as the last summent to see what gun groups of

the help of a D.R.F. instrument, to see what gun groups of

humand can bear effectually upon a target. a specimen chart, given in plate, is not drawn, to scale, as Been on reference, the effective arc of fire of C group histance), which is composed of 12-inch B.L. guns, being n as only 2,600 yards.

Subsection IV.— Target Indicator Tables.

honnection with the fire commander's chart to enable it to hed as a target indicator, the observers at the D.R.F. as a target indicator, the observers at the with ment, and the gun group commanders, are supplied with giving the range and training of the centre of each square chart upon which their groups can be brought to bear. see ranges and trainings will be taken on the chart from the on of each D.R.F. station and from that of each group of

guns, and will be tabulated as in the following example, the for A group of fort Z in the specimen chart for fire command

TARGET INDICATOR CARD.

Fort Z. A. Group.

| No. of Square. | Range. | Training. | No. of Square. | Range. |
|-------------------|--------|-----------|-------------------|--------|
| 52 | 700 | 33 | 113 | 2000 |
| 53 | 800 | 7 | 114 | 2050 |
| 54 | 900 | 339 | 115 | 2100 |
| 55 | 1050 | 319 | 116 | 2300 |
| 71 | 1500 | 37 | 117 | 2450 |
| 12 | 1300 | 22 | 118 | 2750 |
| 73 | 1200 | 5 | 129 | 2950 |
| 74 | 1250 | 846 | 130 | 2750 |
| | | | | |

For convenience of reference the ranges should be entered ink, the squares and trainings in black, and the thick showing where the numbers of squares do not follow collectively should be red.

The cards for the D.R.F. operators are made out in a simi form, with the range and training of the centre of each square covered by the guns for which the D.R.F. works. The healt must show the fort or battery it belongs to, and the D.R. station for which it is made out.

station for which it is made out.

When indicating cards have been made out, a copy of the should be entered in the fort record book, so that in case of the should be entered in the fort record book, so that in case of the should be entered in the fort record book, so that in case of the should be entered in the fort record book, so that in case of the should be entered in the should be entere

lost or becoming defaced, fresh ones may be prepared

ost or becoming the delay.

The receipt of the number of the square occupied by the receipt of the number of the square occupied by the receipt of the number of the square occupied by the receipt of the number of the square occupied by the receipt occupied by the receipt of the square occupied by the receipt oc

Vers will proceed to identify it as follows:-Q.C. By laying a gun at the training proper to that e, and with the quadrant elevation due to the range of it; setting the sights to the same elevation, looking over them noting what they bear upon.

R. Operators. By setting the instrument to the range training of the square, and noting the target on which the Wires of the telescope bear.

gets may be identified in a similar manner by R.G.C.'s or bervers. No target indicator is necessary in this case, as Juares are inscribed on the chart of the P.F., and it is only ary to place the pencil on the centre of the square, look gh the telescope, and note the object on which it bears.

Subsection V.—Group Difference Tables.

^{he} following table is given for the purpose of saving calculain making out group difference tables.

| | • | | |
|--------|-------------|----------------|-----------------|
| PAR | r II.—Coa | st Defence. | 190 |
| Sectio | n IV.—Chart | s, Maps, and T | able |
| Ħ | 53 | | 99 |
| wнiсв | 55 115 | | |
| H | 03 | | 7 13 |
| | 777 | | |

10.24 1800

1873 175

Displacement.

Correction

the find group differences by this method, the displacement be measured on the ground, or from a plan. The displacebe measured on the ground, or from a point is in the table are given in multiples of 12½ yards; the half in the table are given in managers of 1-2 ment must half which is nearest to the measured displacement must

that, the training from the D.R.F. station to the centre of Troup must be found by orienting the D.R.F., directing it be centre of the group, and noting the angle indicated by Pointer on the graduated plate of the instrument.

he table gives the angular distances to the right and left of training, on the traversing arc of the gun, through which broup differences noted opposite to them hold good. Suppose the training from the D.R.F. station to the

the of the group was found to be 70°, and the displacement to f the group was found to be 70°, and the displacement 175 yards, then, for 22° on each side of 70°, that is, from to 70°, and from 70° to 92°, or, from 48° to 92°, the p difference would be about 175 yards. Then from these (48° and 92°) up to 38° to the right, or, left of 70°, viz:—32° to 48°, and from 92° to 108°, the group differences be 150 yards and so on.

nly those trainings which actually appear on the traversing of the guns need be considered. further save calculation a "group difference disc" may be hade in the following manner:—A disc about 6 inches in heter is cut out of celluloid, and its circumference divided degrees from 0" to 360". It is pivoted at the centre so that revolve inside a circle drawn on paper and mounted on a This circle is graduated in degrees right and left from

180°, starting at any point on its circumference. use the group difference dise:--Mark on the celluloid circle the limits of the arcs of fire of kuns.

Rotate the celluloid circle until the angle of training from

PART II.—Coast Defence, 192

Section IV.—Charts, Maps, and Tables.

the D.R.F. station to the centre of the group (found as descri above) is opposite zero on the outer circle.

3. By aid of the table tick off the limits of each group differed

For example see plate. On the celluloid arc are marked ences for a gun arc reading from 100° to 180°, training D.R.F. to centre of group being 90°, and displacement of 75 yas

They are arrived at as follows :--90° + 33° = 123° From 100° to 123° difference is -75 y^{3rd} $90^{\circ} + 60^{\circ} = 150^{\circ}$ 123° to 150° ,, -50 $90^{\circ} + 80^{\circ} = 170^{\circ}$ 150° to 170°

,, —25 $90^{\circ} + 100^{\circ} = 190^{\circ}$ 170° to 180° $,\pm 0$ If the graduations on the celluloid are engraved, it call cleaned with a damp cloth or sponge as often as necessary. With the results obtained by the above method, different

tibles must be made out for each group, one for each D station used in fighting the group, and mounted or painted board, which will be kept in the group store or other convenience and decided learning place as decided locally.

Difference tables will be made out as below :-

DIFFERENCE TABLE. B Group.

| Training. | Add. | Subtract. |
|--|------|----------------|
| 100—123° 123—150° 150—170° 170—180° | - | 75 50 25 |

Subsection VI.—Convergence Tables.

In order that Battery Commanders may be able if desir

concentrate fire from a group of guns worked by P.F. III, the G.G.C. should be supplied with a table giving the the G.G.C. should be supplied that the should be made the form given below.

NEEDLES BATTERY.

"A" GROUP-4 GUNS-PIVOT GUN "A 2."

| Range. | | | Angl | e of Conver Degrees. | rgence, |
|---|------|------|------|-------------------------|---------|
| Yards, 500 to 1,800 000 to 2,800 000 to 3,000 | •••• | •••• | A.1. | A.3. | A.4. |

et of the lines of fire of the guns from that of the pivot gun tiplied by 1,146 and divided by the range in yards. This the angles of correction in minutes. Angles are expressed in g of a degree, and the one nearest to the angle given by ^{orm}ula is taken. hust be remembered that such a table is only correct when the of fire is approximately at right angles to the front of

Subsection VII.—Racer Correction Tables.

gularities in racers affect guns laid by quadrant elevation, t when hydro-clinometers are used. Racers should theree tested as follows:—

the gun up, lay it at any mean range by the index and reader or elevation indicator. Set a large clinometer

to the elevation due to this range (taking into consider the height of the gun above mean tide), and place it of plane surface of the gun, or preferably on a straight edit the bore. Then by traversing the gun and watching the bof the clinometer, it will be seen if the gun retains the pleavation at all trainings. If it does not, the difference in due to any error in level can be ascertained by elevative depressing the gun until the clinometer bubble is again in centre, and comparing the range then shown by the index or elevation indicator with the selected mean range. It range shown is less than the mean range, the difference better in the minus correction required, if more, the plus correction is the minus correction required, if more, the plus correction.

The necessary correction should then be tabulated to nearest multiple of 25 yards, as in the example below mounted on a board, to be kept as directed for difference to

RACER CORRECTION TABLE FOR A RANGE OF 2,000 YARDS

| : ` = = = = = = = = = = = = = = = = = = | |
|---|-------------|
| Training. | Correction. |
| 323° - 346° 316° - 353° | + 50 |
| 353° 14° | + 25 |
| 14 21 | - 25 |

These corrections, if any, will be marked on the inside of traversing arc of each gun similarly to group differences will be applied by the Gun Captain.

The range for which they are made out will be the mean those at which the gun is likely to be required to fire, or in case of guns commanding a narrow channel, it may be the range the centre of the channel at the nearest point, as decided local

and must be taken in testing for racer errors that the must be taken in testing 101 acc.

Chapter is in adjustment, and also that errors due to faults.

Errors in trucks cks are not mistaken for racer errors. Errors in trucks be corrected for in this manner.

be corrected for in this manner.

cer corrections are a complication which should be avoided which corrections are a complication which should be be be. They should only be regarded as a makeshift to be intil the racers can be relaid.

Subsection VIII.—Tide Correction Tables.

means of giving quadrant elevation to guns being means of giving quadrant the showing the with reference to mean tide, tables showing the rence in range due to rise and fall of tide may be of help to in arriving at his initial correction, where the rise and large compared with the height of the guns.

tables if required should be made out for every thousand tables if required should be made out for every thousand of range, showing corrections in multiples of 25 yards for er tides, with mean tide, to which the quadrant elevation rected, as the starting point, and be of the form given below

| te of Tide. | | : 11 1 | Range. | | | 10 10 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 |
|-------------|-------------------------------------|-------------------------------|-------------------------------|---------------------------|------------------|---|
| | 1000 , | 2000 | 3000 . | 4000 | 5000 | pere ass. |
| te | -100 - 50 0 + 5) - +100 | -50 -25 0 +25 +50 | -25 -25 0 +25 +25 | -25 0 0 0 +25 | 0 0 0 0 | |

The table of angles of arrival facing this page is intended help in compiling tide correction tables. It is used as follows:

I Find the angle of depression due to the height of gundamean tide level by the formula—

Angle of depression in minutes = $\frac{\text{height in feet} \times 11^4}{\text{range in yards}}$ Add to this the angle of descent from the range tab

convert the slope into such angle).

This gives the angle of arrival for the range in question

a range table corrected for the height above sea level is avalue angle of arrival can be taken from it.

Refer to that column in the table which is headed by number of feet corresponding to the rise or fall of tid question. On a level with the line in which the angle of an is included will be found the proper correction. If the he of tide is above mean, the correction has to be added to

range as given by the range finder, if below mean subtract Example:—Angle of arrival, 48 minutes. Difference in before quarter tide from mean, 4 feet. In column headed (r=4'), 48 minutes lies between 41 minutes and 52 minutes proper correction is therefore 100 yards, and as qualtide is below mean it is a minus correction.

Subsection IX.—Manning Tables and Manning Parades

The manning detail of each battery command will be dfl up on Army Form A 2008. A copy of this should be in posses of the warrant or non-commissioned officer in charge of the If more than one battery command is included in the latter form for each of them should be in his possession.

In the vicinity of each battery command a place of part will be allotted for the details required to man it. Opposite the spot at which each detail is to fall in on parade will legibly painted on a board or plate fixed to a wall or post

TABLE OF ANGLES OF ARRIVAL, SHOWING CORRECTIONS FOR TIDE.

| Correction in yards | r = 1' | r = 2' | r=3' | r=4' | r = 5' | r = 6' | r = 7' | r = 8' | r = 9' | $r=10^{\prime}$ |
|---------------------|---------------------|--------------|------------------|----------------|------------------|------------------|-------------------|-------------------|--------------------|-------------------|
| υ | Above 1° 32' | Above 3° 57' | Above 4° 27′ | Above 6° 5' | Above 7° 32' | Above 9° 5' | Above 10°25′ | Above 12° 57' | Above 13° 20' | Above 14° 55' |
| 25 | 1° 32′ to 31′ | 3° 57′ to 1° | 1° 27′ to 1° 32′ | 6° 5′ to 2° 2′ | 7° 32′ to 2° 20′ | 9° 5′ to 3° 7′ | 10° 25′ to 3° 26′ | 12° 57′ to 4° 26′ | 13° 20′ to 4° 27′ | 14° 55′ to 5° 55′ |
| 50 | 31' ,, 18' | 1° "39′ | 1° 32′ " 55′ | 2° 2′ ,, 1°13′ | 2° 20′ ,, 1° 32′ | 3° 7′ ,, 1° 59′ | 3° 26′ ,, 2° 8′ | 4°26′ ,, 2°26′ | 4° 27′ ,, 2° 45′ | 5°55′ ,, 3°57′ |
| 75 | 18′ " 13′ | 39' " 26' | 55′ ,, 39′ | l° 13′ " 52′ | 1° 32′ ,, 1° 5′ | 1° 50′ ,, 1° 19′ | 2° 8′ ,, 1° 32′ | 2° 26′ ,, 1° 45′ | 2°45′ "1°58′ | 3° 57′ " 2° 16′ |
| 100 | , 13′ ,, 10′ | 26' ,, 20' | 39′ " 31′ | 52' ,, 41' | 1° 5′ " 51′ | 1° 19′ " 1° 1′ | 1°32′,, 1°11′ | 1°45′ "1°21′ | 1°58′ ,, 1°32′ | 2°16′ ,, 1°42′ |
| 125 | 10′ " 8′ | 20' ,, 17' | 31' " 25' | 41' ,, 33' | 51' ,, 42' | l° 1′ " 50′ | 1° 11′ " 58′ | 1° 21′ ,, 1° 7 | 1°32′ ,, 1°15′ | 1° 42′ " 1° 23′ |
| 15 0 | 8' ,, 7' | 17' ,, 14' | 25' " 21' | 33′ ,, 28′ | 42' ,, 35' | 50′ ,, 42′ | 58′ " 49′ | 1° 7′ ,, 56′ | 1° 15′ ., 1° 3′ | 1°23′ " 1°10′ |
| 175 | 7' " 6' | 14' " 12' | 21' " 18' | 28′ " 24′ | 35' ,, 31' | 42' ,, 37' | 49′',, 43′ | 56′ ,, 49′ | 1° 3′ " 55′ | 1°10′ ,, 1° 1′ |
| 200 | 6' ,, 5' | 12' ,, 11' | 18′ ,, 16′ | 24'`,, 22' | 31' ,, 27' | 37' ,, 32' | 43′ " 38′ | 49' " 43' | 55′ " 49′ | 1° 1′ ,, 54′ |
| , 225 | 5' ,, 5' | 11' ,, 9' | 16' ,, 14' | 22' ,, 19' | 27' ,, 21' | 32′ " 29′ | 38′ ,, 34′ | 43′ ,, 38′ | 49' ,, 43' | 54' ,, 48' |
| 250 | 5' ,, 4' | 9' ,, 9' | 14' " 13' | 19' ,, 17' | 24' ,, 22' | 29' ,, 26' | 34′ ,, 31′ | 38′,, 36′ | 43′ ,, 39′ | 48' ,, 44' |
| 275 | 4' ,, 4' | 9' ,, 8' | 13' ,, 12' | 17′ ,, 16′ | 22' ,, 20' | 26' ,, 24' | 31' ,, 28' | 36' ,, 32' | 3 9′ ,, 36′ | 44' ,, 40' |
| 300 | 4',,, | 8' ,, 7' | 12' " 11' | 16' ,, 15' | 20' ,, 18' | 24' ,, 22' | 28' ,, 26' | 32' ,, 29' | 36' " 33' | 40′ ,, 37′ |

The angle of arrival is the sum of the angle of descent due to the trajectory, as given in the Range Tables, and the angle of depression due to the site.

Note. -r = difference in fect of height of tide from mean.

PART II .- Coast Defence.

Section IV .- Charts, Maps, and Tables.

holer of officers, N.C.O.'s and men composing it, B.C.'s staff,

p details, ammunition detail, &c.
order to insure uniformity in painting manning tables, &c.,
that the following table is inserted for guidance as regards
ature and size of letters and numerals to be used—

| Nature of letter or numeral. | Size, | Remarks. |
|--|---|---|
| Block Letter. or Roman numerals capitals, or small an letters | 1" 1\frac{1}{2}" or \frac{2}{3}" 1\frac{1}{2}" \frac{2}{3}" or \frac{2}{3}" | The sizes and natures selected will be settled locally. |

Section V.—Communication and Transmission of Orders and Range

SECTION V.—COMMUNICATION AND TRANSMISS OF ORDERS AND RANGES.

Subsection I .- Telephones and Speaking Tubes.

To ensure effective defence it is necessary to have systematic means of communication, as uniform as possibetween the different links constituting the chain of communications are to be preference of the communication are to be preference of the communication are to be preference of the comparative slow, requires highly trained operators, and is incapable being used, even on emergency, by those without special ledge. Telephonic communication, therefore, is the majority of the convenient of the

1. From the Section Commander to each F.C.

2. From each F.C. to his several B.C.'s.

3. From each B.C. to his several G.G.C.'s when on accolling local conditions other means of communication are inefficient.

4. From each B.C. to his P.F. cells or to his R.G.C.

5. From the F.C. post or look-out station to each group Q.F. guns.

In addition to the above, it is desirable to establish discommunication either by telephone or speaking tube.

6. From each P.F. cell to the group which it serves.

Since then such an important part is to be played by the phones in the general scheme of fire tactics, no pains should

Section V.—Communication and Transmission of Orders and Ranges.

intend in keeping the lines in good order, the instruments whent, and the operators thoroughly trained and frequently stisted in their care and use. This latter point is of the lost importance, for a good operator can often do useful any message through. Experience shows that instruments of the blamed for the faults of operators. Clear articulation of the utmost importance for telephone and speaking tube rators. Officers should accustom themselves to frame messes clearly and concisely, and should give them in the actual with the intend to be used, and allow no departure from the practice in framing messages is very necessary.

or instructions for telephone operators and testing for faults telephone circuit, see Part III, Section IX.

th addition to such means of communication as have been additioned, it is possible that local conditions may occasionally der necessary or desirable others, such as bugle sounds, then orders, flag or lamp signals, or electric telegraph.

Subsection II.—Trumpet and Buole Sounds.

Where trumpet and bugle sounds are used in fighting guns, undermentioned calls will have the signification stated against

PART II.—Coast Defence. 200

Section V.—Communication and Transmission of Orders and Ranges.

| Name of Call. | | mpet and Bugle ounds, 1895. | Employment and Signification |
|--------------------------------------|-----------------|--------------------------------|--|
| Name of Can. | No. of Call. | Mounted or Dismounted. | Employment and Significant |
| Assemble followed by | 8 | Dismounted . | Immediate manning of all gund stores, each officer and man to his station in action. |
| Double | 14 | Dismounted . | |
| Assemble | 8 | Dismounted | Manning of all guns and stores, officer and man to his own ning parade. |
| Stand fast | 27 | Mounted (for Artillery only | . Detachments and various des |
| Attention | 19 | Dismounted | All sitting or standing at attell |
| Advance | 3 | Dismounted | Work to be proceeded with, under cover going smartly to |
| Commence firing | 6 | Dismounted | |
| Situtease | 18 | Dismounted | 35 |
| Cease firing | 7 | Dismounted | Temporary cessation of fire. |
| Retire | 4 | Dismounted | still going on with the work. Firing to cease altogether, and so to be replaced. (At Service Practice not to be south until the whole practice for the being is over.) |
| One " G " | | *** | Change in deflection or range. |
| Iwo or more "G's" prefixed to a call | | ••• | To particularise a certain group. |

Section V .- Communication and Transmission of Orders and Ranges.

It may sometimes be useful to convey an order to a particular by by trumpet or bugle. The group it is intended to refer an be indicated by sounding a particular number of G's before call, previous arrangements being made to this effect. local conditions require it, other calls may be used in

dion, but care should be taken to ensure that all the details cerned are well acquainted with the meaning to be attached each, and the calls to be used and the signification of each hald be permanently recorded.

Subsection III .- Whistle Sounds.

Every B.C. and, with Q.F. guns, every G.G.C., must in action Provided with a whistle.

the whistle will not be used by any officer other than the for at Q F. guns the G.C.C., unless authorised by them.
he whistle sounds and their signification will be as follows:—

One blast .- "Stand Fast."

he pause is only to be of sufficient duration to enable orders be correctly passed and received, the G.G.C. giving "Go on" on as this has been done.

t Q.F. guns "Stand fast" is only a momentary cessation of to enable orders to be heard. With this exception the vice of the gun is to proceed as usual, and the layer is to w his target. Fire is to be continued immediately orders been received and acted on.

"wo blasts .- " ('ease firing."

[The Bection IV.—Electric Order, Range and Training Dials.

he above, although not generally approved for service, may ound in some stations. Electric order and range dials have in advantages in casemated forts, and electric training dials useful for directing search lights from observing stations at stance.

bey are all similar in construction and principle; a handle

Section V .- Communication and Transmission of Orders and Ranges.

at the transmitting instrument actuates mechanically a point on the transmitting dial, and electrically another pointer on the receiving dial.

The transmitting and receiving dials are graduated or divide in an identical manner. With the order dials the face of each pair of dials is divided into sectors, each sector containing order. With the range dials a scale of ranges is inscribed

each face, and with the training dials a scale of trainings. To indicate any desired order, range, or training, the hand on the transmitting instrument is turned until its pointer opposite the desired order, range, or training. The pointer the receiving dial will then occupy a similar position wil reference to its scale.

With the order dial it is desirable to place a bell in the circle to call attention to orders, and also, by arranging that no orders is to be acted upon until the bell is rung, to guard against order being conveyed and acted on by mistake, in case pointer be allowed to stop momentarily on an intermedia order in passing from one to another.

The diagrams attached show the ordinary methods of connection

ing up the dials.

The following points should be attended to in working t

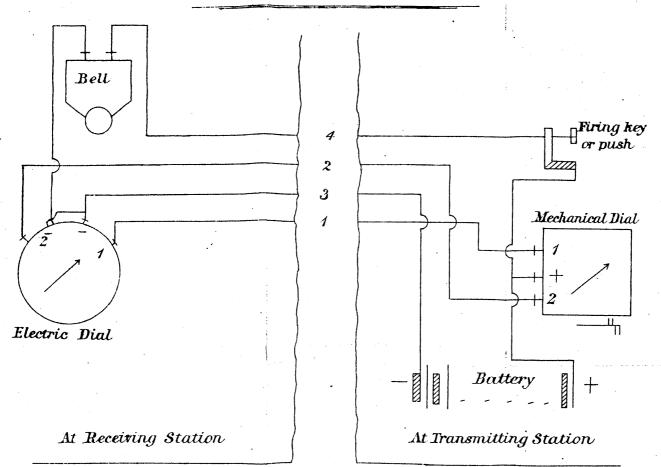
dials:-1. See that both dials are back at "Stops" before beginni work. If the pointer of electric dial is not back, discount line 3, run out pointer of mechanical dial, connect up, and Repeat till both pointers are back. Check occasiona during work. Always run back to "Stops" before disconnecti to replace stores.

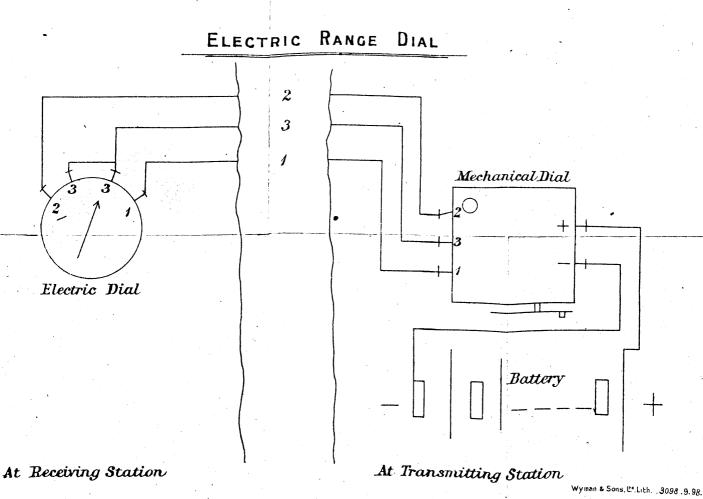
2. If the reversing push of the mechanical dial is used, that it is either quite up or quite down; if half way the current

is cut off.

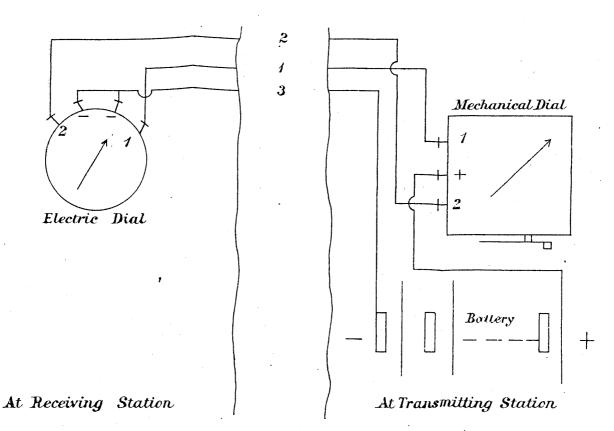
3. When the dials are not actually in motion, keep the han of the mechanical dial in the rest position. Its resistance

ELECTRIC ORDER DIAL





ELECTRIC TRAINING DIAL.



Section V .- Communication and Transmission of Orders and Ranges. Fring will tell when it is so. Otherwise batteries quickly run

4. At least 12 P.F. Leclauché cells are required, and more if e distance from receiver to transmitter is considerable.

Subsection V.—Range Indicator.,

The range indicator consists of a wooden clock face, painted hite, with Arabic numerals from 1 to 9, similar to those of a ock marked in black on it to represent the hundreds of yards the range. The intervals between each number are divided as to read to 25 yards (see Plate). In the space between the 9 and 1 a hole is cut to allow a black deentric disc to be seen, upon which figures from 1 to 5 are

inted in white to represent the thousands of yards in the age—the hole being only of sufficient size for one figure to be Mible at a time. On the face of the indicator, right and left of the figure 6, are

Minted in red, figures to show deflection, graduated to read to 15 Inutes up to 2 degrees. The deflection scale can be read to $7\frac{1}{2}$ huntes by placing the hand half way between the markings.

he letters R and L are also painted in red to denote the side to hich the required deflection is to be given. Two hands are pivoted to the centre of the indicator, one ainted black, with an arrow head, and the other, a shorter one,

with a diamond head. In order to avoid confusion in reading he dial, especially at night, when unless very well lighted up e colour of the deflection hand would not be very apparent, here should be a distinct difference between the lengths of the wo hands. The range arm should be under the deflection arm and should be so pivotted that its arrow head is close to the face

the indicator. See § 7199. A movable disc on a board which has the letters S and I it, to signify "Shortening" and "Increasing," and is fixed

the top of the dial, shows whether the range is constant,

Section V.—Communication and Transmission of Orders and Ranges. shortering, or increasing, according as it is vertical or inclined

The disc should be capable of being reversed; one side being the S or I respectively. painted black for use in the daylight, and the other side whit

for use when required to be artificially lighted up. Disc vertical is a signal to the G.G.C. that he is to fire the ranges shown on the dial, corrected for group differences

Disc out of the vertical, to either S or I side, signifies to without predicting. G.G.C. that he is to predict.

The range indicator is fixed on a wooden easel.

For the purpose of indicating the training of a target the gun group when using a D.R.F. instrument, a light ire frame A (as in plate) capable of being folded down is fixed two supports at the back of the indicator. At the top of the frank is a rod provided with hooks by means of which plates with numbers, similar to those used for a cricket telegraph, can suspended. The dial number can turn the frame down within his reach, and when he has placed the numbers ordered, raise it up, and by means of a key clamp it in position

The fillet of wood B, shown as placed across the two from legs of the easel, can be used for suspending the plates if indicator is used in a casemate where the height of the iron frame A might be inconvenient.

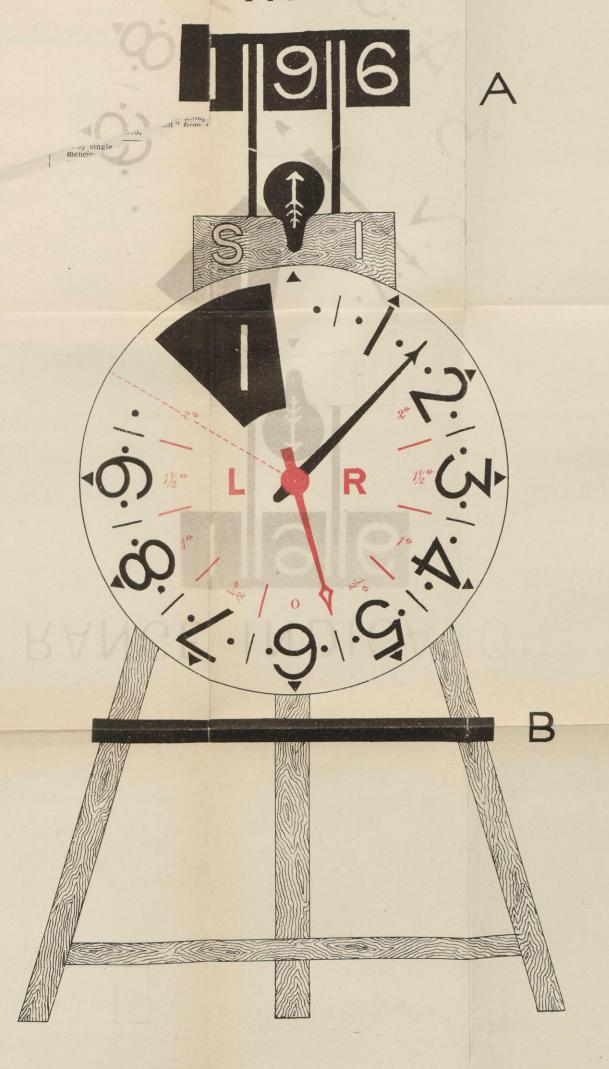
Range indicators are made with a clock face of 3 ft. diameter it may, however, in some cases be necessary to have them larger dimensions to facilitate reading at a distance.

The indicators, as shown in the plate read as follows: Rang 1150 yards, constant, deflection 15 minutes right, training target 196 degrees.

To face page 204.

Jary Sal-

RANGE INDICATOR.



SECTION VI.-ORDERS OF FIRE.

Subsection I .- The Fixed Armament, except Q.F. Guns.

The following orders of fire will be used:-

| Order of Fire. | Fire by single guns in a named group or groups, on the order "Shot" from the B.C. for each round. | |
|--|--|--|
| "Slow Fire." | | |
| "Slow Salvo Fire." | Fire by salvoes from a named group or groups on the order "Shot" from the B.C. for each salvo. | |
| "Ordinary Fire," "from right (or left)." | Fire by single guns in succession, com- mencing from the flank of any named group or groups, until further orders, unless the number of rounds from each gun is specified by the B.C. | |
| "Ordinary Solvo Fire," "from right (or left)." | Fire by salvees in succession from the right (or left) group (unless any other is specified) continuing till further orders, unless the number of salvees from each group is specified by the B.C. | |
| "Independent Salvo Fire." | Fire by salvocs independently and as rapidly as possible until further orders. | |
| "Running Past" ("R.P."). | Fire directed on Running Past points, the succession and rate being deter- mined locally. | |

In giving the order of fire, the B.C. will invariably prefix to the designation of the group or groups to which he intends it apply, thus: "A Group, Slow Fire," or "B and F Group" Ordinary Salvo Fire from the right."

In all the above cases, unless orders to the contrary are given by the B.C., guns, except H.A. fire guns, after firing will be once reloaded with the same charge and projectile by communication of their gun captains. At H.A. fire guns the order to load will

given by the G.G.C. in case a different charge may be required. He will give the order with moving target immediately the prediction for the next round is received, with a standing target immediately the group has fired.

At slow fire or slow salvo fire the B.C. will give the G.G.C. order "Shot" whenever he wishes a gun or a group to fire.

At slow fire the G.G.C. will select the particular gun which " to fire.

The other orders of fire will be followed by the order "Commence Firing," excepting that when changing from one order of fire to another, the new order of fire will be taken by the next gun or group to fire, without any special order

commence firing. When using salvo fire, either slow, ordinary, or independent the guns of a group will fire as nearly as possible simultaneously but in the event of one or more of the guns not being ready

the fire of the group is on no account to be delayed. The guis which are ready will be fired, and the remainder will wait for the next salvo.

During ordinary and ordinary salvo fire, the G.G.C. will give the order "Lay" to the gun or group when the gun or group next on the flank from which fire commenced has received the order "Commence Firing" from its G.G.C.

Further detail as to "Running Past" will be found in Section VIII.

The uses of the different orders of fire are, generally speaking, s foliows :-

For ranging:—Slow fire or ordinary fire.

For general purposes:—Independent salvo fire, which usually the greatest rapidity, and still allows fire direction to

the greatest in the hands of the B.C. where salvoes cannot be fired in any particular group on there salvoes cannot be mred in any particular of the danger from blast:—Ordinary fire, by order of the $\theta_{max}^{\mathbf{G}.\mathbf{C}}$

When the smoke from any group or groups is likely to refere with the fire of adjacent groups:—Ordinary salvo fire the leeward flank) or slow salvo fire.

In the leeward mank) or slow salvo me.
In the event of forcing a passage being attempted, or in the the event or forcing a passage soing and against before guns firing special case, when used for defence against

Running past. If salvo fire of any description has been ordered, and any oup is unable to use it on account of danger from blast, the GC will (a) if independent salvo fire has been ordered, ordinary fire until the training alters so as to enable him to salvoes; (b) if slow or ordinary salvo fire has been ordered, a single gun of his group at the command "Shot" (at slow or fire), or when it comes to his turn (at ordinary salvo fire), all salvoes can safely be fired. He will take the carliest Portunity of informing the B.C. of the circumstances.

High angle fire guns will invariably use salvo fire, with, if essary, five seconds' interval between guns, for purposes of

servation.

Order of Fire.

"Slow Fire."

"Rapid Fire."

Subsection II. - Q.F. Guns of the Fixed Armament.

Purport. Fire to be by single guns at the target an

with the range (except when automatic sights are used), and the deflection ordered by the G.G.C.; no gun firm without the G.G.C.'s orders. Fire to begin at once and to go on indel

dently, and as rapidly as possible

Never by

The following Orders of Fire will be used:-

| | further orders, from each gun, at target, and with the range (except with automatic sights are used) and deflect ordered by the G.G.C. |
|------------------------------|---|
| " Independent Fire." | Fire to begin at once, and to go on independently, and as rapidly as possible until further orders, from each gun, the target selected by the gun layer less one is allotted by the G.G.) and (except when automatic sights are used with the range and deflection estimate by the setter. If automatic sights are used the layer will estimate the deficition. |
| wishes a guil to be fired, i | will give the order "Shot" when he naming the gun which is to fire at A 2 Shot," |

The different Orders of Fire will be used as under :-Slow Fire: -By 6-inch and 4.7 inch Q.F. only if absolute!

necessary to economise ammunition at long ranges. other Q.F. (At peace practice, however, slow fire may be ver

ceptionally used under the special conditions mentioned in Ind. V. Section VII.

hdependent Fire:—When using automatic sighting; or with harv sights, if the setter can observe the fire.

party signts, if the settler can observe than the above. In the case of 6-inch, and 47-inch Q.F. when not used for the against Raid, the B.C. will usually select the order of to be used.

Subsection III.—The Armament for General Defence.

The orders of fire to be used with these guns will depend on the infinite and the conditions under which they have to act in the conditions and permanently recorded. The conditions will follow the orders of fire down for Q.F. guns of the fixed armament. Other guns will conform to Field Artillory Drill and hereitenested in the conformation of the conditions are conformation of the conditions and the conditions are conformation of the conditions and the conditions are conformation of the conditions and the conditions are conditions and the conditions are conditions and the conditions are conditions.

down for Q.F. guns will follow the orders of fire down for Q.F. guns of the fixed armament. Other guns conform to Field Artillery Drill, and howitzers to Siege tillery Drill. The orders of fire for machine guns are laid in Part III, Section VI.

Section VII.-Identification of Ships, Choice of Projectiles, &c.

SECTION VII.—IDENTIFICATION OF SHIPS CHOICE OF PROJECTILES AND POINT ATTACK ON SHIPS

The object of identifying ships is to enable the attack on the to be made with the most suitable projectiles, and to be direction the parts of them which are most vulnerable.

Identification is to be performed under the F.C. Choloprojectiles and point of attack is part of the duties in activities B.C. subject to any orders given previously by the F.C.

Subsection I.—Identification of Ships.

The F.C. is provided with a set of "Identification cards" each foreign navy, to be kept as confidential, and under lock key, except when used for purposes of instruction or in act On these cards are mounted photographs of typical ships of of the various classes which may require attack by arm piercing projectiles, each class being designated by a let The classes are grouped in the cards according to the lead features which are likely to be first made out as the vessel co. in sight, such as "three masts, low freeboard," &c. These printed in large type at the head of the card. The observed soon as he can make out the leading features of an attack vessel selects the card on which these are printed, and Waid of the different photographs on that card endeavours decide to what class she belongs. If he finds that she does belong to any of the classes illustrated on the cards, he rel her as "not classed," and she is then known to be unarmout or only lightly armoured. If he is in doubt as to her class reports her "unknown."

Section VII.-Identification of Ships, Choice of Projectiles, &c.

Carry out identification satisfactorily, the observer must the use of a good telescope, and be situated so as to the use of a good telescope, and be sitted as possible. When and a clear view to seaward from as high a site as possible. there the F.C.'s command post is favourably situated it will see the F.C.'s command post is favourably situated it will there the F.C.'s command post is favourably situated by the purpose of a look out station, and the F.C.'s observing the purpose of a look out station, and the F.C.'s observing the base of the purpose of a look out station. the purpose of a look out station, and the first indentification. where the view from the F.C.'s post is not sufficiently clear or hended some other spot fulfilling the necessary requirements be chosen, not farther from F.C.'s post than is necessary, observer must then be in direct communication by telephone otherwise with the F.C., to whom he will report vessels when is sighted, and their class as soon as identified. b sighted, and their class as soon as menuned.

or the other duties of observers in look out stations in the other duties of the oth

heetion with raiding attack, see under "Manning and shiing Q.F. guns for defence against Raid," Section IX.

Subsection II.-Choice of Projectiles and point of Attack.

the projectiles available for use against ships are common armour-piercing shot, Palliser shot, and Shrapnel shell. alliser however is likely to become obsolete for B.L. guns, shrapnel for all guns. Palliser is apt to break up in the of B.L. guns, and the use of Shrapnel is superseded by

hine gun fire.

be armour of ships may be either wrought iron, compound is, iron steel faced), ordinary steel, or hardened steel (somees called "treated" steel). The behaviour of wrought iron u struck by a projectile under given conditions is well wn, and penetrations in range tables always refer to wrought The behaviour of compound or ordinary steel armour

The behaviour of compount of ordinary levely to wrought iron can be approximately gauged. er of resistance to projectiles of different manufacture, that very difficult at present to forecast definitely the effect on any projectile except after experiments carried out under g.a.d.1)

Section VII .- Identification of Ships, Choice of Projectiles, &c.

identical conditions. In the great majority of cases, especially now that its manufacture is better understood, it immensely stronger than the first three kinds.

Wrought iron armour must be overcome by being performs If it is beyond the power of the gun, little harm is done, projectile, or head of it, remaining usually in the hole

plugging it up. If the plate is perforated, the hole is a paratively clean one and is easily stopped.

Ordinary or hardened steel armour yields always by fractional though requiring seasons. and though requiring greater energy and stronger projectiles overcome it, is for this reason more difficult to repair armour which is proof against a single blow, will often yield succession of blows which fall nearly in the same spot.

Compound armour may yield either by perforation or fraction

according to circumstances.

The following table gives the comparative perforations of the various kinds of armour which may be usually expected if are attacked under the same conditions, the perforation through wrought iron being taken as the standard:

| Wrought Iron. | Compound. | Ordinary Steel. | Hardened Ste |
|---------------|-----------|-----------------|--------------|
| 1 | ŧ | t | 1 |

The distinction between "perforation" and "penetration" must be noted. The above table applies only to perform not to partial penetration. For instance, a projectile under given conditions will perforate a 10-inch wrought plate, should perforate a 5-inch hardened steel one under same conditions, but must not be expected to penetrate 5 includes a hardened seed of the same conditions. into a hardened steel plate of greater thickness.

Common Shell forms part of the equipment of all guns.

Section VII.-Identification of Ships, Choice of Projectiles, &c.

it may perforate up to about half a calibre of wrought and about 1 of a calibre of ordinary steel; if of cast steel, a more in each case. It is not however intended for the lack of any but light armour. Armour piercing (forged steel) may be steel. It will be fired invariably with percussion which will cause it to burst explosively on passing the lightest structures. Percussion fuzes are designed low of the burst taking place in the most favourable position inside the structure.

the destructive effect of common shell is due to :-

(a.) The splinters of the shell.

(b.) The débris of the structure. (c.) The bursting charge itself.

(a) and (b) have great effect against personnel, but little on derial; (c) with high explosives is likely to have both moral physical effect against personnel, especially between decks, to cause serious destruction to material in addition; with der bursting charges its incendiary effect is valuable.

t may be noted that 6-inch armour-piercing shell will perte 4 inches of ordinary steel at all angles of inclination up to Foreign ships have seldom better protection than 4 inches rdinary steel for their Q.F. guns.

rmour-piercing and Palliser Shot are both intended for the tek of armour. R.M.L. guns have Palliser shot only. B.L. s at present have both A.P. and Palliser.

rmour-piercing shot may perforate up to about 3 calibres of ught iron and about 1½ to 2 calibres of ordinary steel. They be used for

.) Piercing the belt with a view to sinking a vessel or

rendering her unmanageable.

) Piercing the side armour with a view to injury to engines, guns, machinery, steering gear, means of Section VII.-Identification of Ships, Choice of Projectiles, &c.

communications, and other materiel protected

As regards (a), it must be remembered that the belt control but a small portion of a vessel, that it must be struck of below the water line; and that in the latter case a project since it will soon be deflected and retarded, must enter water very near the hull; hence only the most perfect procean gain the end aimed at.

As regards (b) armour-piercing shot often remain nearly intafter perforation and develop very few splinters, so that damage caused by them within the ship is generally small.

Palliser shot may perforate up to about 13 calibres of wroll iron and over 1 calibre of ordinary steel. They might used on old ships or against light armour with the objects or (b) given above, but in the case of (a) the same objects hold. As regards (b) however, Palliser shot will break upassing through wrought iron armour of a thickness of steel the passing through wrought iron armour of a thickness of so owing to the absence of bursting charge.

The perforation of each of the above three classes of jectiles, besides being affected by the quality of armour structural strength of shell, is dependent on the striking veloc and the inclination of the trajectory to the surface of the armour at least 1000 f.s. striking velocity is necessary for perforatione calibre of wrought iron armour, and for other thicking the same proportion must hold. The velocities required in cases of other kinds of armour can be deduced from the talready given of comparative perforations. Caps for projections are at present under trial, may, if introduced, increase the powers of penetration.

The amount of resistance of armour increases rapidly with angle of inclination of the plates to the line of fire, and increase of circular constructions there is only one vertical line which maximum penetration is possible. The power to perform

Section VII.—Identification of Ships, Choice of Projectiles, &c.

proportional to the sine of the angle at which the shot strikes. It was the remembered that the inclination is due not only to course of the vessel, but the angle of descent of the projectile. Mrapnel if used with percussion fuzes has very little power benetration. If used with time fuzes the difficulty of setting at a quickly moving target, and of judging the position of the from a high site are insuperable by any means which could bractically employed in action.

the selection of the projectile to use is therefore practically rowed to a question of the use of either—

(l) Common shell or

(2) Armour-piercing or (with R.M.L. guns Palliser) shot. To state officers in arriving at a decision, "Attack Sheets" for reign navies are supplied. These would be available to the to for reference during peace time, in order to enable him to any general instructions he may deem necessary, but in

An attack sheet is provided for each B.C.
An attack sheet is provided for each class illustrated on the "tification Cards. At the head of the Attack Sheet is the tographic portrait of the typical ship, which also appears on identification card. Immediately below is a drawing showthe structure of the ship, with a scale of yards beneath for izontal measurement, and a vertical scale of feet fore and aft in the funnel. Below are directions for guidance in attack, I notes as to the ship's armament, thickness of armour, and

herable points. Unarmoured portions occupied by crew and her armament are shaded red, armour is shown dead black shaded black, and any particularly vulnerable points are red with a red star.

However heavily armoured a vessel may be, by far the larger a is open to the attack of common shell, and in this respect in the strongest ironclads are vulnerable, since thick armour not be placed everywhere, and the heavier it is in some parts, lighter it must be in others; indeed, to such an extent is this

Section VII.-Identification of Ships. Choice of Projectiles. &c.

the case that the larger portion of every class of vessel, with ver few exceptions, is open to this form of attack. A great part this space is crowded with men manning the lighter guns, and with gear or machines. with gear or machinery, the destruction of which would caus large quantities of splinters, entail loss to the crew, and diminished efficiency to the ship. In some cases the conning tower or barbette guns, though heavily armoured themselves may much damaged by common shells bursting in the unarmound portion below them.

From a consideration of all the foregoing points it is clear therefore that common shell should be in nearly all cases projectile selected, armour-piercing or Palliser shot being reserve for the attack from heavy guns of an anchored or cripples armoured vessel at a short range.

When a vessel has been identified and her class communicated a B.C., the attack sheet assists him to a B.C., the attack sheet assists him in endeavouring to direct his fire on the most vulnerable or vital parts.

Where a vessel's class has not been communicated, or when time does not admit of reference to the attack sheets, a good general rule is to direct fire on the hull below the foremast, and this should always be done where ships are reported as "not classed" or "unlessed" or "unlessed or "unlessed" or "unlessed classed" or "unknown." In masted vessels some of the principal guns and the coming tower are generally near the foot of foremast, and the greater part of the crew are between the for and mizen masts.

In the exceptional case of belt attack with armour-piercing shot, it is best to direct fire well forward, as, even if not sunk, ship with a fore compartment filled would be down by the head eas# and probably become unmanageable, and therefore an target.

SECTION VIII.—MANNING AND FIGHTING A BATTERY COMMAND.

Subsection I.—Manning a Battery Command.

When troops are manning a battery command for the first When troops are manning a pattery community, the Manning Tables will show what its requirements are, officers and men can be allotted to the various duties at any bully enient time previous to or on their arrival at the work. the details, if any, belonging to the District Establishment will, possible, accompany the other details to the work. ht Practicable, they will meet them there. The details belonging each battery command will be met as they arrive by the master Inner or non-commissioned officer in charge, who will report waself to the B.C., direct him to the manning parade for his mand, and give any information required.

When the details are well acquainted with the command they te to man, the above arrangements will be unnecessary.

Iwo methods of manning may be employed, viz. :-

A. Manning as for instruction.

B. Manning as for action.

A. will be used only when details are not well acquainted th their places and duties; B., the service method, at all other

nes, whether for drill, practice, or action.

In the case of A all details will fall in on the manning parade, be marched from thence to their places in action, and every wil of preparing for action will be gone through deliberately carefully.

the case of B, details will go direct to their places in action. paration for action will not be less careful in this case, but, in

war, stores must be in their places, all tests carried out previous to manning, and at night all lamps lit. The procedure whe manning for drill or practice by B. is based on this supposition

The letters A, B, or both of them, are prefixed to the instructions below, which refer to A only, B only, or to both methods respectively.

The duties of the several officers, &c., on manning will be follows :-

Battery Commander.

(A.) Immediately on arrival at the work (if the command to be manned at once, otherwise on the "Assembly" sounding the RC will some with the B.C. will form up the details as quickly as possible on maining parade. As soon as the G.G.C.'s and seniors of other details have reported to the B.C. (as laid down in the following paragraphs), he will give them all the instructions that can conveniently be since the veniently be given before action, such as case of laying, mean of range-finding, communicating orders, giving elevation, firing ammunition supply to be used, measures to be taken on casualtie to personnel or material.

If guns are not to be at once loaded with common shell he wil give orders to that effect.

He will then give the order "Prepare for action," and go

his command post.

(B.) On the "Assembly," followed by the "Double," sounding the B.C. will go straight to his command post. (If the details are fallen in under his command he will first give them the order, "Prepare for action, double.")

(A and B.) The B.C., on arriving at his command post satisfy himself that his communications are in working order charts, &c., ready to hand, and if D.R.F. is used, that it properly set up.

If time admits he will await the report, "Ready for action" from his subordinates, and then make an inspection of the

groups, ammunition, stores, &c. Otherwise he will make this hispection as opportunity offers at any time before or during lauses in action.

As soon as his command is ready for action, he will report it to the F.C.

Gun Group Commanders.

(A.) On the "Assembly" sounding, or on receiving orders to hat effect from the B.C., he will fall in on the Manning Parade.

As soon as his details are fallen in, he will give the order—

"...... Group, tell off," and when each detachment is told off, Group, number detachments from the front."

He will then personally make certain that the whole of his details are present, and know their places and duties in action, where to obtain their stores, &c. He will then order—

"...... Group, stand at ease," and report, "....... Group all resent and correct" to the B.C., and fall in two paces from the entre of a flank of his details.

On the B.C.'s command, "Prepare for action," each G.G.C. ill march his details to the group he is to man, and, arriving at guns, will order—

"On your guns, double."

When he is satisfied that each detachment is in its place, will order—

"....... Group, prepare for action," and see that carbines (if rried) are at once placed in the racks or receptacles provided.

(B.) On the "Assembly," followed by "Double," sounding on the B.C.'s order, "Prepare for action, double"), each G.C. will go at once to his group.

(A and B.) Unless stores are in position at the groups, each (I.C. will bring from the group store any tables allotted for use, and will see that each detachment brings up its stores in

a quick and orderly manner. He will ensure that those article which are common to two or more guns, or to the group, are not omitted, and are placed in the positions allotted to them.

He will inspect the group store, and satisfy himself that nothing required for the working of his group remains in them.

At night he will see that the proper lamps are lighted and in the right places.

He will make sure that his G.C.'s thoroughly understand the case of laying, means of range-finding, and giving elevation source of ammunition supply, &c., to be used, and the method of replacing casualties.

Where P.F. is installed, and Case I or II is to be used by will see that every preparation is made for using Case III required.

(A.) He will see that group differences are correctly marked of the gun floor, and superintend the testing of racers, yard scales cylinders or buffers (P.F. dials and firing circuit if installed)

and gauging of shell.

He will ascertain that all his communications, electrical of otherwise, are in working order.

He will inspect his shell and cartridge depôts, and see that projectiles and gaschecks are thoroughly clean, and gaschecks slightly smeared with oil.

As soon as all the guns are reported by the Gun Captains, "Ready for action," he will make a formal and thorough inspection of his group, gun by gun. As each detachment is inspected it will be called to attention by its G.C. Each man will then git or stand up in his proper place to attention. When the G.C. has passed, the G.C. will order, "Sit (or stand) at ease."

In default of orders to the contrary from the B.C., the G.G.C will then give the order to the group to load with common shell

and percussion fuze.

He will then report to the B.C.—

"...... Group, ready for action,"

(B.) In default of instructions to the contrary from the B.C., the G.G.C. will give the order to load with common shell and ercussion fuze to each gun as soon as its G.C. reports it, "Ready or action." As soon as all are loaded and run up he will report to the B.C.—

....... Group, ready for action."

He will superintend the tests, and make the inspection entioned under A above as opportunity offers, but will not fer loading or making his report to the BC. for the purpose of urying them out.

(A and B.) If at any time he finds anything out of order which

(A and B.) If at any time nemous any sums, and an any time nemous any sums, and the B.C. He will call his group to attention (if sitting at ease) when the B.C. inspects it, will accompany him on his inspection, and give "Sit at ease," when he leaves it, unless there is work to be ^{Carried} out.

Gun Captains.

(A.) On the "Assembly" sounding (or on being ordered to in) each G.C. will fall in on the manning parade with his wn detachment, and will at once satisfy himself that all his men te present, and in their proper places.

On the G.G.C.'s order to tell off, detachments will be told off unultaneously in the ordinary manner.

On the order, "Number detachments from the front," the G.C. the leading detachment will number his detachment "Detachbent A1" (or as the case may be), the others numbering milarly in succession.

On the command, "On your guns, double," each G.C. will form his detachment in rear of the gun he is to man, and facing e front.

On the G.C.C.'s command, "Prepare for action," each G.C. will that the carbines, if carried, are at once placed in the racks Preceptacles provided for them, and will then lead his detachPART II.—Coast Defence.

Section VIII.-Manning and Fighting a Battery Command.

ment as quickly as possible to the group store, and see that end man brings up his appointed stores, and that preparation is action is correctly carried out, differences marked for his of gun, racers, yard scales, cylinders or buffers tested; also P. firing circuit if F.F. is installed, that his shell and gas checks are

clear, and gas checks oiled. He will then place his men under cover, sitting (or standing) at ease, and report to the G.G.C. When the G.G.C. inspects his gun, he will call the detachment

to attention, accompanying the G.G.C., and order the detachine ment to sit (or stand) at ease when he has passed. (B.) On the "Assembly," followed by "Double." sounding

(or on the B.C.'s order, "Prepare for action, double"), each G. will go at once to his own gun, and see that his detachment the same. He will see that his gun is in all respects ready action, and will then report to the G.G.C. He will make the tests and inspection mentioned above under

A as opportunity offers, but will not defer his report to the

G.G.C. for the purpose of carrying them out. (A and B.) If at any time he finds anything out of order which cannot be immediately put right, he will report to the

G.G.C.

Range Group Commander (or Senior non-commissioned Office! of the B.C.'s Staff).

(A.) On the "Assembly" sounding (or on receiving orders .to that effect from the B.C.) he will fall in on the manning parade, and will see that all the B.C.; at " and will see that all the B.C.'s staff are present and in their proper places, and know the duties they have to perform, where to obtain their stores. &c. He will then report to the B.C.—):

"B.C.'s staff all present and correct" (and if R.G.C. fall in t^{w^c} paces from the centre of a flank of the B.C.'s staff).

On the B.C.'s order, "Prepare for action," the R.G.C. will go

with the P.F. operator to the range group.

Other details will bring up their stores, go straight to their

laces, and prepare for action. The R.G.C., as soon as he is satisfied that the P.F. instruments

ave been correctly prepared for action, will report to the B.C.,

Range Group ready for action."

(B.) On the "Assembly," followed by "Double, sounding, or the B.C.'s order, "Prepare for action, double," the R.G.C. (if here is one) and all members of the B.C.'s staff will go as lickly as possible to their posts, and see that their instruments, e, are in all respects ready for action. The R.G.C., as soon as he is satisfied that all the P.F. instru-

lents have been correctly prepared for action, will report to the

R.C., "Range Group ready for action."

Immunition Officer (or Senior N.C.O. of the Ammunition Detail).

(A.) On the "Assembly" sounding, or on receiving orders to he same effect from the B.C., he will fall in on the manning arade, and will see that all the ammunition detail are present, how the duties they have to perform, where to go, &c., and at they are acquainted with the regulations for safety in Aagazines (see Part I, Section IV).

He will then report to the B.C., "Ammunition detail all resent and correct," and will fall in two paces from the centre a flank of the ammunition detail.

On the B.C.'s order, "Prepare for action," he will see that the etails go direct to their places in action and prepare to supply humunition.

He will make an inspection of all sources of ammunition apply, main and expense magazines, cartridge and shell stores, and ensure that his men are properly posted, and know which umunition to issue, and in what order, that all appliances Afts, &c.) are in working order, and lamps ready to light (or thted if required).

He will ensure that the regulation for magazines (see Part Section IV) are carried out.

He will then report to the B.C., "Ammunition detail read for action," and will continue to superintend the work of his men as may be required.

(B.) On the "Assembly," followed by the "Double," sounding (or on the B.C.'s order, "Prepare for action, double," the A.O. will see that his details go direct to their places as quickly appossible, and make all preparations mentioned under A. He will ensure that the proper precautions are observed as under A.

As soon as he is satisfied that everything is in working order, he will report to the B.C. as under A.

He will make a complete inspection as ordered under A, will not defer his report to the B.C. in order to do so.

Permanent Staff.

(A and B.) The duties of the above in the case of A or B will be decided as laid down under Permanent Staff, Section XI.

As a general rule where a real last the section of the section o

As a general rule when a work has to be manned, whether by A or B method, the district gunners would proceed at once to their guns, so that all doors may be unlocked, lamps lighted, and stores ready for issue, if not kept so always, by the time the group details arrive.

"Cease Firing. Replace Stores." (A and B.)—When "Retire" is sounded or "Cease firing. Replace stores," ordered, all detair as soon as they have replaced their stores (unless orders to the contrary are given) will fall in in their places on the manning parade.

The Battery Commander will then collect reports as to casualties and expenditure of ammunition, and will transmit them in writing to the F.C.

Subsection II.—Fighting a Battery Command.

battery command may be fought by either P.F. or D.R.F. Some groups by one, and some by the other) in the ordinary A some groups by one, and the some state of the hatteries differ widely in their construction, and in the conbatteries differ widely in their construction, and in the sons under which they are intended to act. So that it is dent that the method of fighting a battery command cannot satisfactorily laid down to meet all possible cases. All that be done is to indicate principles of action. The particular thods most suitable in each case must be studied locally, and finanently recorded.

our typical examples will be dealt with, viz.:—

(a) An open work with P.F. installed.

An open work with P.F. installed.

A casemated work with P.F. installed.

An open work with one D.R.F. installed for each battery command.

(A) A casemated work with one D.R.F. installed for each battery command.

_Remarks on—

Fighting by running past points are added.

(a.) An open work, with P.F. installed.

he B.C's position will be normally at his command post, but may leave it if necessary, provided that he arranges for a unsible person to remain there to receive and carry out rs from the F.C., and to observe and correct fire if the B.C.

here observation of fire from B.C.'s post is difficult, arrangeshould be made for carrying it out with the help of an (g.a.d,1)

observer to a flank, or on a higher site, as described in Part N

Indication of target.—When the enemy approaches, the will inform the B.C. what target he wishes him to engage. information may be conveyed to the B.C. by telling him square the target occupies at the time, or by description, to as "leading ship," "second ship of starboard division, to according to circumstances. according to circumstances. The square system is not recommended unless the target is called mended unless the target is stationary, or nearly so; and, eviden, not unless description is income, or nearly so; and, eviden, not unless description is income. then, not unless description is impossible. It is rarely successible with a moving target. At the with a moving target. At the same time, the F.C. will, possible, inform the B.C. of the class of the ship. Whatever message may be, the B.C. will at once transmit it to his R.C. of P.F. operators) and the B.F. (or P.F. operators), and the P.F. instruments will be brought bear as ordered bear as ordered.

It will generally be possible for the B.C. to assemble G.G.C.'s, and actually point out to them the target, if use Case I or II If so this matter to them the target if use the case I or II If so this matter to them the target if use the case I or II If so this matter to the case I or II If so this matter to the case I or II I I is a thin matter to the case I or II I I is a thin matter to the case I or II I is a thin matter to the case I or II I is a thin matter to the case I or II I is a thin matter to the case I or II I is a thin matter to the case I or II I is a thin matter to the case I or II I is a thin matter to the case I or II I is a thin matter to the case I or II I is a thin matter to the case I or II I is a thin matter to the case I or II I is a thin matter to the case I or II I is a thin matter to the case I or II I is a thin matter to the case I or I is a thin matter to the case I or I is a thin matter to the case I or I is a thin matter to the case I or I is a thin matter to the case I or I is a thin Case I or II. If so, this method is to be preferred, as tarter tables are governindicator tables are generally unsatisfactory at a moving tal state of laying.—Any Case can be employed as the thinks fit, but, it should be because

thinks fit, but it should be borne in mind that whenever it possible guns should be laid for direction over the sights.

Commencement of fire.—On receiving the order to comment firing from the F.C., the B.C. will lose no time in carrying it using the orders of fire most suitable to the case.

B.C.'s corrections in range and deflection will be made accordance with Part IV, Section VII. Range corrections be communicated to the R.G.C. (or P.F. operators). Deflecting correction to the G.G.C., except with Case III, when they be communicated to the R.G.C. (or P.F. operators).

Although fire should not, as a rule be opened without F.C.'s order, the B.C., if he has received no orders on the subj by the time the enemy has arrived within the fire area of any his guns, will ask the F.C. for instructions, and, in default

wing any, will exercise his discretion as to the opening of Want of orders may be due to interrupted communication, undue delay may cause diminished effect.

I must however be borne in mind that guns not firing keless powder must never be used when their smoke is by to inconvenience Q.F. guns in dealing with raiding attack.

Gun Group Commanders (Cases I and II).

s soon as each G.G.C. receives orders as to the target, he point it out to his G.C.'s and G.L.'s, and see that his guns kept trained on it with approximately the right elevation. It will see that the orders as to deflection are carried out at a gun.

Is soon as he receives the order, "Shot" or "Commence By," he will make his prediction (if one is necessary), and the final range to his group, or that gun of it which is the to fire. (But he will not do this in the case of ordinary of fire, if fire does not begin with his group, till the group to before his to fire has received the order, "Commence By," from its G.G.C.).

In G.G.C.'s prediction is the range selected by him, on the

C.G.C.'s prediction is the range selected by him, on the carance of which on the dial he intends to order his group fun to fire, and is in advance of that shown by the dial at time by about the distance which he estimates that the will increase or decrease before final laying is completed. actual range given to the group or gun will not necessarily he same as the predicted range, since this may be subject to of the corrections, such as that for displacement, which it casionally the duty of the G.G.C. to make.

here the range is "constant" no prediction is necessary.

ould the dial show the predicted range before the group or
lis ready to fire, the G.G.C. can order "Fresh lay," and make

by prediction, but it is not advisable to incur the delay which tauses unless the range is likely to have altered considerably (g.a.d.!) Q 2

before they are ready. To decide quickly on this point is offended most difficult and recommendations. most difficult, and requires experience and readiness on the 1 of the G.G.C.

The following example illustrates the above explanation. G.G.C. has noted that the range is decreasing at about the of 50 yards in 10 seconds. He receives the order to "Commentation" when the 1911 firing" when the dial is showing 2225, and he knows that it take his guns about 10 seconds to be laid and ready. He the fore decides to fire when the dial shows 2175, and this is predicted range. But there is a difference correction of yards, due to the P.F. in use being that belonging to another group. The final range which he gives to his guns is therefore 2200 yards. When the range 2175 appears on the dial he order "Commence firing."

Considerable practice is required in making predictions all range; if they are too leave and in making predictions. final range; if they are too long, valuable time is lost, in short the C. L. and hard the control of the contro short, the G.L.'s are hurried; knowledge of the channel will of great value to the G.G.C. of great value to the G.G.C. The rate of movement of dials should be carefully noted, as well as what the detachilled are doing; an officer of experience can generally estimate soon they will be ready to fire.

The G.G.C. will insist on all work being carried out smart and quickly, but will always take advantage of pauses in acti to allow his men to go under cover and sit easy, so as not fatigue them unnecessarily.

Gun Captains (Cases I and II).

As soon as the target is indicated by the G.G.C., the G.C. responsible that the gun is kept trained on the target, elevated according to the dial, so as to be ready for the range.

He will make racer corrections if necessary.

When the G.G.C. orders, "Commence firing," he will be care that all is correct before ordering his gun to fire.

 $\mathfrak{l}_{rac{1}{6}}$ is responsible that drill is carried out smartly and correctly, far as his gun is concerned.

Gun Group Commanders (Case III).

will order the switch to be put to lay at the time directed making his prediction under Gun Group Commanders uses I and II).

Gun Captains (Case III).

he principal duty of the G.C. peculiar to this case is care for safety of his detachment; he must never put in the firing g till all are clear, and if "Fresh lay" is given, permit no to go to the gun until he has taken it out, and given the er, "Take post to lay."

Range Group Commander. all three cases the R.G.C. will carry out as complete super-

on as possible of the observers, and will be careful to inform B.C. if anything goes wrong, either with the material or onnel of his command. He will receive and transmit to his evers all the orders of the B.C., unless the location and ber of the cells renders this impossible. (or in his absence the senior observer) will at once report Battery Commander if an instrument is out of order from cause, so that alternative methods of fighting the guns of

group for which it was working may be taken up at once. Ammunition Officer.

ring action he will exercise a careful and constant superover the whole of the supply, and keep note of all the mition expended.

ammunition officer should do all in his power to assist C. in arriving at a knowledge of the state of his powder,

Though for peace practice it will often be advisable to use small batches of ammunition to prevent accumulation, in act war the main point would be to ensure the greatest uniform of shooting by using the largest batches possible.

A B.C. should always be informed when it becomes neces

to issue cartridges from a fresh batch.

All temporary depôts and expense stores will be filled from the main magazine and shell stores as the ammunition them is expended, unless orders are given to the contrary.

After action he will see that all lights are extinguished, that all stores are properly closed and secured, unless order

the contrary are issued.

He will subsequently make a detailed statement to the Batt Commander (or other responsible officer) of all ammunic expended and the remains.

(b.) A casemated work, with P.F. installed.

Except as stated below, the remarks under (a) apply.

Indication of Target.—The Indication of target to G.G.C.'s

Cases I and II will generally be a matter of difficulty possible, the B.C. should assemble the G.G.C.'s, and persons point out the target to them. With a slow target, the target to tables might be successful. Or, the target have been indicated to the P.F. operators, and picked up by the the B.C. might indicate it to G.G.C.'s by directing them refer to the dials for its range and training. They would the proceed as described in Section IV, Subsection IV.

Case of Laying.—It may sometimes happen that in instance Case III alone can be employed, and there may be occasions when this is difficult to carry out. Local arrangements must then be made to meet the case, and permanent

recorded.

Whenever possible, however, Case II should be employed.

Commencement of Fire.

With guns as crowded as they are in most casemated works, Pecial care will probably have to be given to the order of fire, Cases I or II are employed, to avoid groups inconveniencing other by smoke.

(c.) An open work, with one D.R.F. installed for each Battery

Command. Except as stated below, the remarks under (a) apply.

Indication of Target.—To G.G.C.'s as under (a). The B.C. personally point out the target as soon as possible to the

O.R.F. operator.

Case of Laying.—Only Cases I and II can be employed. Commencement of Fire.—The remarks on ranging and orders fire under (a) apply, but B.C.'s range corrections will be put the range indicator at the D.R.F.

Gun Group Commanders.—As under (a) G.G.C., Cases I and II. le instructions for prediction under (a) apply equally to this se, D.R.F. and range indicators taking the places of P.F. and als. Difference corrections will almost invariably have to be

plied. Quickness and certainty in predicting can never be Lained unless B.C. and G.G.C.'s are accustomed to work gether, and place mutual trust in each other.

Gun Captains.—As under (a) G.C., Cases I and II. Range Group Commander. There will not be one.

(d.) A Casemated Work, with one D.R.F. installed for each Battery Command.

The remarks under (a) apply except as stated below.

Vase of Laying .- See under (c). Indication of Target .- See under (b), except so far as relates to indication by P.F.

Commencement of Fire. - See under (c).

Gun Group Commanders.—See under (c).

Gun Captains.—See under (c).

Range Group Commander.—There will not be one.

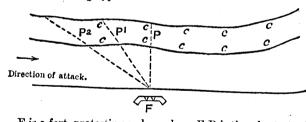
(e.) Fighting by Running Past Points.

1. In the event of Forcing a Passage being attempted.

There is one point at which fire is likely to be most effective viz., when the ship is at the shortest range, and the line of fire is at right angles to her side.

Hence this is the spot where the heaviest fire should be poured in, and the whole scheme must be arranged so as to ensure being done.

The following diagram will explain the principle which should be followed, such modifications as local considerations may necessitate being applied.



F is a fort protecting a channel c c, F P is the shortest range at which the line of fire is normal to the vessel's armour, and is the spot for the main salvo. Taking the highest speed at which ships can enter and the time necessary to ensure every gubeing ready after a previous round, a second point P should be laid down; this is the last spot at which a round should be permitted, any guns which cannot be fired here should reserve their fire,

At least three minutes should be allowed to ensure this round the least three minutes should be about this. Supposing the will gready; P¹ will be fixed so as to give this. Supposing the ge of P to be 1,500 yards and the speed of the vessel 14 knots, he latter will pass over about 1,400 yards in three minutes. This give P', and its range will be about 2,050 yards. A second hint P2 may be calculated on the same scale of time, and its

by would be about 3,170 yards. Under these conditions tables may be drawn up defining the Under these conditions tables may be drawn up defining the buttered in the fort record onts, and this information should be entered in the fort record ook and fighting books, and the racers of the guns should also

marked for the direction. The position and number of the points must vary according to the direction of, and range to the channel.

On the same principle fire can be defined, and continued Gyond P on the inner side. This continuance will, however, in the case of the intermediate forts of a line of defence, be seldom dicious till the last ship is passing; their best and most ecessary work lies with the ships at the most practical range.

It would appear desirable that every endeavour should be ade to disable the leading ship—a vessel sinking, unmanagebe, or unable to keep her station, would delay all behind her

less the channel were a wide one.

2. Against Raiding Attack.—Similar arrangements must be ale in the case of guns provided with special case for use winst torpedo boats. In this case it will probably not be sirable to attempt to traverse or elevate the guns.

A fixed elevation and training, different for each gun, so as to Fer the channel, or the most important part of it, with the

lead of the shot is most likely to produce effect.

Details must, however, be arranged locally to meet the inicular requirements of each case.

Section IX.-Manning and Fighting Q.F. and Machine Guns.

SECTION IX.-MANNING AND FIGHTING Q.F. AND MACHINE GUNS FOR DEFENCE AGAINST RAID.

In time of war the strain on the manning details at there guns is certain to be very severe. They must be on the alered day and night, perhaps for months, and ready to man the guing if required at a few seconds' notice. Under the most favourable circumstances warning of attack cannot be expected to reach them more then a few minutes before they are required to open fire, and when they do so their targets will probably humerous, very speedy, under fire for a very short time, and perhaps only dimly visible. (See Sections II and III.)

It is clear therefore that officers and men must be particularly selected for smartness and activity, and that very special training and organisation are a necessity. In the absence of any war experience under like conditions, close study of the probable needs of service is indispensable before definitely fixing any details connected with manning and fighting these guns. experience gained from the blank practice in combination with

the Royal Navy should be of the greatest assistance.

Precise arrangements must be made with the utmost care. locally after consideration of the special requirements of each case. The following instructions are intended to serve as a guide to this case. guide to this end.

Subsection I.—Manning.

Under the conditions outlined above, reliefs are a necessity, and accommodation for these must be provided in the immediate vicinity of the guns.

Section IX .- Manning and Fighting Q.F. and Machine Guns.

Two reliefs will probably be sufficient. The relief on duty will remain on the guns, and at night will bivouac alongside of them, making use of any shelter that is provided or can be improvised.

Where convenient depôts to hold an ample supply of ammuhition exist in close proximity to each gun, a relief for the ammunition supply party will probably not be required, but they and the relief off duty must turn out at once on the first fun firing. The ammunition party will then proceed without further orders to replenish the ammunition depôts; the relief off duty should fall in at any convenient place, previously

appointed, close to the guns, so as to be available to replace casualties, or men fatigued in action.

If fixed ammunition depôts close to each gun do not exist, some place convenient for rapid supply must be selected, and at

all events a few rounds stored there.

All spare parts and stores belonging to the guns must be disposed under cover close to them, so as to be available for

refitting at the shortest notice.

There should always be communication from each group, or where groups are not much scattered, from a central group to the look-out station or F.C. post. (See Section III, Subsection I.) The means of communication, telephonic, visual, or otherwise, hust never be left unattended, and where it serves more than one group, orderlies will probably be required to carry warnings. Reliefs for these details must also be provided.

A relief going on duty will be carefully inspected by its G.G.C., who will satisfy himself that all details are present and know their duties. They will then be marched on their guns as

bon as the relief going off duty has been withdrawn from them, and ordered to "Prepare for Action."

Although the guns should always in war be kept prepared for immediate action, it is desirable that preparation for action should be formally carried out when each relief goes on duty, in

PART II.—Coast Defence. 236

Section IX.-Manning and Fighting Q.F. and Machine Guns.

order to prevent defects which may occur after the first preparation for action, going unnoticed. Each G.C. will report "All Correct" or otherwise to the G.G.C. as soon as he has

prepared for action.

The relief going off duty will not be marched off or dismissed till the G.G.C. of the relief going on has satisfied himself that no stores are deficient. The G.G.C. will be particularly careful to see that the breech and firing mechanism and firing batteries are in good working

order, sights properly fitted (if automatic, adjusted), and means of illuminating them by night correct; ammunition ready for immediate issue, lamps ready for use, spare parts handy and ready for fitting, communications with the look-out station and elsewhere in good order, and that the man attending then understands any code or signals provided. When sights are not provided with their own means of illumi-

nation, arrangements must be made to admit of laying by night, This is generally best effected by chalking the foresight, and causing a bull's eye lamp to be held or fixed so as to illuminate it. Where there is a rise and fall of tide, automatic sights must

be readjusted at frequent intervals. Every firing battery should be tested once in each relief with

a primer in an empty cartridge.

Spare parts should be occasionally fitted, but to avoid guns

being out of action if required at short notice, this should be done gun by gun, and never at night or in thick weather.

Lamps should be lighted half an hour before dark.

When the G.G.C. is satisfied that everything is ready for mmediate action, he will allow his detachments, with the excepion of one man for watch duty at each gun, to break off, but will on no account himself leave the group, or allow any man of detachment to leave the immediate vicinity of his gun without permission, which should be most sparingly given, and as a rule Section IX.-Manning and Fighting Q.F. and Machine Guns.

Only when the man can be temporarily replaced by one of the relief off duty.

The man on watch at each gun will be frequently relieved, in order to avoid tiring his sight. He will remain by his gun and keep a continuous and sharp look out to seaward, reporting to the G.Ci.C. at once any vessel which approaches. Where the sting of the group does not allow of a clear and extended view beaward, it will be advisable to select an additional watch lost, where one can be found, as near as possible to the group, and keep it constantly manned and relieved in the same way as the watches on the guns. Endeavours should be made to train linen at watch duty at the guns by day and night, so that they may be able to recognise the different types of vessels and

describe them and their position accurately.

At night or in thick weather, guns will be kept loaded, but the breech will be left open. Machine guns will be kept ready

or rapid fire.

At night, it will probably be advisable to keep the guns of a group trained on divergent lines, so as to divide between them and cover the outer limit of the illuminated area, and to set the sights of each gun at a range corresponding to the distance of this limit at the training given. By this means wherever a boat may first appear, at least one gun should be ready to fire without delay.

Where guns are so close together that the flash from cordite harges has a blinding effect on detachments by night the hideavour should be made to erect screens so that men may not be exposed to the flash of adjacent guns; that from their win will generally be screened by the shield.

Subsection II.—Fighting.

Commencement of Fire.—If the G.G.C. receives warning from the look-out station of impending attack, he will at once order

PART II .- Coast Defence. 238

Section IX.-Manning and Fighting Q.F. and Machine Guns.

his detachments to take post and load (if the guns are not loaded), and make every preparation for opening fire as soon as the enemy appears within range.

enemy appears within range.

By day.—When any craft is reported by one of his men on watch, he will make a careful scrutiny of it, and if he considers

watch, he will make a careful scrutiny of it, and if he considers it in any way suspicious, will refer to the look-out station for identification of it. If obviously hostile, or if reported so by the

identification of it If obviously hostile, or if reported so by the look-out station or by the examining vessel, or in the case of a torpedo boat which is unable to prove itself friendly, he will (in the absence of any local orders to the contrary) open fire as early as possible.

By night.—He is responsible for the immediate opening of fire

on any small craft he may see. When any boat or vessel is reported to him, he must come to an instant decision as to whether it is of a type which he is bound to attack. Torpedo boats will invariably be treated as hostile unless they can prove themselves to be friendly. It is extremely unlikely that friendly boats will be allowed to enter the illuminated area at night, owing to the impossibility of distinguishing at the guns between friend and foe, but should they be permitted to do so, some secret signal would doubtless be agreed upon locally, and promulgated to those concerned. Such permission, however, is strongly to be deprecated, as greatly enhancing the difficulties of the defence and entailing responsibility and anxiety to the G.G.C., whose duties will in any case be onerous enough. In the absence of any special arrangements of this nature, a friendly boat entering the beam of a light does so at her own risk, and if sunk

or disabled is alone to blame.

If the G.G.C. decides to open fire

(i) where automatic sights are in use, or if the setter can observe the fire, he will at once give the command "Independent Fire," and may allot to each gun its target, or leave the gun

layers to select them as he considers best.

(ii.) Under other circumstances he will give the range and

Section IX .- Manning and Fighting Q.F. and Machine Guns.

effection, and the command "Rapid Fire." Fire will then be Carried on as laid down in Part IV, Section VII, B.

By night or in thick weather, when it is important to take dvantage of every second that a boat is visible, the first round t each gun should be fired by the man on watch at it, but the etachment will immediately take post, and fire will be continued

the usual way.

Selection and indication of Target.—Where an attack is made force, selection and indication of target will probably be hatters of extreme difficulty, particularly at night, owing to le large number of boats in view at the same time. Efficient distribution of fire is of the utmost importance, and previous inderstanding between groups as to selection of targets would ppear to be necessary, in order to avoid one or two boats rawing the whole of the fire, while the rest escape it. Whatever scheme for the distribution of targets is approved should be thoroughly understood by all G.G.C.'s and (in case of independent fire) gun layers concerned.

Indication of target can probably be best effected by both escribing and pointing to the boat selected. Orders of Fire .- On account of these difficulties and for the ke of rapidity "Independent Fire" will be the normal order of rel when automatic sighting is used, or when, with ordinary Ights, the setter can observe the fire and correct the elevation. Inder other circumstances "Rapid Fire" will be used. Observation of Fire.—In all cases the G.G.C. must keep a

Areful watch on the effect of his fire. When using rapid fire and ordinary sights he should endeavour to gain assistance in timating the range from a knowledge of local sea or shore Marks, if any are visible. He must be careful not to be misled his observation of fire by rounds fired at the wrong target, or om other groups, or, especially at night, by shells grazing short If the target, and bursting on ricochet.

Deflection and Point of Attack .- Deflection will require

PART II.—Coast Defence. 240

Section IX .- Manning and Fighting O.F. and Machine Guns.

watching. The endeavour should be made to direct fire below:

(1.) At the part of the boat occupied by the boilers, injury to which will entirely disable the boat. 6 and 3-pr. Q.F. gul have however hardly power enough for the effective attack boilers, especially when the coal bunkers which protect the are fairly full. Or :-

(2.) At a point well forward, for choice in the bow wave, that by filling forward the boat may become down by the head and unmanageable. If (2) is aimed at, deflection may be almost disregarded if the

bow water line is laid on, or at all events very little change will

probably be necessary, as the travel due to the time of flight will tend to bring the projectile to the right spot. But in the case of (1), if the bow water line is laid on, and the approach is, as usually happens, in a straight line diagonally across the front of the group, more deflection will be required a the target gets nearer, for the following reason:—The boilers of a torpedo boat or destroyer are situated about midway between

stem and stern, or roughly (with a 1st class boat or destroyer) from 70 to 100 feet from the stem. At the beginning of a diagonal approach the keel of the boat will at most coincide with the direction of the line of fire, and therefore little or no deflect

tion will be required. As the boat approaches and passes the group the line of fire will ultimately become almost perpendicular to the keel of the boat, and nearly the whole of the 70 to 100 feet will have to be allowed for by giving deflection to the side from which the boat is coming. The shell of a 12-pr. Q.F. laid without deflection on the stem of a boat distant about 300 yards, and moving 20 knots at right angles to the line of fire will only strike about 15 ft. aft from the stem. Consequently to

attack the boilers would require from about 4 degrees to 61 degrees deflection towards the stern. This is a greater deflection than any sights admit of.

241 PART II.—Coast Defence.

Section IX.-Manning and Fighting Q.F. and Machine Guns.

With the 12-pr. therefore, which has power enough to retrate full bunkers and burst with destructive effect among oilers and machinery, it may be well to select the waterline fuller the foremost funnel as the part to lay on. With automatic lights this would also have the advantage of getting rid of the functional fuller than the caused by false height due to the bow wave except at short ranges. With all sights it would reduce the deflection necessary to the same limits as in the case of (2).

Section X .- Summary of Duties of Officers.

SECTION X-SUMMARY OF DUTIES OF OFFICERS AND OTHERS.

Subsection I .- The Fire Commander.

He is charged with Fire Control. (See Section III, Sub' section II.)

On taking up his duties he becomes responsible to the Section Commander for the efficiency and general preparedness for war of his entire command in every detail.

He must be well acquainted with the general scheme of defence for the fortress, and especially with such portion of the artiller, scheme as relates to his particular command, and will see that the provisions of it are carried out. (See Fighting Book Section III.)

Any defects or deficiencies he must endeavour to make good at once with whatever means may be at his disposal,

He must have a full knowledge of the nature and position of obstructions, electric lights and mine fields, and must have concerted action with the officers responsible for them either directly or through the Section Commander, as the latter may direct.

He must also be aware generally of the disposition, &c., of the infantry or field force, if any, protecting the rear of his command

He must ensure that all his subordinates are conversant with the duties required of them under all circumstances, and are constantly practised in them; and that all permanent orders and instructions relating to them are carefully recorded and available for reference to those concerned

Section X.-Summary of Duties of Officers.

The Senior Fire Commander of a section will act as artillery adviser to the Section Commander.

Subsection II.—The Battery Commander.

He is charged with Fire Direction (Section III, Subsection II), and is responsible to the F.C. for its proper performance.

He is responsible to the F.C. for the efficiency and general

Preparedness for action of his command in every detail.

Any defects or deficiencies he must report to the F.C., and

ndeavour to make good at once with whatever means may be at his disposal.

He must be acquainted with the general scheme of defence or the fortress, and thoroughly conversant with such portions of the Artillery Scheme as relate to his particular command. See Fighting Books, Section III.)

He will ensure that all his subordinates have a thorough thowledge of the duties required of them under all circumstances, and are constantly practised in them; and that all permanent orders and instructions relating to them are carefully recorded and available for reference to those concerned.

Subsection III .- The Gun Group Commander.

All guns except Q.F. guns used for defence against raid.

The G.G.C. is responsible to the B.C. that his group and all etails and stores connected with it are efficient and fit for etion. He will conform generally to the directions of ection VIII.

In action he will always be with his group, and is responsible discipline in it, and for the quick, quiet, and efficient service his guns.

his guns. He will ensure that the ammunition required for the immediate evice of his guns is always ready to hand.

No gun of his group will be fired without his order.
(g.a.d.)

R 2

Section X .- Summary of Duties of Officers.

He has normally nothing to do with selecting the order of fire projectile, or target, with ordering the commencement of fire or with observation of fire But in case of damage to range finding instruments or failure of the ordinary communications with the B.C., he must not hesitate to take upon himself the responsibility for independent action in these matters.

Q.F. guns used for defe neeagainst raid.

He is responsible for fire direction as defined in Section III, Subsection II.

He will be always present with his group, and will carry out the directions of Section IX, subject to any local orders which may be given.

Subsection IV .- The Range Group Commander.

He is responsible to the Battery Commander (or Battery Commanders) that all instruments in his charge, and the communications belonging to them, are in good order, and the operators properly trained.

In action he will exercise a general supervision over them. He must therefore have an intimate knowledge of the P.F. and

the method of working it.

In action he will receive orders as to targets and correction of fire. Such orders must however be at once acted on by the operators at the different instruments in the event of his not being actually present in the particular cell at which an order is received.

He will conform to the directions of Section VIII, but the necessity or otherwise for a Range Group Commander depending entirely upon local conditions, the actual details of his charge and duties must to a great extent be decided by those in command at a station where he may be required.

Section X.-Summary of Duties of Officers.

Subsection V .- Ammunition Officer.

The duties of the ammunition officer and the detail under him b0 as far as the delivery of cartridges and shell either (a) at the doors or top of the lifts of the main magazine and shell stores, it these are used as expense stores; or (b) at the doors or top of the lifts of the expense stores; or (c) at the depôts, if used. The supply to the guns from the outside of the doors or top of lifts of the main magazine and shell stores in the case of (a), or from the outside of the doors or top of the lifts of expense atores in the case of (b), or from the depôts in the case of (c) will

be carried out by the gun numbers.

The ammunition officer is responsible that everything connected with the supply as above is in good order, the men properly told off according to the Manning Table, and that they know their duties.

He will conform in action to the directions of Section VIII.

Subsection VI.—The Permanent Staff.

The officers forming the permaneut staff of the artillery of a fortress have their stations and duties assigned to them at the discretion of the C.R.A. They include

C.R.A.

One or more staff officers. Armament officers. Instructor in gunnery. Instructors in range finding. District officers.

The duties of these officers in action will be settled locally, and be detailed in the Artillery Mobilization Tables and in all fort Record Books.

Section X .- Summary of Duties of Officers.

The warrant officers, N.C.O.'s and men permanently attached are as follows :--

> Master gunners. Armament artificers.

Machinery gunners. District gunners, and Storemen.

The position in action of a master gunner is at the artillery store of the portion of the armament under his charge. He is in immediate charge of the district gunners, and is responsible for the custody and issue of stores of all kinds.

Artificers are detailed according to local requirements and are under the immediate command of the Inspector of ordnance machinery. Their positions in action will be decided locally.

Their duties are the care and preservation of the gun mount ings, and of all mechanical details connected with the fort.

The district gunners are immediately responsible to the master gunner for the care and cleanliness of the guns, mountings, stores, &c., placed in their charge. They should, as far as if possible under the local conditions obtaining, be permanently employed in order that they may have an intimate knowledge of the gun and mounting, and all stores connected with it, which is under their care, and also of the storage and means of supply of the ammunition for the same.

As a great deal of the daily routine work of a district gunner has, especially where the guns of a master gunner's charge are much scattered, to be performed without constant personal super; vision, it is most desirable that they should be reliable men, and not frequently changed.

The duties both generally and in action of district gunners, as well as the number required for each work, should be defined

locally and recorded in the Fort Record Book.

SECTION XI -- EXERCISES IN COAST DEFENCE.

1. With a view to encouraging the study of the method whereby an attack by hostile vessels upon coast fortresses may be best prepared for and defeated, officers of Garrison Artillery will be required to solve problems during the winter months in connection with a supposed attack on the fortress in which they are quartered.

2. The solution of such problems will take the place of the reconnaissance and road sketches for officers of other branches,

(vide Queen's Regulations).

- 3. The exercises will be set by the C.R.A., and after completion by the officers to whom they are allotted they will be criticised in writing by majors of batteries and lieutenant-colonels commanding. They will then be considered by the C.R.A., who will cause his remarks on them to be communicated to the officers concerned by lieutenant-colonels commanding.
- 4. In order to facilitate the preparation of such exercises, examples are given here showing the character which they should assume. These examples may be modified or enlarged as required. The "General Idea" and the Instructions are to be trawn up by the instructor, who may be the C.R.A., or an officer appointed by him, and to be given to the officer who is to recute the exercise.

5. The exercises drawn for any given fire command or battery command may be varied from time to time by introducing any squalties which would be likely to occur, by altering the number of men available, &c., &c.

6. It is desirable that every captain and subaltern officer bould solve one of these problems during the winter months,

provided that the C.R.A. shall have full discretion to employ an officer in the preparation of charts, fort books, coast surveys, &c., or any other kind of practical and useful work, instead of employing him in the solution of such problems.

7. The books of reference required in the solution of these problems are those found in the company and sub-district offices with the addition of the Fort Record Books and attack sheets.

EXERCISE No. I.

(Note.—This is an example of the form of exercise which should be set to officers supposed to be acting as Fire Continuanders).

GENERAL IDEA.

(To be made out by the Instructor.)

(a) Name an actual fire command of the fortress in which the officer who is to solve the problem is stationed.

The fire command named is to be treated as it is, with the

existing forts and communications.

(b) State nationality of enemy, probable ships to be expected, and date of commencement of hostilities.

(c) Detail the Artillery available to man the section, showing number of officers, N.C.O.s, and men, and the corps to which they belong.

(d) State the numbers and general disposition of the field

force co-operating in the defence.

(e) Give the date of arrival of the several corps, and probable date of withdrawal of any portion.

(f) Give general positions of camping ground available.
(g) State what means of transport is available by road and by

water.

(h) Indicate the locality of the mine fields, and the position and nature of any obstructions which would be made use of in time of war.

(i) State what electric lights are available, if these are not already established.

(j) Introduce any casualty which might be likely to occur to existing communications, &c., both before and during action.

ORDERS.

(To be given by the Instructor to the Officer who is to carry out the Exercise.)

1. Detail your own Staff.

2. Tell off the Troops, as given in General Idea (c) to the various works of the Fire Command.

3. Where Auxiliary Troops are employed arrange for a proper distribution of R.A., officers and specialists for instruments, &c.,

When required.

4. Draw up plans for the training of Auxiliary Corps on arrival, detailing the hours of drill, and arranging for the distribution of Instructors.

5. Arrange for the accommodation of troops in camps or forts, so required, stating what corps are to be encamped, and where, and what corps are to be accommodated in forts, &c.

6. Fix landing places for reinforcements and parties coming by water, stating the favourable times for these parties to arrive, considering state of tide and security from enemy's

fire.

7. Frame orders to ensure the immediate and complete manning of your command in case of sudden attack, whether by day or night.

8. Draw up orders regarding the disposal of hammocks, arms,

accoutrements, kits, &c., in action.

9. Frame fire orders and give orders regarding water supply and cooking both in camps and in forts.

10. Arrange for the temporary treatment and eventual removal

of sick and wounded.

11. Arrange for all communications which you consider neces sary to supplement those already established, or as alternatives in case of casualty.

12. Arrange for transport by water, where required, between your command post and the forts, and between the several

forts, for orderlies, reinforcements, &c.

13. State what steps you consider advisable for strengthening works, improving cover, concealing emplacements, constructing

temporary accommodation, &c. 14. Arrange for the early identification of hostile vessels, and the detection of raiding craft. If your command post is not

conveniently placed for this service, state where look out posts are to be established and what communications must be provided; 15. State any alterations or additions which you recommend

in the case of mine fields and sea obstructions.

16. Issue detailed orders for the distribution and use of the "armament for general defence." 17. Fix positions for electric lights, if not already established,

and state what area you propose to illuminate with each, and whether any power of training is to be allowed to it. If the positions of lights are fixed, suggest any alterations which you consider advisable.

18. Issue any special instructions which you consider requisite for dealing with raiding and counter-mining attacks, whether by day or night, in clear or in thick weather.

19. Make arrangements for the safety of any command posts, P.F. or electric light emplacements which may be in situations

exposed to a sudden rush.

20. Issue any orders which may be necessary with regard to the method of meeting the several possible forms of attack, the

Proposed plan of action and the scheme for co-operation of the rations forts.

21. Make such suggestions as may occur to you, as to any steps you consider necessary to complete the efficiency of your command.

EXERCISE No. II.

Note.—This is an example of the form of exercise which bould be set to officers supposed to be acting as Battery Companders).

GENERAL IDEA.

(To be made out by the Instructor.)

- (a) Name an actual Battery Commander's unit in the section which the officer who is to solve the problem is stationed; the unit to be treated as it is, with its existing communications.
- (b) Detail the Artillery available, showing the number of officers, non-commissioned officers, and men, and the corps to which they belong.

(c) Name the site of camp for the troops manning the fort,

(d) State what electric lights are established and the areas which they illuminate.

INSTRUCTIONS.

(To be given by the Instructor to the Officer who is to carry out the Exercise.)

1. Draw up a complete manning table on the usual form, and plain the arrangements made for fighting those groups (if by) which cannot be regularly manned.

2. If reinforcements are to arrive by water, detail the arrangelents to be made for landing them.

3. Show how you intend to distribute your men in camp and

in the works for accommodation, keeping in view the necessiff for quartering groups and other units intact.

4. Give a detailed plan of the camp (if any) showing distribution of tents, and distribution of units in the camp.

5. Give a detailed statement of accommodation in the works, showing distribution of units and stating what hammocks, (if any) are required.

6. State the amount and sources of water supply, and whether

sufficient.

7. Frame fire crders, and give instructions regarding use of water, cooking. &c.

8. Formulate orders concerning the temporary treatment and

disposal of sick and wounded.

9. Detail the arrangements to be made for observing and communicating any preconcerted alarm signal.

10. Give orders regarding the parading of manning details.

11. Frame regulations for the disposal of hammocks, (if any) small arms and ammunition, kits, &c., in action.

12. Select your own command post, and those for any group⁵ where it is essential that the G.G.C., should have "Fire Direction," and detail the stations of master gunners, district gunners and artificers.

13. Determine the means of range finding and of communi-

cating ranges which you intend to employ.

14. Specify the means of communication to be employed between yourself and your Range Group and Gun Group Commanders and Ammunition Officer, and between the range finding stations and the groups, for the purpose of passing orders and information. Provide for alternative means of communication where a break down is to be contemplated.

15. Specify the method of laying to be employed, both nor-

mally and under any special circumstances.

16. Arrange for a system of observing fire both for line and elevation.

17. Explain the process of ranging you intend to adopt in the case of each form of attack with especial reference to the Orders of Fire which will be used.

18. Give special instructions relative to fighting by night blere this necessitates any modification of the above. Arrange for the lighting of the gun floor, cartridge and shell stores,

nagazines, &c.

19. Explain in detail the arrangements made for a continuous upply of ammunition to the gun floor, and state the positions

chosen for temporary depôts of ammunition (if any).

20. Make detailed arrangements for the safety of any posts,
complacements, &c., which may be in situations exposed to a

sudden rush.
21. Give orders regarding reinforcements to meet casualties to men in action, and for the relief of specialists and detach-

Ments where required.

22. Make suggestions as to any steps which you consider accessary to increase the efficiency of your command.

EXERCISE No. III.

GENERAL IDEA.

(To be made out by the Instructor.)

(a) Specify a harbour entrance or narrow passage provided with Q.F. guns, or with heavy guns firing special case for defence against raiding attack.

(b) Enumerate the guns which are included in the scheme.

(c) Specify the troops available, showing the number of officers, N.C.O.'s and men, and the Corps to which they belong.

(d) Name the sites of camps (if any), and nature and extent of any temporary accommodation authorised.

(e) State what electric lights are available, and define the

treas which they illuminate

(1) Specify the exact situation, extent, and nature of the boom or other obstructions to be employed; whether the the entrance for traffic is to be closed at night, and if so, how, and at what time closed and opened.

(g) Specify the alarm signal, and state from where it will be Detail the arrangements and communications which

exist for giving warning of attack.

(h) State the strength of attack to be anticipated.

INSTRUCTIONS.

(To be given by the Instructor to the Officer who is to carry out the Exercise.)

1. Draw up a complete manning table on the usual form showing reliefs.

2. Draw a plan of the entrance or passage, showing positions of the obstructions; position of the electric lights, and areas illuminated; position and effective fire area of each group; F.C. post (or look out station), and communications (if any) from thence to the guns.

3. Issue orders for the accommodation of the manning details.

4. Give a detailed plan of the accommodation, showing distribution of units.

5. Issue orders concerning the use of water, cooking, &c., and procedure in the event of fire, such as to be generally applicable to all troops included in the general idea.

6. Give orders regarding the temporary treatment and dis-

posal of sick and wounded.

7. Detail the system of communications to be employed for alarm and general purposes, and make complete arrangements for its efficient application.

8. Detail fully the arrangements to be made for keeping an efficient look out without unduly harassing the manning details, and for observing and acting on any preconcerted alarm signal,

- 9. Give orders regarding the parading of details.
- 10. Issue orders as to the provision of reinforcements and replacement of casualties in action.
- 11. Make detailed arrangements for the lighting at the guns, expense stores, &c., at night.
- 12. Issue general instructions as to the selection of targets by groups, and the orders of fire to be employed, with a view to Preventing fire being concentrated on a few boats while the others escape.
- 13. Give any general instructions which you consider advisable with regard to the choice of the point of attack on boats. (See Section IX.)

14. Give directions as to inspections and testing of guns,

- mountings, and other stores, and to the periodical fitting of Spare parts. 15. Where heavy guns firing special case are included in the scheme, make all arrangements and issue all instructions for
- their efficient use. (See Subsection II, Section VIII.) 16. Make arrangements for careful training of all details from the moment that "mobilisation" is ordered.
- 17. Issue any further orders or make any additional arrange-Ment or recommendations which you consider advisable.

LONDON: PRINTED FOR HER MAJESTY'S STATIONERY OFFICE

> BY HARRISON AND SONS, . PRINTERS IN ORDINARY TO HER MAJESTY.

(Wt. 1313 10,000 5 | 99- H & S 1620)